Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/48369
वर्ष 13 । अंक 117
नई दिल्ली, सोमवार, 3 मार्च 2025
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

पायनियर

Established 1865
नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर
राष्ट्रीय-10
वामपंथी और उदारवादी हैं हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा: हिमंत विश्व शर्मा

सेबी की पूर्व अध्यक्ष बुच पर चलेगा केस

टीएन रघुनाथ। मुंबई

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत नामित एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच, सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्यों और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के दो शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी, नियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। माधबी बुच और तीन पूर्णकालिक सदस्यों अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय के अलावा, दो शीर्ष बीएसई अधिकारी बीएसई के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल और इसके सीईओ सुंदररामन राममूर्ति के खिलाफ विशेष पीएमएलए अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया हैं।

विशेष न्यायालय के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, कानून प्रवर्तन और सेबी की निष्क्रियता के कारण धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। आरोप एक संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं, जिसकी जांच जरूरी है। नियामक चूक और मिलीभगत के प्रथम दृष्टया सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच की जरूरत है। विशेष एसीबी अदालत ने एक मीडियाकर्मी सपन श्रीवास्तव द्वारा दायर आवेदन के आधार पर एसीबी, मुंबई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देते हुए एक आदेश पारित किया, जिसमें बुच और माधाबी बुच तथा अन्य द्वारा कथित रूप से बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, विनियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों की दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156(3) के तहत जांच की मांग की गई थी। ये आरोप नियामक प्राधिकरणों, विशेष रूप से सेबी की सक्रिय मिलीभगत से एक कंपनी को सेबी अधिनियम, 1992 और उसके तहत नियमों और विनियमों के अनुपालन के बिना स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने से संबंधित हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर की सुविधा दी और निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉर्पोरेट धोखाधड़ी को सक्षम बनाया। अन्य बातों के अलावा, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने और उसके परिवार ने 13 दिसंबर, 1994 को कैल्स रिफाइनरीज लिमिटेड के शेयरों में निवेश किया था, जो बीएसई इंडिया में सूचीबद्ध थी, और उसे भारी नुकसान हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि सेबी और बीएसई ने फर्म के अपराधों की अनदेखी की, इसे कानून के खिलाफ सूचीबद्ध किया, और निवेशकों के हितों की रक्षा करने में विफल रहे। श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि सेबी के अधिकारियों ने कंपनी की लिस्टिंग की अनुमति देकर बाजार में हेरफेर और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने आवेदन में कहा कि उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया क्योंकि पुलिस और नियामक प्राधिकरण उनकी शिकायत पर कार्रवाई करने में विफल रहे।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए, विशेष अदालत के न्यायाधीश ने कहा, आरोपों की गंभीरता, लागू कानूनों और स्थापित कानूनी मिसालों को देखते हुए, यह अदालत सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत जांच का निर्देश देना उचित समझती है। एसीबी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सेबी अधिनियम और अन्य लागू कानूनों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। आदेश के अनुसार, विशेष न्यायालय जांच की निगरानी करेगा। न्यायालय ने एसीबी को 30 दिनों के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

इस बीच, रविवार को मीडिया को जारी एक बयान में सेबी ने उस शिकायत को खारिज कर दिया – जिसके आधार पर विशेष न्यायालय ने आदेश पारित किया था – इसे तुच्छ और आदतन वादी की ओर से आने वाली शिकायत बताते हुए कहा कि वह विशेष न्यायालय द्वारा पारित आदेश को चुनौती देगा। सेबी ने अपने बयान में कहा, भले ही ये अधिकारी प्रासंगिक समय पर अपने संबंधित पदों पर नहीं थे, लेकिन न्यायालय ने बिना कोई नोटिस जारी किए या सेबी को तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखने का कोई अवसर दिए बिना आवेदन को अनुमति दे दी। बयान में कहा गया है, आवेदक को तुच्छ और आदतन वादी माना जाता है, जिसकी पिछली याचिकाओं को न्यायालय ने खारिज कर दिया था, तथा कुछ मामलों में उस पर जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगा तथा सभी मामलों में उचित विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। (शेष पृष्ठ 9)

चमोली हिमस्खलन में मरने वालों की संख्या हुई आठ

पायनियर समाचार सेवा। गोपेश्वर

चमोली जिले के माणा और बद्रीनाथ के बीच सीमा सड़क संगठन के शिविर पर शुक्रवार को हुए हिमस्खलन के बाद बचाव अभियान में जुटे जवान।

उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ के पास माणा गांव में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के शिविर पर हुए हिमस्खलन में लापता चारों मजदूरों के शव रविवार को बरामद हो गए। ये मजदूर पिछले शुक्रवार को हिमस्खलन के बाद बर्फ में दबे हुए थे। चमोली के जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने यहां बताया कि बचाव एवं तलाश अभियान के दौरान लापता सभी मजदूरों के शव बरामद कर लिए गए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हुए हिमस्खलन के कारण बर्फ में 54 मजदूर फंस गए थे, जिनमें से 46 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि आठ अन्य की मौत हो गई।

तिवारी के मुताबिक, रविवार को जिन चार मजदूरों के शव बरामद हुए हैं, उनकी पहचान उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर के रहने वाले अनिल कुमार (21), उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के अशोक (28), हिमाचल प्रदेश के ऊना के हरमेश चंद (30) और देहरादून के क्लेमेंटाउन क्षेत्र के निवासी अरविंद (43) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सात मृतकों के शव को ज्योतिर्मठ लाया गया है, जहां उनका पोस्टमार्टम किया जा रहा है। भारत-चीन सीमा पर करीब 3,200 मीटर की उंचाई पर स्थित आखिरी गांव माणा में हिमस्खलन होने से बीआरओ शिविर में आठ कंटेनर में रह रहे सीमा सड़क संगठन के 54 मजूदर बर्फ में फंस गए थे। फंसे मजदूरों की संख्या पहले 55 बताई जा रही थी, लेकिन एक मजदूर के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा स्थित अपने घर सुरक्षित पहुंच जाने की सूचना मिलने के बाद यह संख्या 54 रह गई।

बर्फ में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए सेना, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), पुलिस, जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने तीन दिनों तक तलाश एवं बचाव अभियान चलाया। सेना के डॉक्टरों ने बताया कि पहले बचाए गए 46 श्रमिकों को ज्योतिर्मठ के सैन्य अस्पताल में लाया गया है, जबकि रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण एक व्यक्ति को ऋषिकेश स्थित एम्स ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को संभावित खराब मौसम की आशंका के कारण बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हेलीकॉप्टर, खोजी कुत्तों और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सेना के डॉक्टरों ने बताया कि पहले बचाए गए 46 श्रमिकों को ज्योतिर्मठ के सैन्य अस्पताल में लाया गया है, जबकि रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण एक व्यक्ति को ऋषिकेश स्थित एम्स ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को संभावित खराब मौसम की आशंका के कारण बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हेलीकॉप्टर, खोजी कुत्तों और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। शवों को हेलीकॉप्टर से ज्योतिर्मठ लाया गया है, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। शुक्रवार को माणा और बद्रीनाथ के बीच बीआरओ कैंप में हिमस्खलन हुआ, जिसमें 54 मजदूर आठ कंटेनरों और एक शेड के अंदर दब गए। पहले माना जा रहा था कि फंसे हुए मजदूरों की कुल संख्या 55 है, लेकिन उनमें से एक अनधिकृत छुट्टी(शेष पृष्ठ 9)

नियमित विदेश यात्राओं ने आईपीएस अधिकारी को मुश्किल में डाला

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

आंध्र प्रदेश सरकार ने रविवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पी वी सुनील कुमार को पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान बिना पूर्व अनुमति के बार-बार विदेश यात्रा करने के आरोप में निलंबित कर दिया। एक सरकारी आदेश में मुख्य सचिव के विजयानंद ने कहा कि डीजीपी रैंक के अधिकारी कुमार, जो कि पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे हैं, ने उन विदेश यात्राओं के दौरान सरकार द्वारा अनुमोदित यात्रा योजना से विचलन किया था। मुख्य सचिव ने आदेश में कहा, अब, इसलिए, अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1969 के नियम 3 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आंध्र प्रदेश सरकार पी वी सुनील कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करती है। शीर्ष नौकरशाह के अनुसार, कुमार ने बार-बार स्थापित प्रथाओं के प्रति जानबूझकर उपेक्षा का प्रदर्शन किया। अपेक्षित अनुमति प्राप्त किए बिना विदेश यात्रा करके उनके कार्य घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और गंभीर कदाचार को दर्शाते हैं। गंभीर कदाचार के ऐसे बार-बार किए गए कृत्यों के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने कहा कि वर्ष 2019 और वर्ष 2024 के बीच इन कथित अनधिकृत यात्राओं में जॉर्जिया, यूएई, स्वीडन, यूएसए और यूके शामिल थे। हालांकि कुमार को 1 से 4 मार्च, 2024 तक जॉर्जिया जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर स्वीकृत योजना से विचलन किया और बिना अनुमति के उन चार दिनों के (शेष पृष्ठ 9)

मायावती के भरोसे पर खरे नहीं उतरे आकाश

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

लखनऊ में पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक के दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कभी एक प्रमुख ताकत रही बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) में अंदरूनी खींचतान चल रही है। रविवार को एक बड़े फैसले में बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से मुक्त कर दिया है। मायावती ने आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पिछले महीने पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद यह कदम उठाया है। मायावती ने पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अपने सबसे छोटे भाई आनन्द कुमार को पार्टी समन्वयक की भी जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा, रामजी गौतम को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाने की भी घोषणा की। पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएसपी अब परिवार आधारित नेतृत्व पर काम नहीं करेगी। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि जब तक वह जीवित हैं। उनकी आखिरी सांस तक पार्टी में उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और अंबेडकरवादी आंदोलन की बात करें तो व्यक्तिगत संबंधों का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का कल्याण हमेशा व्यक्तिगत संबंधों से पहले आता है। उनके लिए पार्टी पहले हैं। मेरे भाई, उनके बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अपनी अंतिम सांस तक पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ बीएसपी का नेतृत्व करती रहेंगी। आकाश आनंद को हटाने का औचित्य बताते हुए मायावती ने उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ के पार्टी विरोधी गतिविधियों और पार्टी को कमजोर करने की तरह इशारा किया। उन्होंने आरोप लगाया, अशोक सिद्धार्थ ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को बांटने का काम किया। अपने बेटे की शादी के दौरान उनकी हरकतें भी चिंताजनक थीं। उन्होंने संकेत दिया कि आकाश आनंद अपनी पत्नी और ससुराल वालों से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे बीएसपी के भविष्य को खतरा हो सकता है। अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद, हमें गंभीरता से यह मूल्यांकन करना होगा कि उनकी बेटी का आकाश पर कितना प्रभाव है। अभी तक के संकेत सकारात्मक नहीं हैं। इसी से जुड़े एक फैसले में मायावती ने खुलासा किया कि उनके भाई आनंद कुमार ने अपने बच्चों की शादी गैर-राजनीतिक परिवारों में करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, यह कदम पार्टी को भविष्य में किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए उठाया गया है, जैसा कि अशोक सिद्धार्थ के मामले में हुआ था। समीक्षा बैठक के दौरान मायावती ने भविष्य के पार्टी कार्यक्रमों और रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने अपना रुख दोहराया कि समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। मिल्कीपुर उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी की अनुपस्थिति का हवाला देते हुए उन्होंने सपा की चुनावी हार के लिए बसपा को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाया। (शेष पृष्ठ 9)

धन की कमी से जूझ रहे चिड़ियाघर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के चिड़ियाघरों में लगभग एक दशक पहले शुरू किए गए संरक्षण कार्यक्रमों के तहत लुप्तप्राय प्रजातियों के प्रजनन में उल्लेखनीय प्रगति के बीच एक सरकारी समिति का कहना है कि क्रियान्वयन, वित्त पोषण और प्रजातियों के प्रबंधन में लगातार अंतराल उनकी समग्र सफलता में बाधा डालते हैं। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने देश भर के चिड़ियाघरों में संरक्षण प्रजनन कार्यक्रमों की स्थिति की समीक्षा और मूल्यांकन करने के लिए 2023 में एक समिति का गठन किया था। वर्ष 2007 में, प्राधिकरण ने 43 चिड़ियाघरों में प्रजनन के लिए 74 प्रजातियों का चयन किया। 2014 तक, 26 उच्च प्राथमिकता वाली प्रजातियों का चयन किया गया और 23 के लिए प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया गया।

हाल में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को सौंपी गई समिति की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि भारत के चिड़ियाघरों ने कई लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास और प्रजनन में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन संरक्षण प्रजनन कार्यक्रमों की समग्र प्रभावशीलता लगातार आधारभूत और परिचालन चुनौतियों के कारण बाधित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया, इन मुद्दों के समाधान के लिए न केवल अधिक वित्तपोषण आवंटन की आवश्यकता होगी, बल्कि व्यापक ढांचा तैयार करने, मानकीकृत प्रोटोकॉल को अपनाने तथा आनुवंशिक एवं जनसांख्यिकीय प्रबंधन व्यवस्था में सुधार की भी आवश्यकता होगी। समिति ने कहा कि समय के साथ, सीजेडए के वित्त पोषण में कमी के चलते चिड़ियाघरों को अब सीमित वित्तीय सहायता मिलती है, मुख्य रूप से रखरखाव के लिए। रिपोर्ट में कहा गया है, वित्तीय सहायता में इस कमी का इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और स्थिरता पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

इसमें कहा गया है, इन मुद्दों के लिए न केवल धन आवंटन में वृद्धि की आवश्यकता होगी, बल्कि व्यापक रूपरेखा बनाना, मानकीकृत प्रोटोकॉल को अपनाना और आनुवंशिक और जनसांख्यिकीय प्रबंधन प्रथाओं में सुधार की भी आवश्यकता होगी। समिति ने कहा कि वर्ष 2006 से वर्ष 2011 के बीच संरक्षण प्रजनन के लिए 10.81 करोड़ रुपये और वर्ष 2011 से वर्ष 2021 के बीच 18.13 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। समय के साथ, सीजेडए के वित्त पोषण में कमी के साथ, चिड़ियाघरों को अब सीमित वित्तीय सहायता मिलती है, मुख्य रूप से रखरखाव के लिए। रिपोर्ट में कहा गया है, वित्तीय सहायता में इस कमी का इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और स्थिरता पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्टियोडैक्टाइला (सम-पैर वाले खुर वाले जानवर), कार्निवोरा (मांस खाने वाले स्तनधारी) और गैलीफॉर्मेस (खेल पक्षी) सबसे अधिक (शेष पृष्ठ 9)

दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में सूर्यास्त के समय, रमजान के पहले दिन नष्ट हो चुके घरों और इमारतों के मलबे से घिरी एक बड़ी मेज पर बैठे इफ्तार के लिए एकत्रित हुए फिलिस्तीनी लोग।

इजराइल ने गाजा को मिल रही मदद रोकी

एजेंसी। तेल अवीव

इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोक दिया तथा चेतावनी दी कि यदि हमास संघर्ष विराम को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे। हमास ने इजराइल पर संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता पर रोक संबंधी उसका फैसला जबरन वसूली, युद्ध अपराध और समझौते (संघर्ष विराम) पर हमला है। यह समझौता जनवरी में हुआ था। इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी (शेष पृष्ठ 9)

सोशल मीडिया पर बहुत अधिक सक्रिय रहने वाले युवा यौन रोगों से पीड़ित

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के विशेषज्ञों ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर फोटो, लघु वीडियो और रील के माध्यम से अश्लील सामग्री का अत्यधिक उपयोग युवाओं में यौन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सा विभाग ने एक चिंताजनक रुझान देखा है। जिसमें यौन स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए 16 से 25 वर्ष की आयु के लगभग 90 प्रतिशत रोगियों की पहचान की है। सोशल मीडिया के भारी उपयोगकर्ताओं के रूप में की गई है जो उनके सोशल मीडिया का अत्याधिक इस्तेमाल ही उनकी समस्याओं की वजह है।

केजीएमयू के मनोचिकित्सा विभाग में यौन एवं वैवाहिक कल्याण क्लिनिक के प्रमुख प्रोफेसर आदर्श त्रिपाठी ने बताया कि बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में प्रतिदिन यौन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से पीड़ित 10 से 12 युवा मरीज आते हैं जो सोशल मीडिया पर रील्स, शॉर्ट्स फिल्म और फोटो देखने में अच्छा खासा समय बिताते हैं। इसकी वजह से उनकी मस्तिष्क की प्रतिक्रियाएं बदल जाती हैं। इनमें वास्तविक जीवन के रिश्तों के प्रति संवेदनशीलता कम हो जाती है।

प्रो. त्रिपाठी ने बताया, अधिकांश युवा अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा

रील, शॉर्ट्स और अश्लील पिक्चर व फोटो देखने में बिताते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार अश्लील सामग्री देखने वालों का दिमाग उन चीजों को सत्य मानने लगता है, जो वास्तव में नाटकीय होते हैं। इससे वास्तविक रिश्ते में आकर्षण कम हो जाता है। इससे साइकोजेनिक इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) की समस्या होती है, जहां व्यक्ति मानसिक स्थिति के कारण यौन संबंधी समस्याओं का अनुभव करता है, जो शारीरिक के बजाय मनोवैज्ञानिक होती है।

प्रो. त्रिपाठी के अनुसार, ज्यादातर यौन संबंधि रोग का सामना कर रहे युवा पुरुषों पर है, जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक डिजिटल उपभोग का प्रभाव महिलाओं के लिए भी उतना ही परेशान करने वाला है जिनता की पुरुषों के लिए। ऑनलाइन वीडियो और फोटो से कई युवतियों में खुद की शारीरिक छवि को लेकर मानसिक विकार हो जाता है। वे अपनी तुलना प्रभावशाली लोगों और एडिटेड छवियों से करना शुरू कर देती हैं। इससे उनमें आत्म-संदेह, चिंता बढ़ती है, साथ यौन आत्मविश्वास भी कम हो जाता है। जिससे स्वस्थ संबंध बनाने की उनकी क्षमता भी प्रभावित होती है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. अंजलि शर्मा ने कहा कि फिल्टर फोटो एडिटिंग और एआई जनरेटेड ब्यूटी स्टैंडर्ड के व्यापक उपयोग ने अवास्तविक मानक बनाए हैं। हम बॉडी डिस्मॉर्फिया और कम आत्मसम्मान के अधिक मामले देख रहे हैं, खासकर युवा महिलाओं में जो इन अप्राप्य मानकों को पूरा करने के लिए दबाव महसूस करती हैं।

स्मार्ट फोन और इंटरनेट इस्तेमाल पर नीति बनाने की जरूरत: प्रो.त्रिपाठी के मुताबिक देश में कम उम्र में स्मार्टफोन और इंटरनेट के इस्तेमाल और इस पर कोई अंकुश न होने की वजह से समस्या बढ़ रही है। आज सोशल मीडिया के जरिए अश्लील सामग्री हर किसी की पहुंच में हैं। इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसके लिए विशिष्ट नीति बनानी होगी, तभी इस समस्या से बचा जा सकता है। इसके अलावा, डॉ. शर्मा ने स्कूलों और कॉलेजों में मीडिया साक्षरता कार्यक्रमों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उनके मुताबिक युवा लोगों को सिखाया जाना चाहिए कि वे जिस सामग्री का उपभोग करते हैं उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन कैसे करें। डिजिटल अतिशयोक्ति और वास्तविकता के बीच अंतर को समझना इन नकारात्मक प्रभावों को रोकने में महत्वपूर्ण है। डिजिटल उपभोग पैटर्न युवाओं के व्यवहार को तेजी से आकार दे रहे हैं, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि स्पष्ट सामग्री के अनियंत्रित संपर्क से मानसिक और यौन स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। वे युवा पीढ़ी की भलाई की रक्षा के लिए जागरूकता, माता-पिता की देखरेख और व्यापक सामाजिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

● लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के विशेषज्ञों ने दावा किया

मास्टर प्लान-2041 में शामिल होंगे 257 गांव

- ग्रेटर नोएडा के फेज-2 को बसाने से करोड़ों लोगों की मिलेगा फायदा
- न्यू नोएडा से सटे होंगे के चलते क्षेत्र में विकास और निवेश को बढ़ावा मिलेगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के फेज–2 को बसाने के लिए 105 मीटर चौड़ी रोड को एक अहम मार्ग के रूप में देखा जा रहा है। 2041 मास्टरप्लान के तहत यह 24 किमी लंबी रोड हापुड़ और एनएच–24 से होते हुए गढ़ए ब्रजघाट, गजरौला और मुरादाबाद जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ने का कार्य करेगी जिससे इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

खास बात यह है कि इस रोड के दोनों ओर औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगाए जिससे लाखों लोगों को रोजगार और आवास के अवसर मिलेंगे। इस प्लान में फेज–2 के कई सेक्टर न्यू नोएडा से सटे होंगे जिससे इस क्षेत्र में विकास और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही 105 मीटर चौड़ी रोड के आसपास का क्षेत्र फोकस में होगा, जहां इंडस्ट्री और रेजिडेंशियल सेक्टर बनाए जाएंगे। इस क्षेत्र में ग्रेटर नोएडा फेस–2 को बसाने के लिए कुछ गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। उद्योग के लिए 14192 हेक्टेयर जमीन रिजर्व की गई हैए जो 25.4 प्रतिशत हैए जबकि आवासीय क्षेत्रों के लिए 9736.74 हेक्टेयर जमीन रिजर्व की गई है जो 17.4 प्रतिशत है।

सर्विस रोड बनाने की योजना के तहत इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगाए जिससे एनएच–9 के जरिए ग्रेटर नोएडा और न्यू नोएडा के लोग दिल्ली गाजियाबाद और गढ़ जैसे शहरों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा और विकास की गति तेज होगी। ग्रेटर नोएडा के इस महत्वपूर्ण 105 मीटर चौड़े एक्सप्रेसवे का निर्माण पिछले 12 साल से अधूरा पड़ा हुआ था।

इसके लिए पहले ही 1,200 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके थेए लेकिन अब फिर से इसे पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। इस रोड को परी चौक से लेकर बोड़की तक और अब हापुड़ तक जोड़ने की योजना है जिससे इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी में और सुधार होगा। ग्रेटर नोएडा फेज–2 मास्टरप्लान 2041 के अनुसार अधूरे पड़े 26 किमी लंबे और 105 मीटर चौड़े एक्सप्रेसवे को पूरा किया जाएगा। इस रोड को बनाने के लिए 12 साल पहले 1,200 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन अब एक बार फिर इस रोड को पूरा करने की प्लानिंग बन रही है। उम्मीद है कि जल्द ही सभी आपत्तियों का समाधान करने के बाद रोड पर काम शुरू होगा। यह रोड ग्रेटर नोएडा के परी चौक से अल्फा, डेल्टा सेक्टर और गोल्फ कोर्स के सामने से बोडकी तक बनी है।

ट्रैक्टर-ट्राली का संतुलन बिगड़ने पर ट्रक चालक की टक्कर लगने से मौत

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड पर अपोलो पाइप कंपनी के पास ट्रैक्टर ट्राली का संतुलन बिगडने पर ट्रक चालक की चपेट में आने से मौत हो गई थी । सड़क हादसे की रिपोर्ट मृतक के पुत्र ने एक सप्ताह बाद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है । पुलिस ने बताया कि 24 फरवरी को बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड पर अपोलो पाइप कंपनी के पास सड़क के किनारे ट्रक खड़ा हुआ था। जनपद एटा के नंगला चांदी गांव निवासी कृपाल सिंह ट्रक चालक ट्रक के पास खड़ा था।

तीव्र गति से आ रही ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी थी । गंभीर रूप से घायल होने पर उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना की रिपोर्ट मृतक के पुत्र ने एक सप्ताह बाद कोतवाली में दर्ज कराई गई है।

एक्सप्रेसवे पर स्टंटबाजी यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाईं गई

- पुलिस ने 40 बाइक सवारों को पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस ने पिछले साल 22 दिसंबर को बड़ी कार्रवाई की थी। नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे पर 40 स्टंटबाजों को पकड़ा गया। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट हटने के बाद बाइक रेसिंग का खतरनाक खेल फिर शुरू हो गया है।

एक दर्जन से अधिक बाइकर्स ने एक्सप्रेसवे पर यातायात नियमों की खुलेआम अवहेलना की। इन बाइकर्स की खतरनाक हरकतों से एक्सप्रेसवे पर चलने वाले अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह बाइकर्स का झुंड विशेषकर वीकेंड पर नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर जमा होता है। तेज गति से बाइक दौड़ाकर सामान्य यातायात में बाधा पहुंचाते हैं। नोएडा पुलिस ने पिछले साल 22 दिसंबर को बड़ी कार्रवाई की थी। नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे पर 40 स्टंटबाजों को पकड़ा गया। कई बाइक जब्त की गईं और चालान किए गए। लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है।

पुलिस का कहना है कि वह इन बाइकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। यह पहली बार नहीं है जब बाइकर्स के खिलाफ एक्शन लिया गया है। फिर भी ये अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने से बाज नहीं आ रहे हैं। ज्ञात हो कि यमुना एक्सप्रेस पर आए दिन ये बाइकर्स उत्पात मचाते है।

पाकिस्तान से आई सीमा हैदर की गोद भराई

- सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने बहन मानकर दिया आशीर्वाद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रह रही पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर की गोद भराई रविवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।

सीमा हैदर पिछले दो साल से अपने प्रेमी सचिन मीणा के साथ रबूपुरा में रह रही हैं। वह नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भारत आई थीं। सीमा के चार बच्चे पहले से हैं और अब पांचवां बच्चा सचिन का होने वाला है। गोद भराई कार्यक्रम में एपी सिंह अपनी मां और परिवार के साथ पहुंचे। उन्होंने सभी रस्मों का सामान साथ लाया। महिलाओं ने ढोल–बाजे के साथ पारंपरिक गीत गाए।

एपी सिंह ने कहा कि वह सीमा को अपनी बहन मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा भारत आकर यहां की संस्कृति को अपना रही हैं। सीमा ने बताया कि उन्हें भारत में बहुत प्यार मिला है। वह एपी सिंह को अपना भाई मानती हैं और हर कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित करती हैं।

भारत आने के बाद से सीमा सभी हिंदू धार्मिक कार्यक्रमों को धूमधाम से मना रही हैं।

जयमाला पर हर्ष फायरिंग करने वाले दो गिरफ्तार

गाजियाबाद। गोविन्दपुरी कॉलोनी में एक शादी समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। जयमाला के समय की गई फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दूल्हा हिमांशु दिल्ली के हर्ष विहार कॉलोनी का रहने वाला है। उसका साथी सूरजपाल सिंह अलीगढ़ के इग्लास का निवासी है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक राइफल बरामद कर ली है। दूसरे हथियार की बरामदगी के लिए कार्रवाई जारी है। पुलिस ने राइफल का लाइसेंस रद्द करने की संस्तुति भी की है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अजनारा होम्स के लोगों ने प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि बिल्डर के शह पर फैसिलिटी हेड पिस्तौल दिखाकर नोटिस भेजने वालों को धमकाता है।

संक्षिप्त समाचार

कुपवाड़ा में शहीद हुए जवान को श्रद्धांजलि

गाजियाबाद। मोदीनगर के कस्बा पतला में शहीद जवान विनोद कुमार की स्मृति में शहीद द्वार का लोकार्पण किया गया। यह द्वार नगर पंचायत द्वारा बनवाया गया है। विनोद कुमार 1 मार्च 2019 को जम्मू.कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकी हमले में शहीद हुए थे। शनिवार को आयोजित लोकार्पण समारोह में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री केपी मलिक और सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में रा'यमंत्री केपी मलिक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि शहीद विनोद की कुर्बानी को कभी नहीं भुलाया जा सकता। समारोह में विधायक डॉ. मंजू शिवाच और नगर पंचायत पतला की अध्यक्षा रीता चौधरी भी मौजूद थीं। शहीद की पत्नी नीतू चौधरी के अलावा मोदीनगर पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली, निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, अधिशासी अधिकारी आंचल पांडे और शहीद के परिवार के अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

भूटानी इंफ्रा ने शुरू की नोएडा फिल्म सिटी परियोजना

नोएडा। भूटानी इंफ्रा ने 1,510 करोड़ रुपये की नोएडा फिल्म सिटी परियोजना शुरू की, जिसमें वर्चुअल स्टूडियो, अंडरवाटर फिल्मिंग और अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला 250 एकड़ का ऊँ (ओम) शामिल है। यह उत्तर प्रदेश सरकार की फिल्म नीति 2023 के अनुरूप है, जो निवेश को आकर्षित करेगी और 50,000 से अधिक लोगो को रोजगार देगी। भूटानी इंफ्रा के सीईओ आशीष भूटानी ने कहा, भूटानी बेव्यू इंटरनेशनल फिल्म सिटी भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होगी। यह भारत के सिनेमाई और रियल एस्टेट परिदृश्य में एक ऐतिहासिक कदम है। यहां निर्माण के अलावा, यह परियोजना स्थायी वाणिज्यिक और होटल उद्योग स्थानों को एकीकृत करेगी, जो ग्रिहा 4–स्टार और आईजीबीसी गोल्ड प्रमाणीकरण को लक्षित करेंगे।

एनीटाइम फिटनेस ने ग्रेटर नोएडा में खोला 150वां जिम

नोएडा। एनीटाइम फिटनेस ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गोल्डन आई में अपना 150वां जिम खोला है। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती जिम चेन है। उद्घाटन समारोह में बिग बॉस 18 के विजेता करणवीर मेहरा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता शाहबाज खानए पुनीत इस्सरए उपासना सिंह और विंदु दारा सिंह शामिल हुए। मिस इंडिया एशिया पैसिफिक 2013 सृष्टि राणाए फिरोज खान और अनिल जॉर्ज भी मौजूद रहे। सभी सितारों ने अपनी फिटनेस यात्रा साझा की। उन्होंने लोगों को स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। एनीटाइम फिटनेस की खास सुविधा श्ट्रेन एनीवेयरश् के बारे में भी बताया गया। इस सुविधा के तहत सदस्य देश के किसी भी एनीटाइम फिटनेस क्लब में वर्कआउट कर सकते हैं। यह सुविधा इसे भारत की सबसे सुलभ जिम चेन बनाती है। करणवीर मेहरा ने कहाए ष्फिटनेस सिर्फ अ%छे भाग्य से कहीं बढ़कर है। फिट रहने से आत्मविश्वास बढ़ता है। आप खुद को मजबूत और सक्षम महसूस करते हैं। एनीटाइम फिटनेस वर्कआउट को आसान और मजेदार बनाता है। मैं खुश हूं कि मुझे इस खास मौके पर लोगों के जीवन में बदलाव ला रहे इस आंदोलन का हिस्सा बनने का मौका मिला।

युवक से मारपीट कर किया घायल, तीन नामजद

नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित अपोलो टायर्स दुकान के समीप एक युवक के साथ गाली गलौच कर मारपीट की गई । विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है । घायल पीड़ित ने तीन लोग नामजद व अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है । पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है । पुलिस ने बताया कि जारचा कोतवाली क्षेत्र के बिसाहड़ा गांव में रिंकू राणा परिवार के साथ रहते हैं । वह शनिवार को दोपहर के समय किसी कार्य से दादरी गए थे। जब वह रेलवे रोड पर अपोलो टायर्स की दुकान के पास पहुंचे तो नरौली गांव के अक्की तंवर आकिलपुर गांव के संजू नागर ए बिसाहडा के सोनू व अन्य लोग वहां पहुंचे और रिंकू राणा के साथ गाली गलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया तो मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल होने पर शोर मचाया आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए। जिन्हें देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल अवस्था में रिंकू राणा को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल से उपचार कराने के बाद कोतवाली में अक्की तंवर, संजू नागर , सोनू व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है ।

निवेश में मुनाफा दिखाकर महिला से ठगे 51.50 लाख

- लालच के चलते पति, सास और रिश्तेदार के खाते से पैसा ट्रांसफर किए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

निवेश पर तीन से पांच गुना मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक महिला के साथ 51 लाख 50 हजार रुपए की ठगी की। मुनाफे के चक्कर में महिला ने अपने पति, सास और रिश्तेदार के खाते से भी पैसे ट्रांसफर किए।

ठगी की जानकारी होने के बाद महिला ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की। पुलिस ने कथित दो अकाउंट मैनेजर और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है पुलिस उन खातों की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा के गुजेंद्र विहार निवासी मीनू रानी ने बताया कि इसी साल सात जनवरी को उनके वॉट्सऐप नंबर पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने खुद का नाम हरि सिंह बताया।

हरि सिंह ने मीनू को फ्रेंकलिन का कर्मचारी बताते हुए निवेश के बारे में जानकारी देनी शुरु की। उसने बताया कि उसे शेयर बाजार में निवेश के क्षेत्र में 15 साल का अनुभव है। इसके बाद महिला को सी फोर इग्नाइट द स्पार्क ऑफ वेल्थ वॉट्सऐप ग्रुप में ऐड कर दिया गया। ग्रुप पर कथित हरि सिंह रोज शेयर मार्केट में निवेश संबंधी लेक्चर देते थे। ग्रुप पर सौ से अधिक सदस्य जुड़े हुए थे। कुछ दिन यह चलता रहा। अचानक एक दिन ग्रुप की सदस्य आरती सिंह ने हरि के लेक्चर की पीडीएफ मीनू के मोबाइल पर भेजी। आरती सिंह ने मीनू से कहा कि हरि सिंह ने एक महिला की मदद करने के लिए अमेजन से एक हजार रुपये के कई गिफ्ट बाउचर खरीदे हैं। उनकी ओर से मीनू समेत ग्रुप के सभी सदस्यों को गिफ्ट बाउचर दिया जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने आरती सिंह द्वार भेजे गए गिफ्ट बाउचर को जब अमेजन पर अपनी आईडी से लॉगइन किया तो उसके खाते में एक हजार रुपए आ गए। इसके बाद हरि सिंह ने मीनू से कहा कि अगर वह उनके कहे अनुसार ट्रेडिंग और शेयर मार्केट में निवेश करेंगी तो तीन से पांच गुना मुनाफा एक महीने में मिलेगा। शिकायतकर्ता महिला को झांसे में लेने के बाद हरि सिंह ने एक खाता खुलवाने के लिए कहा। इसके लिए उन्होंने दत्ता अकाउंट मैनेजर से बात करने की भी सलाह दी। महिला ने शुरुआत में यह खाता नहीं खोला पर हरि सिंह के बार–बार कहने पर उन्होंने निवेश करने की ठानी।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के एक होटल में दोस्त ने युवती के साथ नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया। दोनों की 4 माह पहले फेसबुक से दोस्ती हुई थी।

पीड़ित युवती ने बताया कि आरोपी दानिश ने मुझे कॉल करके बुलाया। उसके बाद लोनी बार्डर रोड पर होटल में ले गया। जहां खाना खिलाने के बाद कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ दे दिया। जिसके बाद दानिश ने रेप किया। 24 साल की युवती शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की रहने वाली है। युवती ने पुलिस को बताया कि एक युवक दानिश जोकि लोनी का रहने वाला है। 4 माह पहले फेसबुक से दोस्ती हुई थी।

युवक एक माह से होटल में साथ में खाना खाने की जिद कर रहा था। 27 फरवरी की रात को दानिश ने शिव विहार मैट्रो स्टेशन के पास युवती को बुलाया और उसको साथ में ले जाकर के एक होटल में खाना खिलाया। खाना खिलाने के बाद होटल में ही उसने कोल्डड्रिंक में कोई नशीला पदार्थ मिला करके उसको पिला दिया।

दो कारोबारी खडगे-राहुल के लिए गंगा जल लाए

गाजियाबाद। दो कारोबारियों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडके के महाकुंभ पर दिए बयान का अनूठा विरोध किया है। लोनी के बिल्डर धर्मेंद्र त्यागी और रियल एस्टेट कारोबारी सतीश शर्मा ने त्रिवेणी संगम से गंगाजल लाकर कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में सौंपा।

दोनों कारोबारी 26 फरवरी को महाकुंभ गए थे। वहां स्नान करने के बाद त्रिवेणी से जल लेकर आए। 1 मार्च को वे पहले राजघाट गए और फिर कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को गंगाजल सौंपा। धर्मेंद्र त्यागी ने बताया कि वे किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं। खडगे के बयान से आहत थे, जिन्होंने कहा था कि महाकुंभ से क्या रोजगार मिलेगा।

किन्नरों के बीच खूनी संघर्ष में ढोलक बजाने वाले की हत्या

- 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में बधाई मांगने को लेकर किन्नरों के दो समूहों में हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। इस घटना में एक 20 वर्षीय ढोलक वादक की हत्या हो गई। मृतक की पहचान गांव मछरी निवासी अल्हबक्स के रूप में हुई है।

वह पूजा किन्नर के साथ ढोलक बजाने का काम करता था। पूजा का अन्य किन्नरों से बधाई मांगने को लेकर विवाद चल रहा था। घटना शनिवार देर रात की है। पूजा अपने साथियों के साथ बधाई मांगकर लौट रही थी। दिल्ली.मेरठ मार्ग पर सीकरी कला गांव के पास पहले से मौजूद कई गाड़ियों में सवार किन्नरों ने पूजा के समूह पर हमला कर दिया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसी दौरान धारदार हथियार से वार कर अल्हबक्स की हत्या कर दी गई। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय के अनुसार, पुलिस ने अहसान, सरताज, मोहिद, निशा किन्नर और रामानंद मिश्रा समेत 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गाजियाबाद में शराब पीने वालों पर कार्रवाई, एक रात में 512 लोग को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में चलाए गए तीन घंटे के विशेष अभियान में 512 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर राहगीरों को परेशान कर रहे हैं। इन शिकायतों के बाद शहरए देहात और ट्रांस हिंडन जोन में यह अभियान चलाया गया। पकड़े गए सभी लोगों को थाने लाया गया। इनका मेडिकल कराने के बाद पुलिस एक्ट की धारा 34 के तहत चालान किया गया। डीसीपी सिटी राजेश कुमार के अनुसार नगर जोन में सबसे ज्यादा 218 लोगों पर कार्रवाई की गई।

इनमें विजयनगर से 57, घंटाघर से 46, नंदग्राम से 42, कवि नगर से 27, मधुबन बापूधाम से 26 और सिहानी गेट से 20 लोग शामिल हैं। शराब पीने वालों की चेकिंग करती पुलिस। शराब पीने वालों की चेकिंग करती पुलिस।

डीसीपी रूरल सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि देहात जोन में 144 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें लोनी से 31ए क्रॉसिंग रिपब्लिक से 30ए मुरादनगर से 24 और लोनी बॉर्डर से 21 लोग प्रमुख हैं। इसके अलावा अंकुर विहारए मसूरी और भोजपुर से 7.7, निवाड़ी और वेव सिटी से 5.5, मोदीनगर से 4 तथा ट्रॉनिका सिटी से 3 लोगों को पकड़ा गया।

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि इसी तरीके से ट्रांस हिंडन क्षेत्र में भी कार्रवाई की गई। जिसमें कुल 150 लोगों को पकड़ा गया। इनमें से थाना इंदिरापुरम से 32 कौशांबी से 25 खोड़ा से 23 साहिबाबाद से 19 लिंक रोड से 14 शालीमार गार्डन से 16 और टीला मोड़ से 21 लोगों को पकड़ के थाना लाया गया और मेडिकल करवा के 34 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

सरस मेले में उमड़ी भीड़, जमकर की खरीदारी

- सिंगर निखिता गांधी के गानों ने बांधा समाए झूम उठे दर्शक

पायनियर समाचर सेवा। नोएडा

सेक्टर–33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेला–2025 इस बार खासी लेकप्रियता अर्जित कर रहा है। सिंगर निखिता गांधी के गानों ने बांधा समाए झूम दर्शक उठे।

रविवार को जहां एक ओर मेले का 10वां दिन रहा, वहीं दूसरी ओर मेले के दूसरे होलीडे पर लोगों ने खसकर महिलाओं एवं युवतियों ने मेले में जमकर खरीदारी की। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में रविवार को जमकर खरीदारी हुई।

यहां उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ीए गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन साड़ी की जमकर खरीदारी हुई । वहीं इंडिया फूडकोर्ट, सांस्कृतिक आयोजन और बर्षों के मनोरंजक आइटम आकर्षण का केंद्र बने हैं। नोएडा में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल और लखपति स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों की निर्यात क्षमता के विकास की थीम के साथ सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभ 21 फरवरी 2025, शुक्रवार से हुआ। यह मेला 10 मार्च 2025 तक नोएडा के सेक्टर–33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित किया जा रहा है।

21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा हाट में 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार शामिल हैं, जो परंपरागत हस्तकलाए ग्रामीण संस्कृति और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इसके साथ ही मेले में 85 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरस आजीविका मेले में इंडिया फूड कोर्ट एक प्रमुख आकर्षण है। इसमें देशभर के 20 राययों की 80 उद्यमी महिलाओं ने अपने.अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए हैं।

इन स्टॉल्स पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद लोगों को आनंदित कर रहा है। इसके अलावाए देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां इस मेले की खास मेहमान बनी हुई हैं। सरस आजीविका मेला 2025 में हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश की कलमकारी, असम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ी, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन साड़ी, कांचीपुरम साड़ीए तेलंगाना की पोचमपुरी साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, कथा, बाटिक प्रिंट, तांत और बालुचरी तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न उत्पाद शामिल हैं।

पुलिस की कार सवार बदमाशों से मुठभेड़, एक को लगी गोली

पायनियर समाचरा सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर–49 थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगीए जबकि दो अन्य को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। ये घटना सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास की है। पुलिस चेकिंग के दौरान एक एसेंट कार को रुकने का इशारा किया। कार सवारों ने न केवल रुकने से मना किया बल्कि भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान हापुड़ के कपूरपुर थाना क्षेत्र के दरीरपुर निवासी सोनू ;27 के रूप में हुई। अन्य दो गिरफ्तार बदमाशों में हापुड़ के कपूरपुर थाना क्षेत्र के दहरपुर निवासी पवन कुमार (31) और मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के अछरौंडा निवासी रघुवंश ;27 शामिल हैं। बदमाशों से एक एसेंट कार, 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। घायल बदमाश को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करेगी पुलिस

नए बदमाशों की सूची तैयार की जाएगी, कौशल चौधरी और नीरज बवाना जैसे गैंगस्टर पर कड़ी निगरानी

● जघन्य अपराध करने वाले नाबालिगों पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डीसीपी शाहदरा में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 69 शिकायतों को निवारण हुआ।

दिल्ली पुलिस संगठित अपराध से निपटने और देश-विदेश की जेलों से अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे गैंगस्टर पर नजर रखने के लिए प्रयास तेज करने की योजना बना रही है।

एक सूत्र ने कहा, जेल में बंद कौशल चौधरी और नीरज बवाना जैसे गैंगस्टर पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। अनमोल बिश्नोई, अर्श डल्ला, गोल्डी बरार, हिमांशु भाऊ, लकी पटियाल, जग्गा धुरकोट, वीरेंद्र चरण, अमरदीप बिश्नोई, नोनी राणा, महेंद्र सहारण, राहुल, महेंद्र मेघवंशी और नवीन बॉक्सर सहित विदेशी स्थानों से काम करने वाले अन्य लोगों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन बदमाशों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में रहने वाले और आपराधिक रिकॉर्ड वाले नाबालिगों की भी निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस जघन्य अपराधों में शामिल नाबालिगों की सूची तैयार कर रही है और अदालत में उनके खिलाफ वयस्कों की तरह मुकदमा चलाने की सिफारिश करेगी। अधिकारी अवैध गतिविधियों और कनेक्शन पर नजर रखने के लिए गैंगस्टर और उनके सहयोगियों के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर पैनी नजर रखेंगे।

अधिकारी ने कहा, गैंगस्टर की मदद करने वाले लोग पुलिस के रडार पर होंगे। उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त, विभिन्न क्षेत्रों के विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), 15 पुलिस जिलों के संयुक्त आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्त तथा विभिन्न इकाइयों के उपायुक्तों सहित शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने लागू किए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर चर्चा की। मुख्य फोकस क्षेत्रों में अवैध प्रवासियों पर कड़ी कार्वाई, सड़क पर होने वाले अपराधों को रोकना, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संगठित आपराधिक नेटवर्क का मुकाबला करना शामिल है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के प्रयास भी चर्चा का हिस्सा थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, शहर के हर कोने में चौबीसों घंटे गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि झपटमारी और लूट-पाट की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पुलिस थानों को उनके साथ अधिक प्रभावी संचार माध्यम स्थापित करने के निर्देश दिए जाएंगे। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कानून-व्यवस्था की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद शनिवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में शीर्ष पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। शाह की अध्यक्षता वाली बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन भी शामिल हुए थे।

समीक्षा में राष्ट्रीय राजधानी में उभरते अपराध परिदृश्य से निपटने के लिए पुलिस व्यवस्था की रणनीतियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सूत्रों के अनुसार, शनिवार की बैठक में निर्णय लिया गया कि नए अपराधियों की सूची तैयार की जाएगी तथा उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के उपाय किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस की साप्ताहिक जन सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा में शिकायत निवारण के लिए साप्ताहिक जन सुनवाई का आयोजन किया। इस सत्र में कुल 71 शिकायतकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने कानून-व्यवस्था, अपराध और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित चिंताएं व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इनमें से 69 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को जल्द से जल्द हल करने के लिए कार्वाई की जा रही है। पुलिस ने निवासियों से अपने मुद्दों के प्रभावी निवारण के लिए इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने को कहा।

बिजली कटौती: समर प्लॉन लागू करने के निर्देश

● ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अधिकारियों संग बैठक में ऊर्जा मंत्री आशीष सूद

राजधानी दिल्ली में बिजली कटौती रोकने के लिए तत्काल ग्रीष्मकालीन कार्य योजना-2025 (समर प्लान) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

दिल्ली सचिवालय बैठक रविवार को हुई बैठक में ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने बिजली विभाग एवं दिल्ली में कार्यरत बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपरोक्त निर्देश दिए। मंत्री ने बैठक में ग्रीष्मकालीन कार्य योजना-2025 के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया। बिजली विभाग एवं सभी हितधारकों को निर्देश दिया गया कि गर्मी का मौसम आते ही निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल एवं प्रभावी उपाय किए जाएं।

बिजली मंत्री ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान गर्मी के मौसम में दिल्ली में सुचारू एवं नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए गए। हितधारकों को निर्देश दिए गए कि वे ग्रीष्मकालीन कार्य योजना-2025 का तत्काल कार्यान्वयन शुरू करें। सूद ने दिल्ली में एक ऐसी आदर्श कॉलोनी विकसित करने के विजन का भी उल्लेख किया, जहां ओवरहेड बिजली के तार लटके हुए न हों और सभी तार ठीक से व्यवस्थित हों। इसके अतिरिक्त, बिजली मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि यदि दिल्ली के किसी भी हिस्से में कोई पावर ग्रिड फेल होता है, तो निवासियों को बिजली आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए अधिकतम पांच मिनट के भीतर मरम्मत पूरी कर ली जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति का आकलन करने और उनके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग की समीक्षा बैठकें हर 15 दिन में आयोजित की जाएंगी।

अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में सुधार की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है और सरकार कई सुधारों की योजना बना रही है, जिसमें अस्पतालों के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन में सुधार के लिए एक प्रायोगिक परियोजना भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जल्द ही कुछ प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की जाएंगी, जिनमें पॉलीक्लिनिक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पॉलीक्लीनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे तथा मरीजों का डेटा भी एकत्र करेंगे। सिंह ने कहा कि सरकार चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की भर्ती करके कर्मचारियों की कमी को दूर करेगी।

मोतिया खान में आग लगने से सिलेंडर फटा, एक की मौत

● आग बुझाते समय विस्फोट होने से दो दमकल कर्मी भी हुए घायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में रविवार को मोतिया खान क्षेत्र के एक घर में अचानक आग लगने और उसके बाद सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो दमकल कर्मी घायल हो गए। आग लगने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की चार गाड़ियों और टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के मुताबिक आग पर काबू पाने की कोशिशों के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो दमकलकर्मी भी घायल हो गए। दमकल विभाग ने इस घटना की पुष्टि की है। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने के दौरान एक सिलेंडर में जोरदार ब्लास्ट हुआ, जिसमें दो दमकलकर्मी घायल हो गए।

दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग पर काबू पाया गया, लेकिन हादसे के दौरान चौथी मंजिल से एक जली हुई लाश बरामद की गई है. दमकल विभाग के अधिकारियों ने कि दमकल अधिकारियों को सूचना मिली थी कि घर में सिलेंडर फटने से एक घर में भीषण आग लग गई है। इसके बाद दमकल की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिशों में जुट गई। थोड़ी देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। उधर बिल्डिंग के चौथे फ्लोर से एक शख्स की बॉडी मिली है. उसकी पहचान रविंद्र सिंह के तौर पर हुई है। बता दें कि घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आस-पास के लोगों से पूछताछ कर रही है, साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आग की लपटें बहुत ऊंची थी, और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था। घटना के कारण इलाके में दहशत का माहौल है. पुलिस इस मामले में जल्द ही स्पष्ट कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

महिला सम्मान राशि पर आप ने भाजपा को घेरा

● विधायक कुलदीप बोले, दिल्ली की महिलाओं के साथ विश्सवासघात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक सहायता देने के चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रहने का रविवार को आरोप लगाया और इसे महिलाओं के साथ धोखा करार दिया है।

आप विधायक कुलदीप कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान भरोसा दिलाया था कि नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में वित्तीय सहायता योजना पारित कर दी जाएगी। कोंडली विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार ने आठ मार्च तक योजना शुरू करने का वादा किया था, लेकिन उसने अब तक इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। कुमार ने कहा, यह (प्रस्ताव) पहली कैबिनेट बैठक में पारित नहीं हुआ। हमने सोचा कि अगर कैबिनेट में नहीं, तो विधानसभा सत्र में पारित हो जाएगा। लेकिन इस मुद्दे पर ध्यान देने के बजाय भाजपा नेताओं ने पूरा सत्र अरविंद केजरीवाल को गाली देने में बिता दिया। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है।

आप विधायक ने कहा कि भाजपा को मोदी द्वारा स्वयं निर्धारित की गई समयसीमा याद होनी चाहिए और दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली ने तय कर लिया है कि वह महिलाओं से किए गए प्रधानमंत्री के वादे को तोड़ेंगी। उन्होंने कहा, आप ने आठ मार्च (अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस) की तारीख नहीं दी थी। भाजपा और प्रधानमंत्री ने यह तारीख दी थी। अब रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों से किए गए प्रधानमंत्री के वादे को तोड़ने पर आमादा है।

दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने शहर की महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह देने का वादा किया था, जबकि आप ने 2,100 रुपए की पेशकश की थी। भाजपा ने चुनावों में दिल्ली विधानसभा की 70 में से 48 सीटें जीत लीं। आप को 22 सीट हासिल हुईं, जबकि कांग्रेस कोई भी सीट पाने में असफल रही। आठ मार्च के नजदीक आने के बीच कुमार ने कहा, दिल्ली में महिलाएं 2,500 रुपए का इंतजार कर रही हैं। भाजपा को बताना चाहिए कि पैसा कब आना शुरू होगा।

हार के बाद आप नेता हुए बेरोजगार : वीरेंद्र सचदेवा

● विपक्षी दल ने मनगढ़ंत मुद्दे बनाकर प्रदर्शन करने का रोजगार खोज लिया है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली से आम आदमी पार्टी (आप)की सरकार जाने के बाद आप नेता बेरोजगार हो गए हैं, इसीलिए वे मनगढ़ंत मुद्दे बनाकर प्रदर्शन करने का नया रोजगार खोज लिया है। यह दावा दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने करते हुए कहा, विधानसभा में भाजपा सरकार द्वारा सीएजी (कैग) की दो रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखे जाने के बाद आम आदमी पार्टी और उनके सभी विधायक सिर्फ प्रदर्शन कर अपने भ्रष्टाचार से दिल्ली के लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि हमने विधानसभा चुनाव में संकल्प लिया था कि विधानसभा की पहली बैठक में ही कैग की रिपोर्ट को रखेंगे और आज जब रिपोर्ट सामने आ गई है तो अरविंद केजरीवाल पूरी तरह से गायब हैं और उनके विधायक जो अब बेरोजगार हो चुके हैं, झूठे प्रदर्शन कर जनता को बरगलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी जनता उनसे पूछना चाहती है कि आखिर आबकारी नीति को क्यों वापस लिया, कमिशन क्यों बढ़ाएं गए। सचदेवा ने कहा कि अफ़सोस इस बात का हैं कि सरकार जानता को सुविधा प्रदान करने की बजाय सिर्फ़ भ्रष्टाचार करने में लगी रही।

शराब नीति किस तरह से जानबूझकर बदली गई। 3 ब्रांड्स को फ़ायदा पहुंचाया गया और आबकारी नीति को बदल दिया।

ईडब्ल्यूएस मरीजों के मुफ्त इलाज के लिए नहीं हुई निगरानी : कैग रिपोर्ट

● स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा चिह्नित निजी अस्पतालों की नहीं हुई जांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य ढांचे पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हालिया ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के मरीजों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा चिन्हित निजी अस्पतालों की कोई निगरानी नहीं की गई।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि मुफ्त इलाज से इनकार करने के साथ-साथ शिकायत निवारण तंत्र की कमी के मामले भी सामने आए हैं। इस रिपोर्ट में 2016-17 से 2021-22 की अवधि को कवर करते हुए दिल्ली में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन' के प्रदर्शन ऑडिट के परिणाम शामिल हैं। सीएजी की रिपोर्ट पर सोमवार को दिल्ली विधानसभा में चर्चा होगी और उसके बाद रिपोर्ट को आगे की जांच के लिए लोक लेखा समिति को भेजा जाएगा।

रियायती दरों पर भूमि आवंटित किए गए सभी निजी अस्पतालों को अपनी 25 प्रतिशत ओपीडी सुविधाएं प्रदान करनी थीं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के मरीजों के मुफ्त इलाज के लिए 10 प्रतिशत आईपीडी बेड आरक्षित करने थे। डीजीएचएस ने इन चिन्हित निजी अस्पतालों द्वारा इलाज किए गए कुल ओपीडी रोगियों के बारे में जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार, ऑडिट में पाया गया कि दिल्ली के 47 सरकारी अस्पतालों (जीएच) में से 19 ने 15 साल की देरी (जून 2022) के बाद भी ईडब्ल्यूएस रोगियों को चिन्हित निजी अस्पतालों (आईपीएच) में रेफर करने के लिए रेफरल केंद्र स्थापित नहीं किए हैं।

दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की गई दो प्रमुख पहल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए मुफ्त इलाज और दिल्ली आरोग्य कोष (डीएके) हैं। इसमें कहा गया है, इस संबंध में फैसला सुनाए जाने के 15 साल से अधिक की देरी के बाद भी 19 अस्पतालों ने विशेष संदर्भ केंद्र नहीं बनाए हैं।

28 सरकारी अस्पतालों ने केवल 43,951 रोगियों को रेफर किया। उपराज्यपाल के निर्देशों के बाद भी, मरीजों की ऑनलाइन आधार-बायोमेट्रिक ट्रैकिंग की प्रणाली अभी तक लागू नहीं की गई है, जो उचित अनुवर्ती कार्वाई सुनिश्चित करने और वित्तीय कदाचार को खत्म करने के लिए एक मूर्खतापूर्ण तंत्र विकसित करने के लिए विभाग की गैर-गंभीरता को दर्शाता है।

73 लाख की ठगी में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 73 लाख रुपए की ठगी के मामले में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आरोपी मोहित को हरियाणा के जींद स्थित उचाना मंडी से गिरफ्तार किया गया। यह मामला पांच जून 2024 को राम निवास द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सामने आया, जिसमें आरोप लगाया गया कि मोहित ने दिल्ली के सिंघु इलाके में एक भूखंड बेचने का वादा कर उसके साथ ठगी की और 73 लाख रुपए ले लिए। शिकायत के अनुसार, ऐसा कोई भूखंड वहां था ही नहीं। साथ ही, मोहित काफी समय से फरार था।

प्रदूषण को कम करने के लिए भाजपा काम करें: राय

● बोले, अभी भी भाजपा के मंत्री सिर्फ विपक्ष को गालियां दे रहे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने भाजपा को गाली-गलौंज की राजनीति को छोड़कर दिल्ली के प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए काम करने की नसीहत दी है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि 2016 में दिल्ली को 365 में से सिर्फ 109 दिन साफ हवा मिलती थी। आप सरकार ने प्रदूषण को किया और पिछले साल लोगों को 209 दिनों तक साफ हवा मिली। अब दिल्ली में भाजपा सत्ता में है। हम चाहते हैं कि वह अच्छे दिनों की संख्या 209 से बढ़ाकर 309 दिनों तक पहुंचाए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अभी भी भाजपा के मंत्री विपक्ष में बैठे नेताओं की तरह सिर्फ अरविंद केजरीवाल को गालियां दे रहे हैं। भाजपा को हम पर आरोप लगाने के बजाय काम करके दिखाना चाहिए। अब केंद्र के साथ पूरे एनसीआर में भाजपा की सरकार है। वह दिल्ली के चारों तरफ धुंआ फैला रहीं डीजल बसों बंद कराए और पूरे एनसीआर में सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करवाए। जहां हमारे सहयोग की जरूरत होगी, हम अवश्य करेंगे।

प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि शनिवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने पहली बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया। मैं दिल्ली के पर्यावरण मंत्री से कहना चाहता हूं कि दिल्ली के लोगों ने इसीलिए भाजपा को सरकार में बैठाया है कि वह दिल्ली के प्रदूषण को नियंत्रण के लिए वो सारे जरूरी कदम उठाए, जिससे दिल्ली का सारा प्रदूषण कम हो सके। हम मान सकते हैं कि हम निकम्मे लोग थे और हमने कुछ नहीं किया। 2016 में 365 में से 109 दिन अच्छे थे। हमने दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए काम किया और इसी के परिणाम स्वरूप पिछले साल लोगों ने दिल्ली में 209 दिन अच्छे पाए हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के प्रदूषण को कम करके अच्छे दिनों की संख्या को बढ़ाया है और 109 से बढ़ाकर 209 दिन दिल्ली के लोगों को अच्छी हवा दी है। गोपाल राय ने कहा है कि दिल्ली के वर्तमान पर्यावरण मंत्री अच्छे काम करें। हमने अच्छे दिनों की संख्या 109 से 209 दिनों तक पहुंचाया है, उसे अगले एक साल में भाजपा की सरकार 309 अच्छे दिनों तक पहुंचाए।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' के समर्थन में कैट का अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित 'वन नेशन, वन इलेक्शन' एक दूरदर्शी कदम है, जो देश में राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक मजबूती और सुशासन को सुनिश्चित करेगा। इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश भर में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि सेमिनार, वर्कशॉप और संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चुनाव सुधारों, आर्थिक प्रभाव और समाज तथा व्यापार जगत पर सकारात्मक प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

पीएम के नेतृत्व में किया चुनौतियों का सामना : पीके मिश्रा

● कहा, सरकार ने कोविड-19 महामारी, यूक्रेन-रूस संघर्ष और पश्चिम एशिया संकट पर रखी नजर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत सरकार की किसी भी नीति निर्माण प्रक्रिया में अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक रूपरेखा और परिणामोन्मुखी रचनात्मक मानसिकता पर ध्यान केंद्रित करना होता है।

यह बात प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने पत्रकार से कही। विभिन्न मुद्दों पर बात करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि सरकार आत्मनिर्भर होने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोविड-19 महामारी, यूक्रेन-रूस संघर्ष और पश्चिम एशिया संकट जैसी चुनौतियों से निपटने में सफल रही है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रश मोदी ने चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्परता दिखाई और इन उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सुधार किए।

डॉ. मिश्रा ने भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा संक्रमण का सामना किया। कोविड-19 महामारी के समय में जब भारत सहित पूरे विश्वत में उथल-पुथल हो रही थी, भारत चुनौतियों का प्रभावी और सफलतापूर्वक सामना कर सका। इसने कुछ प्रोत्साहन पैकेज प्रदान करने के अलावा आर्थिक सुधारों के कई कदम उठाए। इससे विकास की गति बनी रही।

उन्होंने सरकार की उत्पादन से जुड़ी पहल (पीएलआई) योजनाओं और भारत के विशाल बाजार और जनसंख्या से लाभ के बारे में भी बताया। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने अनिश्चितता से निपटने के लिए नए दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें न केवल जोखिम आकलन हो अपितु एक 'स्थिर व्यवस्था' का निर्माण भी हमारा उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारी प्रणालियां न केवल सुव्यावस्थित होनी चाहिए अपितु स्थिर और स्थायी भी होनी चाहिए।डॉ. मिश्रा ने प्रधानमंत्री मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा का उल्लेतख करते हुए इसे व्यापार संबंधों को बढ़ाने और संकट पर प्रतिक्रिया करने के बजाय 'अवसरों' का निर्माण करने के दृष्टिकोण से बहुत सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि उभरते वैश्विक व्यापार परिवेश में न केवल द्विपक्षीय, क्षेत्रीय, अपितु बहुपक्षीय संबंध भी आर्थिक परिदृश्य को बदल रहे हैं।

अपहरण मामले में पांच लोग बरी

● अदालत में नहीं टिक सके अभियोजन पक्ष के गवाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने 2015 के अपहरण मामले में पांच लोगों को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने जो सबूत पेश किए उनपर विश्वास नहीं किया जा सकता और उन पर संदेह पैदा होता है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल अहलावत ने 24 फरवरी को अपने आदेश में कहा, अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य स्वीकार करने योग्य नहीं हैं और उन पर गंभीर संदेह है। वे किसी भी तरह भरोसे के लायक नहीं हैं। अदालत ने आरोपी व्यक्तियों रिजवान, रोहित, सलीम, गुलजार और शेरा को बरी करते हुए कहा, अभियोजन पक्ष अपराध को साबित करने में बुरी तरह विफल रहा। अभियोजन पक्ष के अनुसार राजेंद्र गुप्ता का 12 जुलाई 2015 को अपहरण कर लिया गया था और उनके दामाद को फोन करके 30,000 रुपए की फिरौती मांगी गई थी। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला राजेंद्र गुप्ता, उनके दामाद एवं शिकायतकर्ता अनिल कुमार और बेटे प्रदीप गुप्ता की गवाही पर टिका था, लेकिन तीनों ने अभियोजन पक्ष के बयान का समर्थन नहीं किया और विभिन्न पहलुओं पर उनके बयान विपरीत पाए गए।

मतदान संपन्न, गुरुग्राम के मतदाता रहे सुस्त, मानेसर वालों में दिखा जोश

कुछ बूथ पर ईवीएम में आई खराबी, गुरुग्राम में 44.4 फीसदी हुआ मतदान, मानेसर में पड़े 64.4 फीसदी वोट

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम और मानेसर के चुनाव रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गए। एकाध जगह पर ईवीएम में खराबी आई। गुरुग्राम में निकाय चुनावों को लेकर जो उत्साह चुनाव प्रचार में नजर आ रहा था, वह उत्साह मतदान के दिन नजर नहीं आया। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में मतदान करने के लिए लोग कम ही बाहर निकले। मानेसर निगम क्षेत्र में फिर भी लोग मतदान करने के लिए लाइनों में लगे रहे। समाचार लिखे जाने तक गुरुग्राम नगर निगम में मत प्रतिशत 41.8 रहा, वहीं मानेसर नगर निगम में मत प्रतिशत 66.2 रहा।

गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में कुल मतदाता 9 लाख 2 हजार 779 हैं। मानेसर नगर निगम के मतदाताओं की संख्या 97073 है। गुरुग्राम नगर निगम में सुबह 8 बजे शुरू हुए मतदान के बाद 10 बजे तक दो घंटे में 1.0 प्रतिशत (8869) वोट पोल हुए। 11 बजे तक 7.7 प्रतिशत (63938) वोट डाले गए। पोलिंग की रिपोर्ट के अनुसार 12:30 बजे तक 12.4 प्रतिशत (111766) वोट पोल हुए। सवा एक बजे तक वोट पोलिंग का आंकड़ा थोड़ा बढ़कर 15.7 प्रतिशत (141702) वोटों का हो गया। गुरुग्राम में सवा एक बजे से डेढ़ बजे के बीच पोलिंग में थोड़ी तेजी आई। सवा एक बजे तक पोलिंग 16.6 प्रतिशत (149779) पोलिंग हुई थी। गुरुग्राम निगम क्षेत्र में दोपहर बाद पौने 3 बजे तक 26.1 प्रतिशत (235864) वोट पोल हुए। इसके आधे घंटे बाद सवा तीन बजे तक 28.5 प्रतिशत (257077) वोट पोल हुए। शाम 04:20 बजे तक 32.5 प्रतिशत (293446) वोट डले। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में पौने 5 बजे तक 35 प्रतिशत (316049) वोट लोगों ने डाले। साढ़े 5 बजे तक यहां पोलिंग बढ़कर 36.9 प्रतिशत (332869) हो गई।

रविवार था, बाजारों में, सड़कों पर रही भीड़, मतदान केंद्र रहे खाली: निगम चुनाव में वोट डालने के लिए मतदाताओं को प्रेरित तो खूब किया गया। सोशल मीडिया पर भी दिनभर उन्हें प्रेरित करने के लिए संदेश डाले जाते रहे, लेकिन गुरुग्राम के मतदाता या तो घरों से नहीं निकले। घरों से निकले भी तो उन्होंने मतदान में कोई रुचि नहीं दिखाई। सामान्य दिन में अगर चुनाव होता तो सरकार छुट्टी घोषित करती। चुनाव रविवार को तो हुआ, लेकिन लोगों ने रविवार को मतदान करने से दूरी बनाए रखी और भीड़ सड़कों पर ही रही। चुनावी माहौल कम ही नजर आया। कुल मिलाकर गुरुग्राम निगम क्षेत्र में मतदान करने के लिए लोगों में उत्सुकता नहीं दिखाई दी। हालांकि निगम चुनाव में प्रचार तो खूब हुआ, लेकिन लोगों को वोटिंग स्टेशन तक पहुंचाना मुश्किल भरा काम रहा। बहुत से लोगों को यह भी नहीं पता चला कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है। उनके पास कोई वोटिंग पर्ची तक देने नहीं पहुंचा।

मानेसर नगर निगम के गांव बढ़ा में मतदान केंद्र में वोट डालने के लिए लाइन में लगे मतदाता।

मानेसर नगर निगम में अच्छी हुई पोलिंग

मानेसर नगर निगम क्षेत्र में मतदान अच्छा-खासा हुआ। यहां समाचार लिखे जाने तक मतदान प्रतिशत 66.2 रहा। सुबह 8 बजे शुरू हुए मतदान के बाद 10 बजे तक दो घंटे में 4.2 प्रतिशत (3956) वोट डाले गए। 11 बजे तक 9.4 प्रतिशत (9106) वोट पोल हुए। इसके डेढ़ घंटे बाद सवा 1 बजे तक 32.1 प्रतिशत (31181) वोट पोल हुए। मानेसर निगम क्षेत्र में 2 बजे तक 33.9 प्रतिशत (32919) वोट डाले गए। इसके बाद 02ः41 बजे तक 45.7 प्रतिशत (44404) वोट पोल हुए। अगले आधे घंटे में सवा तीन बजे तक 48.9 प्रतिशत (47434) वोटिंग हुई। शाम 04ः20 बजे तक 58.6 प्रतिशत (56890) वोट डले। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में पौने 5 बजे तक 58.9 प्रतिशत (57174) वोटों की पोलिंग हुई। साढ़े 5 बजे तक यहां पोलिंग बढ ?र 61.7 प्रतिशत (59851) हो गई। समाचार लिखे जाने तक मतदान का समय पूरा होने के बाद मानेसर में 66.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नगरपालिका फर्रुखनगर में 76.7 प्रतिशत जटौली मंडी में 73.9 प्रतिशत ओर सोहना में सबसे कम 35.9 प्रतिशत वोट पड़े। गुरुग्राम में कुल 45.4 वोट पड़े।

मानेसर नगर निगम के गांव गढ़ी में मतदान केंद्र में वोट डालकर बाहर आते मतदाता।

वोट डालने के बाद उंगली पर निशान दिखाते परिवार के सदस्य।

वोट डालने के बाद सेल्फी बूथ पर फोटो खिंचवाती महिलाएं।

व्हील चेयर पर वोट डालनी जाती बुजुर्ग।

जनता भाजपा के साथ, बड़े मार्जिन से जीतेंगे चुनावः राव नरबीर

- कैबिनेट मंत्री ने गांव फाजिलपुर झाड़सा में बूथ नंबर 364 में किया मताधिकार का प्रयोग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को निकाय चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम के अंतर्गत गांव फाजिलपुर झाड़सा में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बूथ नंबर 364 में मतदान किया।

कैबिनेट मंत्री ने मतदान केंद्र में कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और निर्वाचन अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राव नरबीर सिंह ने मतदान के उपरांत मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। प्रदेश की समृद्धि और विकास के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की जनता ने जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों व धरातल पर उनके क्रियान्वयन में विश्वास जताया है। उसे देखते हुए यह कह सकते हैं कि 12 मार्च को जब जनता जनार्दन का फैसला आएगा। उसमें पूरे प्रदेश में पुनः एक बार कमल खिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में गुरुग्राम सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्यों ने जो रफ्तार पकड़ी है। उससे यह तय हो गया है कि भाजपा सभी निकाय क्षेत्रों में बड़े मार्जिन से जीत दर्ज करेगी।

मतदान के बाद स्वाही का निशान दिखाते मंत्री राव नरबीर सिंह।

मतदाताओं का लोकतंत्र के पर्व में भाग लेने पर आभारः डा. विजय

गांव वजीरपुर में वोट डालने के बाद स्वाही का निशान दिखाते मानेसर से निर्दलीय मेयर प्रत्याशी डा. विजय नंबरदार व उनकी पत्नी।

- हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत, मतदाताओं का आशीर्वाद रंग लाएगा
- निर्दलीय मेयर प्रत्याशी ने गांव वजीरपुर में परिवार संग डाला वोट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर के मेयर पद के निर्दलीय प्रत्याशी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत और मतदाताओं का आशीर्वाद रंग लाएगा। 12 मार्च को हम मानेसर जीतेंगे। उन्होंने अपने पैतृक गांव वजीरपुर में परिवार के साथ अपना वोट डालकर विजयी होने का दावा किया।

डा. विजय नंबरदार ने कहा कि चुनावों की घोषणा के बाद से ही हमारे सभी साथी, कार्यकर्ता चुनाव की तैयारियों में मजबूती से जुट गए थे। उनकी पिछले पांच साल की जमीनी स्तर पर मेहनत को देखते हुए नए लोग भी उनसे जुड़ते गए। एक और एक 11 बनकर लोगों ने इस चुनाव में काम किया है। डा. विजय नंबरदार ने कहा कि हमने सकारात्मक होकर यह पूरा चुनाव लड़ा है। किसी तरह की नकारात्मक बातें करने से दूरी बनाए रखी। हम अपना एजेंडा जनता के बीच रखा। क्षेत्र के विकास की बात की। विकास करने की गारंटी हमने मानेसर की जनता को दी है। विकास करने का पूरा रोड मैप हमारे पास है। उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन का फैसला सर्वमान्य होता है। वे पूर्ण विश्वास के साथ यह कह सकते हैं कि मानेसर के मतदाताओं ने पानी के जहाज चुनाव चिन्ह पर वोट करके विकास की नैया पार करने का फैसला लेते हुए वोट दिया है। जनता के आशीर्वाद से 12 मार्च को नतीजे हमारे पक्ष में आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मतदान केंद्रों का पुलिस अधिकारियों के साथ जायजा लेते उपायुक्त डा. हरीश।

पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ होगी मतगणनाः जिलाधीश

हथीन। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से रविवार 2 मार्च को हथीन नगर पालिका आम चुनाव मतदान उपरांत बुधवार 12 मार्च को होने वाली मतगणना प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाएगी। मतगणना बुधवार 12 मार्च को प्रातः 8 बजे से शुरू होगी। जिलाधीश ने मतगणना को पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने और मतगणना केंद्र पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मतगणना केंद्र के के 200 मीटर के दायरे में अवांछित गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश ने मतदान केंद्र में सक्षम अधिकारी द्वारा अधिकृत व्यक्ति के अलावा अन्य व्यक्ति की गतिविधि पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने आदेशों में स्पष्ट किया है कि 12 मार्च को मतगणना के दिन किसी भी व्यक्ति के मतगणना केंद्र के अंदर किसी भी प्रकार का कैमरा, सेल्युलर, मोबाइल फोन, कॉर्डलेस फोन, पेजर, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर भी पाबंदी रहेगी।

शहीद स्मारक के लोगों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा आजादी की पहली लड़ाई में शामिल और शहीद हुए लोगों और वीर जवानों की बहादुरी एवं शहादत को नमन करने हेतु अम्बाला कैंट के नजदीक अंबाला-नई दिल्ली नेशनल हाईवे-एनएच 44 पर 22 एकड़ भूमि पर एक भव्य और विशाल शहीद स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की ओर से इस शहीद स्मारक के लिए प्रतीक चिन्ह (लोगो) तैयार करने हेतु इच्छुक व्यक्ति/डिजाइनर/कलाकार एवं आमजन से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। जिस व्यक्ति के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का चयन होगा उसे विभाग की ओर से एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। प्रविष्टियां भेजने की अन्तिम तिथि 1 अप्रैल 2025 को सायं 5 बजे तक है। प्रतिभागी को अपनी प्रविष्टियां भेजते समय निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन करना होगा। यह जानकारी शहीद स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी ने दी। डॉ. सैनी ने बताया कि प्रविष्टियां चंडीगढ़ कार्यालय में अन्तिम तिथि तक भिजवा सकते हैं।

मतदान कर्मियों ने सकुशल जमा कराई चुनाव सामग्री

हथीन। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के निर्देशन में पलवल जिला के अधीन आने वाली हथीन नगर पालिका के आम चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुए। मतदान प्रक्रिया पूरी होने उपरांत मतदान कर्मियों ने निर्वाचन सामग्री सकुशल जमा कराई। विभिन्न मतदान दलों ने निर्वाचन प्रक्रिया को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से पूरा किया और चुनाव समाप्त होने के उपरांत ईवीएम सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज व चुनाव सामग्री स्ट्रांग रूम मे जमा कराई। हथीन नगर पालिका चुनाव की मतदान प्रक्रिया उपरांत अब बुधवार 12 मार्च को हथीन लघु सचिवालय के प्रथम तल पर स्थित मीटिंग हॉल में बनाए गए मतगणना केंद्र पर कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना होगी और चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

फरीदाबाद में शांतिपूर्ण मतदान पर उपायुक्त ने जताया आभार

- सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव व जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम चुनाव के मद्देनजर रविवार को जिला प्रशासन द्वारा की गई योजनाबद्ध व्यवस्था के फलस्वरूप मतदान प्रक्रिया शांतिप्रिय ढंग से संपन्न हुई। नगर निगम चुनाव की सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव व जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह ने जिले के मतदाताओं द्वारा लोकतंत्र के इस महापर्व में शांतिप्रिय व व्यवस्थित ढंग से मतदान करने में निभाई गई ज़िम्मेदारी पर धन्यवाद व्यक्त किया।

रविवार को सुबह 8 बजे से सांय 6 बजे तक नगर निगम फरीदाबाद में चली मतदान प्रक्रिया का सामान्य पर्यवेक्षक अनीता यादव और डीसी विक्रम सिंह ने जायजा लिया और पोलिंग पार्टियों को निर्वाचन आयोग की ओर से दी गई गाइडलाइन की अनुपालना प्रभावी रूप से करवाते हुए प्रोत्साहित किया।

डीसी ने पत्नी संग किया मतदान: डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह और उनकी धर्मपत्नी कनिका यादव ने सेक्टर 15 में स्थित विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में मतदान किया। मतदान करने उपरांत उन्होंने नगर निगम फरीदाबाद के मतदाताओं को चुनाव के पर्व में अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का संदेश दिया। डीसी ने मतदाताओं को इस पुनीत अभियान में वोट के रूप में अपनी आहुति डालने के लिए प्रेरित किया।

प्रशासन की हर गतिविधि पर रही पारखी नजर: जिला प्रशासन की ओर से मतदान प्रक्रिया की हर गतिविधि पर पूरा फोकस किया गया। सभी 1302 मतदान केंद्रों पर चल रही मतदान गतिविधियों पर नजर रखी गई। डीसी विक्रम सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने पूरी ज़िम्मेदारी के साथ पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखते हुए सुव्यवस्थित ढंग से मतदान संपन्न कराने में अपनी भागीदारी निभाई।

डीसी ने नगर निगम फरीदाबाद में बनाए गए विभिन्न मतदान केंद्रो का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए निर्देशों की अनुपालना प्रभावी रूप से की जा रही है और किसी भी मतदान केंद्रों पर नियमों की अवहेलना न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

कम मतदान का अर्थ लोगों का लोकतंत्र में भरोसे की कमीः अशोक

- भाजपा ने मतदान प्रक्रिया को किया बदनाम
- ईवीएम में वीवीपैट ना लगवाकर हरियाणा निर्वाचन आयोग पर सवालिया निशान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक बुवानीवाला ने निकाय चुनाव में गुरुग्राम में कम मतदान होने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि लोगों का लोकतंत्र में विश्वास नहीं रही। विश्वास की कमी से ही लोग घरों से बाहर जरूर निकले लेकिन वोट डालने नहीं गए।

बुवानीवाला ने कहा कि आम जनता में लोकतंत्र में विश्वास की कमी का सीधा कारण भाजपा है। भाजपा पर हर चुनाव में ईवीएम को लेकर सवाल खड़े होते हैं। फिर भी इस पर चुनाव आयोग कोई संज्ञान नहीं लेता। चुनाव आयोग भी सरकार के ईशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम में कुल संख्या का 50 प्रतिशत वोट पोल नहीं होने पाना काफी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में ईवीएम के साथ वोट पोल की गई पर्ची दिखाने के लिए वीवीपैट लगाई जाती है, निकाय चुनाव में वीवीपैट का प्रावधान हरियाणा निर्वाचन आयोग ने नहीं किया। कांग्रेस की ओर से इस बाबत राज्यपाल को भी शिकायत दी गई है। वीवीपैट ना लगाने का कारण भी हरियाणा निर्वाचन आयोग का हास्यास्पद है। कांग्रेस के सवाल पर आयोग ने कहा है कि उसके पास पर्याप्त वीवीपैट नहीं है। जबकि देश में कहीं पर कोई बड़ा चुनाव नहीं हो रहा और वीवीपैट का टोटा आयोग ने बता दिया। यह सब बातें गड़बड़ी की ओर इशारा करती हैं।

अशोक बुवानीवाला ने कहा कि लोकतंत्र की धज्जियां भाजपा सरकार में उड़ाई जा रही हैं।

अशोक बुवानीवाला।

मतदान केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे डीसी अजय कुमार व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा।

गुरुग्राम में डीसी व सीपी ने केंद्रों का दौरा कर देखी व्यवस्थाएं

- गढ़ी, हरसरू, वजीरपुर व झुंड सराय में बने मतदान केंद्रों पर पहुंचे अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

निकाय चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने रविवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सबसे पहले मतदान केंद्र पर बूथ सेट-अप की जांच की। साथ ही मतदान केंद्रों पर दी जा रही सुविधाओं व सुरक्षा इंतजामों के बारे में मतदाताओं से फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गढ़ी, हरसरू, वजीरपुर व झुंड सराय में बने मतदान केंद्रों का जायजा लिया।

उपायुक्त अजय कुमार ने मतदान केंद्रों की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था के अलावा मतदाताओं के बैठने के लिए बनाए गए आराम कक्ष और अन्य मूलभूत सुविधाओं का आकलन किया। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से किए गए इंतजाम पर मतदाताओं से बातचीत कर प्रतिक्रिया ली। इसी तरह पोलिंग पार्टियों से भी मतदान संबंधी फीडबैक लिया। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा इंतजाम परखे। प्रशासनिक अमले के औचक निरीक्षण को देख मतदाता भी उत्साहित नजर आए। ग्रामीण परिवेश के बुजुर्गों ने अधिकारियों का आभार जताते हुए इंतजामों पर संतुष्टि जाहिर की।

जिला में 1109 मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए शनिवार शाम से ही अपने बूथ पर मोर्चा संभाले तैनात रहीं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने सभी पोलिंग पार्टियों व उनके साथ तैनात सुरक्षा कर्मियों को वोटिंग संपन्न होने तक बूथ न छोडने के आदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए जरूरी है कि नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर परिषद सोहना व पटौदी जाटौली मंडी तथा नगर पालिका फर्रुखनगर में पोलिंग पार्टी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। शत प्रतिशत मतदान के लिए उन्होंने मतदाताओं से भी वोट डालने की पुनः अपील की। उन्होंने कहा कि सफल लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि मतदान को लोग अपना नैतिक कर्तव्य समझते हुए वोट करने के लिए घरों से बाहर निकलें। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर प्रशासन व पुलिस विभाग की ओर से सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ चुनाव

थानेसर में हुआ 47.3 प्रतिशत व इस्माइलाबाद में 64.9 प्रतिशत मतदान, मतदाताओं में दिखा उत्साह, जिला निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

- सामान्य आब्जर्वर प्रदीप कुमार, पुलिस पर्यवेक्षक भारती डबास, उपायुक्त नेहा सिंह ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र में नगर निकाय चुनाव कड़ी सुरक्षा और व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाताओं उत्साह देखने को मिला। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि थानेसर नगर परिषद में चेयरपर्सन पद के लिए 32 वार्डों में 108 बूथ बनाए गए थे, जबकि पार्षद पद के लिए 101 बूथ बनाए गए थे। जिनमें महिलाओं, युवाओं व दिव्यांगजनों ने बढ़चढ़कर अपने मत के अधिकार का प्रयोग करके वोट डाला।

रविवार को नगर निकाय चुनाव 2025 में मतदाताओं विशेषकर युवा मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बुजुर्गों, युवाओं, दिव्यांगजनों और महिलाओं ने प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करते हुए वोटिंग की है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि थानेसर नगर परिषद में चेयरपर्सन पद के लिए 32 वार्डों में 108 बूथ बनाए गए थे, जबकि 30 पार्षद पद के लिए 101 बूथ क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। जिला प्रशासन चुनाव घोषणा के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान निरंतर चलाए हुए था। इस अभियान में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग, विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के साथ-साथ लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए मीडिया का भी सराहनीय योगदान रहा।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की वोटर टर्नआउट एप पर दिखाए गए आंकड़ों के अनुसार सायं 6-45 बजे तक थानेसर में 47.3 प्रतिशत व इस्माइलाबाद में 64.9 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। जिला प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद कर दी गई थी। प्रशासन ने कुरुक्षेत्र नगर निकाय चुनाव में नगर परिषद थानेसर के 30 वार्डों में कुल 137677 मतदाताओं के लिए 101 बूथ व इस्माइलाबाद में 10539 मतदाताओं के लिए 13 बूथ बनाए गए थे। इन बूथों पर सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रशासन की तरफ से पुलिस व अन्य फोर्स की नियुक्ति की गई। प्रशासन द्वारा सभी बूथों पर पल-पल मतदाताओं द्वारा किए जा रहे मतों की संख्या जानने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था। जहां से हरियाणा निर्वाचन कार्यालय को पल-पल की सूचना भेजी जा रही थी। बकायदा प्रशासनिक अधिकारी भी इस कंट्रोल रूम में वेबकास्टिंग के माध्यम से हर बूथ की गतिविधि पर नजर रखे हुए थे।

सामान्य आब्जर्वर व पुलिस पर्यवेक्षक ने रखी नजर: जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि निकाय चुनाव के सामान्य आब्जर्वर आईएएस प्रदीप कुमार,पुलिस पर्यवेक्षक आईपीएस भारती डबास विशेष रूप से बनाए गए बूथों का निरीक्षण किया और बूथों पर की गई व्यवस्था का आकलन किया। यहां पर प्रशासन की तरफ से तमाम पुख्ता इंतजाम किए गए थे और वोटिंग का कार्य सुचारु रुप से चल रहा था। इसके साथ-साथ नप थानेसर के लिए गुरुकुल में बनाएं गए बूथ सहित अन्य बूथों का निरीक्षण कर वहां पर ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से फीडबैक ली।

उपायुक्त नेहा सिंह ने जताया आभार: उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि नगर निकाय आम चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है। उन्होंने चुनाव के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारीगण, कर्मचारीगण व चुनाव ड्यूटी से संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ पत्रकार साथियों सहित आमजन का भी आभार व्यक्त किया है।

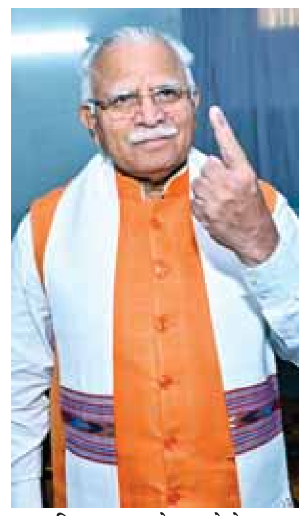

मताधिकार का प्रयोग करने के बाद उंगली का निशान दिखाते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ।

चाक-चौबंद रही व्यवस्था

कुरुक्षेत्र। मतदान के दौरान पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला के कुशल मार्ग-दर्शन में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मतदान के दौरान सुरक्षा की कमान खुद पुलिस अधीक्षक ने सम्भाली। मतदान के दौरान मतदान बूथों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन द्वारा चिन्हित क्रिटिकल बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया था।

ट्रिपल इंजन सरकार में तेजी से होगा विकास: सीएम

- एक शादी समारोह में शामिल होने फरीदाबाद पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के विजन 2047 को सामने रखते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में जहां शहरी निकाय की अहम भूमिका है वहीं जनहितकारी योजनाओं को लागू करने में सरकार अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा रही है। मुख्यमंत्री रविवार को फरीदाबाद में आयोजित एक समारोह में शामिल होने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पत्रकारों से हुई बातचीत उपरांत मुख्यमंत्री शहर के सेक्टर-8 निवासी भूषण तायल के भतीजे राहुल को उनकी शादी की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद दिया।

पत्रकारों से हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में पहले से डबल इंजन सरकार के साथ लोगों का विकास किया जा रहा है। अब छोटी सरकार बनने के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार अधिक ताकत के साथ लोगों की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए किास कार्य को और अधिक तीव्र गति से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम फरीदाबाद के चुनाव में मतदाताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। आगामी 12 मार्च को जब निकाय चुनाव के परिणाम आएंगे तो सभी स्थानों पर भाजपा के उम्मीदवार बड़े अंतर से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि यह छोटी सरकार है, जो सीधे रूप से जनता से जुड़ी समस्याओं का निपटारा करती है। इसके बाद ट्रिपल इंजन की सरकार हर क्षेत्र में चहुंमुखी विकास करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने सभी वायदे तथा वर्ष 2014 व वर्ष 2019 के चुनावी संकल्प पत्र के वायदों को पूरा किया है और अब निकाय चुनाव के लिए तैयार संकल्प पत्र में 21 वायदे किए थे और इन सभी वायदों को भी आगामी दिनों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गारंटी के तहत इन वायदों को पूरा कर रही है।

इस अवसर पर शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा, पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा व राजीव जेटली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण संग्रहालय के पूर्व क्यूरेटर का निधन

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण संग्रहालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व क्यूरेटर एवं उपनिदेशक तथा इलाहाबाद संग्रहालय एवं इंडियन म्यूजियम, कोलकाता के पूर्व निदेशक राजेश पुरोहित का निधन रविवार को तड़के 2 बजे चेन्नई स्थित ग्लेनीगल्स ग्लोबल अस्पताल हुआ। वह वर्तमान में जगन्नाथ पुरी, ओडिशा में परिवार सहित रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। उनका अन्तिम संस्कार आज जगन्नाथ पुरी, ओडिशा में होगा।

संगहालय के कॉर्डिनेटर ाराजेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि उन्होंने राजेश पुरोहित एवं उनकी पत्नी श्रीमती शर्मिला पुरोहित के साथ मिलकर सन् 1987 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संचालित पुरात्तव संस्थान, नई दिल्ली के ओर से प्रशिक्षु पुरातत्वविद् के रूप में थानेसर स्थित हर्ष के टीले का उत्खनन किया था।

'चुप रहना समझदारी पर अन्याय सहना अपराध'

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

- अंतर्राष्ट्रीय गीता मिशन ओडिशा के अध्यक्ष संत डा. स्वामी चिदानंद ने कहा, सीमा से अधिक बर्दाश्त करना भी अधर्म है

देश के विभिन्न राज्यों सहित विश्व स्तर पर भगवान श्री कृष्ण के श्री मुख से उत्पन्न गीता का प्रचार प्रसार कर रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता मिशन ओडिशा के अध्यक्ष संत डा. स्वामी चिदानंद ने कहा कि मूर्ख व्यक्ति के सामने मौन रहने से अच्छा उत्तर और कुछ भी नहीं हो सकता है। परंतु जीवन में सदैव चुप रहना उचित नहीं होता है। गीता में कहा गया है जहां पाप को बल बढ़ रहा हो, जहां छल-कपट हो रहा हो वहां पर मौन रहने से अधिक गंभीर अपराध और कुछ नहीं हो सकता है। संत डा. स्वामी चिदानंद ने कहा कि कभी-कभी हम सबके जीवन में एक समस्या अवश्य आती है कि हम किसी ताकतवर के समक्ष मौन हो जाते हैं।

ऐसा क्यों, उसकी ताकत से बचने के लिए हम मौन रह जाते हैं। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि नौ सौ निन्यानवे अपशब्द सहने वाले भगवान श्री कृष्ण आगे की एक भी न सुन सके-चक्र से शिशुपाल का वध कर बैठे। इससे यह तय नहीं होता कि पहले कहे गए अपशब्दों को प्रकट रूप से ही सह लेते थे और अंत से कुछ असहिष्णु थे। संत डा. स्वामी चिदानंद ने कहा कि ऐसा सोचा जा सकता है, क्योंकि ऐसे हम सब हैं। अगर हम चौथी गाली पर बिगड़ उठते हैं, तो हम भलीभांति जानते हैं कि बिगड़ तो हम पहली ही गाली पर गए थे। लेकिन तीन तक साहस रखा, तीन तक सहिष्णुता थी, फिर हम चूक गए, फिर हमारी सहिष्णुता और न सह सकी। तो चौथी गाली पर हम प्रकट हो गए। लेकिन इस से उलटा भी हो सकता है। और भगवान श्री कृष्ण बड़े विपरीत हैं। ठीक हमारे जैसे आदमी नहीं हैं। बड़ा सवाल भगवान श्री कृष्ण के लिए यह नहीं है कि उनकी सहिष्णुता चुक गई, बड़ा सवाल यह है कि अब सामने का जो आदमी है, अब उसकी सीमा आ गई। अब इससे ज्यादा सहे जाना सहिष्णुता का सवाल नहीं है, इससे ज्यादा सहे जाना बुराई को बनाए रखने का सवाल है। इससे ज्यादा सहे जाना अब अधर्म को बचाना होगा।

डा. नलिनी भार्गव की पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

डॉ. नलिनी भार्गव की पुस्तक लिखी कागद कोरे का विमोचन

- मौके पर ही पुस्तक की समीक्षा करके कवियों, साहित्यकारों ने जमकर सराहना की

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लेखिका, कवयित्री, चित्रकार व समाज सेविका डॉ. नलिनी भार्गव की पुस्तक लिखी कागद कोरे का भव्य समारोह में विमोचन किया गया। पियानो मैन, 32 एवेन्यू में आयोजित साहित्यिक संध्या में यह विमोचन किया गया। इस अवसर हिंदी साहित्य जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व आकाशवाणी एवं प्रख्यात गजलकार उप-महानिदेशक लक्ष्मीशंकर वाजपेयी ने की।

सर्वप्रथम शिवानी भार्गव ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. नलिनी व उनके पति उमेश भार्गव ने शॉल व श्रीफल द्वारा किया। दीप प्रज्जवलन के समय शाकुंतलम के बच्चों ने मां सरस्वती की प्रार्थना की। उन्होंने पुस्तक पर अपने विचार रखते हुए कहा कि यह कृति न केवल संवेदनशील अभिव्यक्तियों का संकलन है, बल्कि इसमें जीवन के गहरे अनुभवों की झलक मिलती है ऐसी कविताओं की बहुत आवश्यकता है।

जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाने को प्रेरित करती हैं।आशा है कि जैसे नलिनी भार्गव शाकुंतलम के माध्यम से बच्चों के जीवन में उजाला भर रही है, वैसे ही सत्साहित्य की रचना के माध्यम से भी समाज को आलोकित करती रहेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल जोशी वैश्विक हिंदी परिवार, पूर्व उपाध्यक्ष केंद्रीय हिंदी संस्थान रहे। जिन्होंने पुस्तक की गहनता और इसकी संवेदनशील अभिव्यक्ति की सराहना की। पुस्तक पर विस्तृत चर्चा वरिष्ठ लेखिका, समीक्षक एवं साहित्यकार कृष्णलता यादव ने की।

फरीदाबाद में 39.3 प्रतिशत हुआ मतदान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को नगर निगम का चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। मतदाताओं ने वोट करने में बेरुखी दिखाई। शाम छह बजे तक 39.3 प्रतिशत मतदान हो सका, वहीं फरीदाबाद कुल 1302 मतदान केन्द्रों पर केवल 954 मतदाता मतदान के लिए लाइन में खडे हुए थे।

रविवार फरीदाबाद नगर निगम चुनाव में कुल 46 वार्डों में निगम पार्षद व मेयर पद के लिए वोटिंग हुई। वोटिंग के लिए फरीदाबाद के कुल 14 लाख 70 हजार 687 मतदाताओं के लिए 1302 पोलिंग बूथ बनाए गए। इन 1302 मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदान धीमा रहा।

चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शाम छह बजे तक शहर के 14 लाख 70 हजार 687 मतदाताओं में से कुल 5 लाख 78 हजार 657 मतदाताओं ने ही अपना मत डाला तथा 954 अपने वोट के इंतजार में लाइन में खड़े हुए थे।

स्वस्थ नोएडा सन्देश के साथ दौड़े सैकड़ों लोग, फिटनेस के प्रति किया जागरूक

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रविवार सुबह आयोजित 'ग्रुप 108 10य रन' में 850 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें हर उम्र और फिटनेस लेवल के धावकों ने पूरे जोश के साथ दौड़ पूरी की। यह आयोजन ग्रुप 108 द्वारा किया गया, और इसका उद्देश्य हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देना था। दौड़ ग्रैंडथम से पंचमुखी हनुमान मंदिर चौक तक आयोजित की गई थी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की एसीईओ आईएएस प्रेरणा सिंह ने विजेताओं को सम्मानित किया। ग्रुप 108 के मैनेजिंग डायरेक्टर, संचित भूटानी ने कहा कि फिटनेस सिर्फ एक दिन की बात नहीं, बल्कि रोजमर्रा की आदत होनी चाहिए। इस इवेंट के जरिए हमने हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने का प्रयास किया है।

दिल्ली से प्रेरणा वृद्धाश्रम पहुंचा महिला शिष्टमंडल

- रेनू खुंगर ने किया शिष्टमंडल का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति देश के दूसरे राज्यों तक भी पहुंच रही है। प्रेरणा वृद्धाश्रम में घरों से निकाले गए एवं अपनों द्वारा ठुकराए गए बुजुर्गों को किस प्रकार आश्रय दिया जाता है। इन बुजुर्गों की परिवार की भांति किस प्रकार आदर व सम्मान के साथ सेवा की जाती है का संदेश दूर दूर तक पहुंच रहा है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम वास्तव में अपने नाम के अनुरूप अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बन रहा है। शनिवार का दिन प्रेरणा संस्था के सदस्यों के लिए भी विशेष रहा। देश की राजधानी दिल्ली से 15 समाजसेवी महिलाओं का एक शिष्टमंडल विशेष रूप से प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति एवं बुजुर्गों की अत्याधुनिक सुविधाओं के सेवा को सुनकर वृद्धाश्रम देखने के लिए आया। इस मौके पर प्रेरणा संस्था के सदस्यों की ओर से सभी शिष्टमंडल की महिला मेहमानों का पुष्प गुच्छ एवं गुलाब का फूल देकर स्वागत किया गया। शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने कहा कि प्रेरणा के सदस्य बुजुर्गों की सेवा करते हुए आत्मसंतोष के साथ भगवान की सेवा मानते हैं।

शिष्टमंडल की सदस्यों ने वृद्धाश्रम के प्रबंधन एवं सम्मान को देखकर कहा कि वे उनकी भावनाओं को देखकर अभिभूत हैं। समाजसेवी महिलाओं ने सर्वप्रथम मंदिर में जाकर प्रभु आराधना की और उसके उपरांत वृद्धाश्रम में मां भारती के वीर सपूतों की याद में बने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। शिष्टमंडल की महिलाएं वृद्धाश्रम में बने डे केयर सेंटर और लाइब्रेरी को देखकर भी हैरान हुई। उन्होंने कहा कि हमने अपने जीवन में ऐसा डे केयर सेंटर और ऐसा वृद्धाश्रम पहली बार देखा है। प्रेरणा संस्था की अध्यक्षा रेनू खुंगर ने शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि आपका यहां आना यह दर्शाता है कि अब समाज बुजुर्गों की सेवा भावना के प्रति सचेत होने लगा है। दिल्ली से आई 15 समाजसेवी महिलाओं के शिष्टमंडल का नेतृत्व उषा सिंगला कर रही थी। इस अवसर पर राधा अग्रवाल, डा. ममता सूद, आशा सिंगला, शिल्पा सिंगला, आराध्या सिंगला, आश्वी सिंगला, बिमला सिंगला, मोनिका सिंगला, अन्नपूर्णा शर्मा, राज मांडी एवं संस्था के अन्य सदस्यों ने बुजुर्गों के शिष्टमंडल का स्वागत किया।

सूचना आयोग में छह पद खाली नई नियुक्तियों का इंतजार

- मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्त का कार्यकाल हो रहा पूरा
- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सर्च कमेटी के गठन की प्रतीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के सूचना आयोग में इस समय राज्य सूचना आयुक्तों के आधा दर्जन पद खाली पड़े हैं। इन पदों पर लंबे समय से नियुक्ति नहीं हुई हैं। राज्य सूचना आयुक्तों का कार्यकाल बारी-बारी से कम हो रहा है, मगर नई नियुक्तियों के अभाव में सूचना आयोग का काम रुका हुआ है।

हरियाणा के सूचना आयोग में राज्य सूचना आयुक्तों के 10 पद मौजूद हैं, लेकिन इनमें से छह पद खाली चल रहे हैं। इस समय सिर्फ चार राज्य सूचना आयुक्त ही सेवाएं दे रहे हैं। अप्रैल 2023 के बाद हरियाणा सरकार द्वारा राज्य सूचना आयोग में एक भी खाली पद पर कोई नियुक्ति नहीं की गई है। मुख्य सूचना आयुक्त विजय वर्धन और राज्य सूचना आयुक्त एसएस फुलिया का कार्यकाल भी अगले माह पूरा होने वाला है। विजय वर्धन हरियाणा के मुख्य सचिव रह चुके हैं। बीती 27 जनवरी को ज्योति अरोड़ा राज्य सूचना आयुक्त के तौर पर अपने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर रिटायर हो चुकी हैं।

हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त विजय वर्धन 24 मार्च को रिटायर होंगे, जबकि राज्य सूचना आयुक्त डा. एसएस फुलिया भी उसी दिन रिटायर हो रहे हैं। वर्तमान में एसएस फुलिया के अतिरिक्त राज्य सूचना आयोग में तीन अन्य सूचना आयुक्त डा. कुलबीर छिकारा, प्रदीप कुमार शेखावत और डा. जगबीर सिंह काम कर रहे हैं। छिकारा, शेखावत और जगबीर की नियुक्ति अप्रैल 2023 में की गई थी। इनमें से छिकारा और जगबीर का कार्यकाल अगले वर्ष अप्रैल 2026 तक है, जबकि शेखावत का कार्यकाल इसी वर्ष अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार के अनुसार सूचना आयुक्त का कार्यकाल पदभार संभालने से तीन वर्ष या उसकी आयु 65 वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, होता है। 24 अक्टूबर 2019 से पहले, अर्थात संसद द्वारा आरटीआई कानून में किये गये संशोधन के लागू होने से पूर्व इस कार्यकाल की अवधि तीन वर्ष की बजाय पांच वर्ष होती थी।

अवैध मीडियन कटों को बंद करने का चलाया अभियान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हाइवे प्रबंधन टीम ने पलवल से आगरा के बीच एनएच-19 पर पलवल से करमन बॉर्डर के बीच अवैध मीडियम कटो को बंद करने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत पहले भी मुंडकटी और खटेला सराय के अवैध कटों को पुलिस और सरपंचों की मदद से बंद कराया गया था, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

अब हाइवे की टीम ने सीआईए होडल थाना के सामने तथा बामनीखेड़ा के कटों को बंद कराया, जबकि अन्य पर तेजी से कार्य चल रहा है। जल्द ही हाईवे पर मौजूद सभी अवैध कटों को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा, जिससे सड़क सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। अवैध रूप से खोले गए मीडियन कट सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं। इन कटों की वजह से वाहनों की असंतुलित आवाजाही होती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हाईवे टीम और पुलिस प्रशासन ने मिलकर यह ठोस कदम उठाया है। हाईवे अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से सड़क सुरक्षा का समर्थन करने और अवैध कटों को फिर से न खोलने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये कदम नागरिकों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। हाईवे प्रबंधन टीम, पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर यह तय किया है कि नेशनल हाईवे 19 को सुरक्षित बनाने के लिए सभी अवैध कटों को पूरी तरह से बंद किया जाएगा।

घटना प्रबंधक राजकुमार ने कहा कि यह अभियान सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। अवैध कटों के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है। ऐसे में सभी नागरिकों को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना चाहिए। इस कार्रवाई से उम्मीद की जा रही है कि हाईवे पर होने वाली दुर्घटनाओं में भारी कमी आएगी और यात्रियों का सफर पहले से अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनेगा।

परीक्षा केंद्र में अत्यधिक अनियमितता मिली तो किया जाएगा रद्द, फिर नहीं बनेगा केंद्र

- सरपंचों की नकल करवाने में भूमिका पाई जाने पर किया जाएगा निलंबित: उपायुक्त
- इनविजिलेटर्स ईमानदारी से करें ड्यूटी निर्वहन, नकल करवाने पर हो सकती है बर्खास्तगी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी तथा सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से उपायुक्तों-पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेते हुए नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने प्राप्त दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना का भरोसा देते हुए कहा कि पलवल में नकल रहित परीक्षा करवाई जाएगी, जिसके लिए हर प्रकार के प्रबंध सुनिश्चित किये गये हैं।

वीडियो कान्फ्रेंस के उपरांत उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने लघु सचिवालय के कान्फ्रेंस हॉल में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव की ओर से प्राप्त निर्देशानुसार नकल पर पूर्ण लगाम लगाने के लिए सरकार कड़े कदम उठा रही है। इसमें इनविजिलेटर्स की भूमिका को विशेष रूप से परखा जाएगा। केंद्र में एक की बजाय दो इनविजिलेटर लगाये जायेंगे। प्राप्त निर्देशानुसार यदि किसी इनविजिलेटर की भूमिका संदिग्ध पाई गई तो उसे निलंबित करके बर्खास्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Anil Kumar S/o Shri Ram Avadh R/o A-1175, Indira Marg Mandawali Fazalpur Delhi-110092 declare that I have Changed my name from Anil Kumar Singh to Anil Kumar for all future Purposes.
PD(1606)C

I, Rinku Tiwari W/o Pranav Kumar Raju R/o G- 118 Sector Delta 2, Greater Noida, Gautam Buddh Nagar have changed my name from Rinku to Rinku Tiwari for all future purposes.
PD(1607)C

खैरातों की बढ़ती चुनौती

वर्तमान चुनौती केवल चुनावी वादे पूरे करना नहीं, बल्कि पहले से ही संकटग्रस्त राजकोषीय समीकरण ठीक करना है जो बेलगाम हो सकता है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

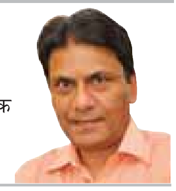

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतने के बाद रेखा गुप्ता नीत भाजपा सरकार को अपने चुनावी वादे पूरे करने के लिए पैसा एकत्र करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अन्य वादों के साथ ही भाजपा ने 'महिला समृद्धि योजना'-एमएसवाई के अंतर्गत हर महिला को 2,500 रुपये महीने देने, 500 रुपये में एलपीजी सिलिंडर तथा होली और दीपावली में मुफ्त सिलिंडर देने, तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रम पढ़ने वाले एससी छात्रों को 1000 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड देने, केजी से पीजी तक जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त शिक्षा देने, दिल्ली मेट्रो में छात्रों को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने, झुग्गी बस्तियों में केवल 5 रुपये में भोजन देने वाली अटल कैंटीने स्थापित करने, आयुष्मान भारत योजना लागू करने तथा वरिष्ठ नागरिकों को पांच लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा कवरेज देने के वादे किए हैं।

भाजपा ने पूर्व 'आप' सरकार की तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अवस्थापना द्वारा लागू अन्य सभी योजनायें जारी रखने का वादा भी किया है जिसमें मुफ्त बिजली व मुफ्त पानी भी शामिल हैं। यदि हर महिला को 2500 रुपये देने वाली महिला समृद्धि योजना-एमएसवाई पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि दिल्ली में 18 साल से अधिक आयु वाली लगभग 6700,000 महिलायें हैं। इनको पैसा देने पर हर साल 20,100 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये की सहायता जोड़ने पर लगभग 1500,000 गर्भवती महिलाओं पर लगभग 3150 करोड़ रुपये सालाना खर्च होगा। यदि यह मान लिया जाए कि हर परिवार साल में 4 गैस सिलिंडर खर्च करता है तो होली व दीपावली पर दो मुफ्त सिलिंडरों के साथ यह खर्च लगभग प्रति परिवार 3000 रुपये सब्सिडी होगा। दिल्ली की वर्तमान जनसंख्या 330 लाख है।

यदि प्रत्येक परिवार में चार सदस्य हों तो यहां 82.5 लाख परिवार हैं। इस मद पर हर साल 2,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दिल्ली की जनसंख्या में लगभग 33 लाख गरीब लोग हैं जिनमें से 11 लाख 4-25 वर्ष आयु वाले छात्र होंगे। यदि भारत में हर छात्र पर न्यूनतम 20,000 रुपये खर्च आता हो तो शहर के सभी 'जरूरतमंद छात्रों' पर हर साल 2200 करोड़ रुपये खर्च होगा। अकेले इन चार वादों का भार दिल्ली सरकार के बजट पर 27,950 करोड़ रुपये होगा। अन्य 'खैरातें' इस बोझ को कई हजार करोड़ तक पहुंचा देंगी। यह लगभग 30,000 करोड़ तक हो सकता है।

वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली सरकार का कुल खर्च लगभग 76,000 करोड़ है। इसमें 61,000 करोड़ राजस्व खर्च तथा 15,000 करोड़ पूंजीगत खर्च है। इसके विपरीत कुल राजस्व लगभग 58,000 करोड़ है जिससे राजस्व घाटा लगभग 3,000 करोड़ होता है। यह स्थिति चिन्ताजनक है क्योंकि दिल्ली में अतिरिक्त राजस्व सृजन की दो प्रमुख संभावनायें हैं।

राज्य राजधानी क्षेत्र का विशेष दर्जा होने के कारण कानून-व्यवस्था, पुलिस और भूमि केन्द्र सरकार के क्षेत्र में आती है जिससे वह इन कामों पर खर्च करती है। दूसरा, दिल्ली आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है, इसलिए वह पेट्रोल व डीजल पर वैट के साथ ज्यादा जीएसटी संग्रह कर सकता है। लेकिन कर्ज की ब्याज अदायगी पर खर्च को देखते हुए राजस्व

> **भाजपा ने पूर्व 'आप' सरकार की तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अवस्थापना द्वारा लागू अन्य सभी योजनायें जारी रखने का वादा भी किया है जिसमें मुफ्त बिजली व मुफ्त पानी भी शामिल हैं।**

घाटा बहुत बढ़ जाता है। दिल्ली जल बोर्ड पर 70,000 करोड़ तथा दिल्ली परिवहन निगम पर 60,000 करोड़ से अधिक कर्ज है। इन कर्जों की अदायगी पूरी तरह राज्य राजधानी क्षेत्र सरकार की जिम्मेदारी है और इसे बैलेंसशीट में दिखना चाहिए। वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा लगभग 18,000 करोड़ था जो 2023-24 के मुकाबले लगभग 80 प्रतिशत अधिक था। यदि डीजेबी व डीटीसी द्वारा लिए कर्जों पर ब्याज पर गौर किया जाए तो यह साल दर साल इनके खातों में बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी ने केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय बचत फंड-एनएसएसएफ से 10,000 करोड़ रुपये कर्ज देने की प्रार्थना की थी।

राज्य की खराब वित्तीय स्थिति का कारण काफी सीमा तक बढ़ती खैरातें तथा विभिन्न योजनाओं के संचालन में व्याप्त अनियमिततायें एवं कुप्रबंधन है। इसके साथ ही 'आप' सरकार में प्रशासन असाधारण स्तर तक पंगु हो गया था। 2024-25 में केवल मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी पर लगभग 11,000 करोड़ रुपये खर्च हुआ। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-सीएजी की रिपोर्टों के अनुसार, 2025-16 से 2021-22 तक डीटीसी का घाटा बढ़ कर 35,000 करोड़ रुपये हो गया जिसका मुख्य कारण मुफ्त बस यात्रा के साथ डीटीसी में व्याप्त कुप्रबंधन था। अब इस परिदृश्य में भाजपा द्वारा किए वादों के प्रभाव पर गौर करें।

मोदी ने गारंटी दी है कि वर्तमान योजनायें समाप्त नहीं की जाएंगी। इस प्रकार 11,000 करोड़ रुपये खर्च करने वाली मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी। इसके साथ ही दी गई नई गारंटियों पर कम से कम 30,000 करोड़ रुपये खर्च होगा। यदि अन्य सभी चीजें अपरिवर्तित रहें तो इनसे वित्त वर्ष 2024-25 में खर्च का संशोधित अनुमान 61,000 करोड़ रुपये से बढ़ कर 91,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। 58,000 करोड़ की राजस्व प्राप्ति को देखते हुए राजस्व घाटा 33,000 करोड़ हो जाएगा जो 2024-25 के बजट से 3000 करोड़ अधिक होगा।

नव-निर्वाचित सरकार ने यमुना का पानी स्वच्छ करने, स्वच्छ हवा देने, सड़कों के निर्माण व सुधार, ड्रेनेज व्यवस्थाओं को साफ करने तथा अस्पतालों व स्कूलों को सुधारने के वादे किए हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दिल्लीवासियों को अच्छी गुणवत्ता वाला जीवन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक भौतिक व सामाजिक ढांचागत परियोजनाओं की आवश्यकता है। इसका अर्थ है कि यदि सीई को 2023-24 के 22,000 करोड़ पर बहाल रखा जाए तो वह काफी नहीं होगा।

इस नाकाफी स्तर के बावजूद कुल खर्च 113,000 करोड़ हो जाएगा। यदि इसमें से 58,000 करोड़ की राजस्व प्राप्ति को घटा दिया जाए तो राजकोषीय घाटा 55,000 करोड़ बचेगा। सरल भाषा में कहा जाए तो केन्द्र को कम से कम 55,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था करनी होगी ताकि भाजपा दिल्लीवासियों से किए अपने चुनावी वादे पूरे कर सके।

राजनीति का अपराधीकरण

उन्मूलन की चुनौती

राजनीति में अपराधीकरण के प्रभाव को प्राथमिकता से समाप्त किया जाना चाहिए। हालिया वर्षों में राजनीति में अपराधीकरण का मुद्दा लगातार चर्चा का विषय रहा है। ज्यादा राजनेताओं पर आपराधिक आरोप और दोषसिद्धि से सवाल उठा कि क्या चुनाव लड़ने के लिए उनकी अयोग्यता का मानक उपयुक्त है। वर्तमान बहस सर्वोच्च न्यायालय में विचारार्थ हालिया मामले से पैदा हुई है जिसमें अयोग्यता की अवधि सीमित करने की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि न केवल विधिक व्याख्या, बल्कि राजनीतिक व्यवस्था में अपराधों के प्रभाव की व्यापक विभीषिका पर चर्चा होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में पेश एक याचिका में कहा गया कि दोषसिद्ध राजनेताओं के आजीवन चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया जाए। याचिकाकर्ता का तर्क था कि अयोग्यता को सीमित अवधि का रखने से उन संवैधानिक प्राविधानों का उल्लंघन होता है जिनके अनुसार अपराधियों को सत्ता के प्रयोग से रोका जाना चाहिए। वर्तमान समय में जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 के अंतर्गत यह प्रतिबंध रिहा होने के बाद 6 साल है। इसकी प्रतिक्रिया में केन्द्र ने वर्तमान प्राविधानों का बचाव करते हुए तर्क दिया है कि आजीवन प्रतिबंध 'अनावश्यक रूप से कठोर' होगा और इसका अर्थ संसद को एक खास तरीके से कानून बनाने का निर्देध देना होगा जो न्यायिक शक्ति की सीमा से बाहर है। सरकार के प्रति-शपथपत्र में जोर दिया गया कि अनेक दंडात्मक कानून एक समयबद्ध ढांचे में काम करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि अनावश्यक गंभीरता से बचने की आवश्यकता को देखते हुए प्रतिरोध संतुलित रखा जाए।

यह कानूनी दांवपेंच एक महत्वपूर्ण नीतिगत बहस की ओर संकेत करता है। क्या दोषसिद्ध राजनेताओं को चुनाव में सहभागिता में अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाया गाजए या अयोग्यता का एक निश्चित कालखंड संवैधानिक तथा समानुपातिक है? सरकार का तर्क है कि अस्थाई रूप से दोषसिद्ध लोगों को बाहर रखने वाली वर्तमान व्यवस्था समानुपातिकता और तार्किकता के सिद्धान्तों का सम्मान करती है। उसके दृष्टिकोण से अयोग्यता को सीमित रखने की विधायी पसंद एक दंडात्मक व पुनर्स्थापना वाला उपाय है जो लोकतांत्रिक सहभागिता की अनुमति देता है। कानूनी बहसों से आगे राजनीतिक क्षेत्रों में आपराधिक चरित्र की बढ़ती लहर का मुद्दा बना हुआ है। राजनीति में आपराधिक तत्वों का प्रवेश न केवल लोकतांत्रिक संस्थानों की निष्ठा को खतरा पैदा करता है, बल्कि यह जनता का विश्वास भी तोड़ता है। आपराधिक व्यवहार के इतिहास वाले नेताओं के भ्रष्ट व्यवहारों में शामिल होने की संभावना अधिक होती है जो कानून के शासन को नुकसान पहुंचाते हैं। राजनीति का अपराधीकरण स्पष्ट होने के बाद से इस समस्या से निपटने के लिए कठोर उपायों का आह्वान हो रहा है। राजनीति का अपराधीकरण रोकने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है जो आजीवन प्रतिबंधों के सवाल से आगे जाता है। संसद को राजनीतिक उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर पुन: विचार कर उसे संभवत: कठोर बनाने का प्रयास करना चाहिए। चाहे यह कुछ गंभीर अपराधों के दोषसिद्ध राजनेताओं पर लंबे प्रतिबंध से हो या अतिरिक्त नियंत्रणों से, विधायी सुधारों का लक्ष्य आपराधिक व्यवहार वाले लोगों को हतोत्साहित करना होना चाहिए। दोषसिद्ध लोगों के आजीवन प्रतिबंध के पक्ष या विपक्ष में मजबूत तर्क हो सकते हैं पर सभी लोग एक चीज से अवश्य सहमत हो सकते हैं कि हमें अपनी संसद या राज्य विधानसभाओं में ऐसे दोषसिद्ध व आपराधिक चरित्र वाले लोगों की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में इसे करने का तरीका तय करना कठिन नहीं है, लेकिन सवाल यही है कि यह काम कौन करेगा?

भारत में बढ़ता सौर ऊर्जा का प्रयोग

दिशा शर्मा
(लेखिका, सहायक प्रोफेसर हैं)

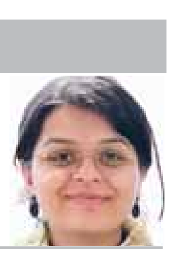

वर्ष 2070 तक नेट जीरो हासिल करने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता इसके ऊर्जा क्षेत्र में एक नाटकीय बदलाव को उत्प्रेरित कर रही है, जिसमें सौर ऊर्जा इस परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में उभर रही है। प्रचुर मात्रा में सूरज की रोशनी, तेजी से घटती प्रौद्योगिकी लागत, मजबूत सरकारी समर्थन और एक विस्तारित कुशल कार्यबल ने मिलकर सौर ऊर्जा को भारत की नवीकरणीय रणनीति के केंद्र में रखा है। जबकि देश ने सौर अपनाने में महत्वपूर्ण मील के पत्थर का जश्न मनाया है, यह बहुमुखी चुनौतियों का भी सामना कर रहा है, जिसके लिए अपनी गति को बनाए रखने के लिए अभिनव नीतिगत हस्तक्षेप और रणनीतिक दूरदर्शिता की आवश्यकता है।

पिछले एक दशक में, भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। राष्ट्र ने न केवल अपने महत्वाकांक्षी नवीकरणीय लक्ष्यों को पूरा किया, बल्कि उन्हें पार कर लिया, सौर ऊर्जा अब इसके नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। 2023 से 2024 तक सौर ऊर्जा उत्पादन में 19 प्रतिशत की वृद्धि से तीव्र विस्तार स्पष्ट है, जिसमें सौर ऊर्जा संयंत्र नई नवीकरणीय क्षमता का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा बना रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में भारत की भूमिका वैश्विक सौर सहयोग के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, क्योंकि इस पहल का उद्देश्य विकासशील देशों के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का निवेश जुटाना है। राष्ट्रीय एजेंसियों, विशेष रूप से भारतीय सौर ऊर्जा निगम, राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत सौर परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही हैं। इन प्रभावशाली उपलब्धियों के बावजूद, पूर्ण सौर एकीकरण के मार्ग में महत्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं। एक बड़ी चुनौती राष्ट्रीय ग्रिड से सौर ऊर्जा संयंत्रों का सीमित कनेक्शन है, जिसमें वर्तमान में केवल 16 प्रतिशत क्षमता ही एकीकृत है। यह अंतर देश की अपनी विशाल सौर क्षमता का पूरी तरह से

दोहन करने की क्षमता को सीमित करता है। इसके अलावा, सौर ऊर्जा विकास में क्षेत्रीय असमानताएँ हैं। जबकि राजस्थान और गुजरात जैसे राज्य इस मामले में अग्रणी हैं, कई पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र पीछे हैं, जिसके परिणामस्वरूप नवीकरणीय संसाधनों का असमान वितरण होता है। वित्तीय बाधाए भी गंभीर चुनौतियां पेश करती हैं। यद्यपि सरकारी सब्सिडी लागत को कम करने में मदद करती है, लेकिन बड़े पैमाने पर स्थापनाओं के लिए आवश्यक उच्च प्रारंभिक पूंजी, उच्च ब्याज दरों और विलंबित भुगतानों के साथ मिलकर निजी निवेश को हतोत्साहित करती है। निर्माता प्रतिस्पर्धी मूल्य वाले सौर कोशिकाओं की कमी से जूझते हैं, एक समस्या जो सख्त घरेलू सामग्री आवश्यकताओं से जुड़ी है जो उत्पादन क्षमताओं को प्रभावित करती है। ये वित्तीय बाधाएं न केवल वर्तमान परियोजना परिनियोजन में बाधा डालती हैं बल्कि इस क्षेत्र में भविष्य के विस्तार को भी खतरे में डालती हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा आयातित घटकों पर भारत की भारी निर्भरता है। लगभग 11 गीगावॉट की घरेलू मॉड्यूल उत्पादन क्षमता होने के बावजूद, भारत अभी भी पॉलीसिलिकॉन, वेफर्स और सौर कोशिकाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। यह निर्भरता देश को आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के प्रति संवेदनशील बनाती है, विशेष रूप से भू-राजनीतिक तनावों और व्यापार असंतुलन के बीच, क्योंकि चीन वैश्विक सौर विनिर्माण पर हावी है सौर परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण को अक्सर स्थानीय समुदायों और किसानों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण विरोध, कानूनी विवाद और कुछ मामलों में हिंसक टकराव होते हैं। राजस्थान में, भूमि अधिकारों पर विवादों के कारण परियोजना रद्द हो गई है, जिससे पारदर्शी और समावेशी प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है जो स्थानीय हितों का सम्मान करती हैं और उचित मुआवज़ा सुनिश्चित करती हैं। इन स्थानीय चिंताओं को संबोधित करना सामुदायिक समर्थन को बढ़ावा देने और परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए, भारत को एक बहुआयामी रणनीति अपनानी चाहिए। दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करने के लिए नीतिगत ढांचे को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, साथ ही अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ाना और प्रभावी निगरानी के लिए ऊर्जा डेटा तक विश्वसनीय पहुँच सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी निवेश को आकर्षित करने के लिए जोखिम शमन उपकरण प्रदान करके कम सेवा वाले क्षेत्रों में सौर अपनाने का विस्तार कर सकती है। सौर पैनलों और प्रमुख घटकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने से आयात निर्भरता कम होगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त, सौर स्थापना, रखरखाव और विनिर्माण के लिए कुशल श्रमिक पूल बनाने के लिए कार्यबल विकास में निवेश करना उद्योग के विकास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

मजबूत नीति समर्थन, वित्तीय नवाचार, घरेलू विनिर्माण और सामुदायिक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करके, भारत अपने सौर संसाधनों की पूरी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से अनलॉक कर सकता है। निरंतर सरकारी समर्थन और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच रणनीतिक सहयोग के साथ, राष्ट्र वैश्विक सौर क्रांति का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

आप की बात

नारी का अस्तित्व व पहचान

बाबर की वंशावली पढ़ कर महसूस हुआ कि मुझे अपनी वंशावली भी मालूम होना चाहिए। गंगागौर (पंडा) से अपनी 400 वर्षों की 14 पीढ़ियों की वंशावली प्राप्त कर उसकी विभिन्न शाखाओं को याद किया।अपनी मां, दादी के बारे में पूछने पर 1-2 पीढ़ियों की जानकारी देकर उन्होंने बताया कि पुरानी जानकारी उनके खानदान के गंगागौर के पास होगी। बुआ जी आदि के बारे में भी यही जवाब मिला।कितनी बड़ी विडंबना है। नारी का हिसाब पैदा करने वाला खानदान भी नहीं रखता। ससुराल वाले भी नहीं रखते।तो नारी का खानदान कौन सा है? कोई नहीं?खानदान को आगे बढ़ाने की कष्टप्रद जिम्मेदारी केवल स्त्री निभाती है। गर्भावस्था के कष्ट और डिलीवरी के समय जान का खतरा उठाना पति के खानदान को आगे बढ़ाने के लिए। प्रजनन प्रक्रिया में पति का रोल आम तौर पर सेक्स का आनंद उठाने जितना ही होता है। लेकिन हम बहन, बेटियों के परिवार का हिसाब नहीं रखते। वो तो परायी हो जाती हैं। हम पराये परिवार से आयी अपनी मां और पत्नी का हिसाब भी नहीं रखते।फिर सभ्यता, संस्कृति की बाते करने वाले इस देश में नारी को अपना कौन समझेगा? नारी का अस्तित्व और पहचान स्थापित करने के लिए सरकार को शुरुआती तौर पर सभी सरकारी रिकॉर्ड और पहचान पत्रों में मां का नाम लिखना अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

– **ललित दुबे**, रतलाम

पशु-पक्षियों की भी सोचें

वर्तमान दौर में मौसम ने करवट बदल ली और गर्मी की दस्तक हों गई। गर्मी का मोसम हाय गर्मी उफ गर्मी में इंसान से पशु पक्षियों तक गर्म हवाओं और लू और तपन से बुरा हाल होता हे। गर्मियों की शुरुवात में और इस गर्मी के दौर में हमे मूक प्राणियों के जीवन सरक्षण के बारे में भी सोचना होगा। हम सभी को इन दिनों में पक्षियों के लिए घर घर सकोरे बांधकर पानी का इंतजाम पुख्ता रखना होगा। ताकि पक्षियों का आसानी से पानी प्राप्त हों जाएं। अक्सर पशु पक्षियों को पानी के आभाव में खान पान के आभाव में जीवन और मौत से रूबरू होते देखा है। हमारा कर्तव्य निष्ठा होनी चाहिए की मूक प्राणियों की खान पान की दुरस्त व्यवस्था होनी चाहिए। चोपालो पर वोटलो पर पानी की छोटी टंकिया, पशुओं के लिए पानी पीने की कारगर व्यवस्था ज़रुरी है। गर्मी के मौसम में मूक प्राणियों की उचित देखभाल और खान पान की समुचित व्यवस्था पुण्य और नेक कार्य है। हालाकि नगरीय प्रशासन द्वारा और समाज सेवी संस्थाएं इन कारगर नेक कार्यों के लिए कारगर रणनीति तैयार करती है और मूर्त रूप भी देती है। परंतु गर्मी के भीषण दौर में मूक प्राणियों पशु पक्षियों की जल पानी दाना पानी की सेवा हमारी संस्कृति सभ्यता की पहचान कायम करती है। क्यों न हम सभी संकल्प लें की मूक प्राणियों की उचित देखभाल और सकोरे रखकर दाना पानी की सेवा की अविरल गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ लेते रहें।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

ट्रंप-जेलेंस्की की तीखी बहस

व्हाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस में डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलीदिमिर जेलेंस्की के साथ जो तीखी बहस हुई वह पूरी दुनिया ने देखी है । ट्रंप की फटकार व दबाव की परवाह किए बिना, जेलेंस्की ने जिस तरह से आंखों में आंखें डालकर बातें की वह तारीफ़ - ए - काबिल है । जेलेंस्की, अमेरिका के चौधरी ट्रंप के सामने झुके नहीं है । बातचीत व नोंक-झोंक के दौरान जेलेंस्की के निडर व साहसिक बॉडी लेंग्वेज ने सबको न केवल चौंकाया है, अपितु कायल कर दिया है। पूरा विश्व चाहता है कि रुस व यूक्रेन के बीच पिछले 3 वर्षों से चल रहा युद्ध बंद हो । लेकिन जेलेंस्की ने यूक्रेन के हितों व सम्मान को मद्देनजर रखते हुए सही कहा है कि हम दबाव में आने की बजाय हमारी सुरक्षा की गारंटी ज्यादा महत्वपूर्ण है । ट्रंप के समझौते प्रस्ताव पर जेलेंस्की का यह लाजवाब जवाब %सम्मान बेचने से बेहतर है, मिट्टी में मिल जाना% सबसे ज्यादा कायल करने वाला है । उनके तीखे तेवर अति आत्मविश्वासी थे । इसके विपरीत चंद दिनों पहले हमारे देश के प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे । लेकिन वे ट्रंप के सामने कई मुद्दों पर आंखों में आंखें मिलाकर बात नहीं कर पाए। वे ट्रंप की खरी-खोटी, खिसियानी बिल्ली, की तरह अगले बगले झांकते हुए सुनते रहे। पूरी दुनिया ने देखा कि अड़ानी पर पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर भाव-भंगिमा ही बदल गई थी।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, खाचरोद

मिलावट पर हो कार्रवाई

उत्तर प्रदेश सरकार ने होली से पहले ही मिलावटियों और नकली दवाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चेतावनी दी है कि किसी भी खाद्य या दवाई में मिलावट (नकली) पायी गई तो विक्रेताओं व निर्माताओं को आर्थिक दंड के साथ ही सजा भी दी जाएगी. अच्छी बात है. मिलावटी पदार्थ व नकली दवाइयों के चलते बीमारियां बढ़ रही है. उसे दूर करना ही चाहिए. ठीक यूपी की तर्ज पर पूरे देश में मिलावटियों और नकली दवाई बनाने व विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो सके. इसके साथ ही एमआरपी पर भी नियंत्रण होना चाहिए. क्योंकि बहुत सी वस्तुओं के पैकेट पर ड्योढ़ा या इससे भी अधिक मूल्य तक अंकित रहता। कुछ व्यापारी तो कुछ प्रतिशत कम पर वस्तुएं बेचते हैं और कुछ तो अधिक मूल्य अंकित पर ही वस्तुएं बेच रहे हैं. इससे रोजाना ग्राहक लुट रहे हैं. अत: वाजिब मूल्य ही पैकेट पर अंकित हों इस पर सरकार ध्यान दे ताकि अधिक मूल्य देने से आम उपभोक्ताओं को रहत मिल सके।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

ग्रामीण बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना जरूरीः योगी

ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करेगी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश की 22,700 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद प्रदेश की हर ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को आधुनिक शिक्षा संसाधन और डिजिटल युग के अनुरूप शैक्षिक प्रगति को सुनिश्चित करना है।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समय के साथ शिक्षा क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्रामीण छात्रों तक ई-बुक्स, डिजिटल कंटेंट और अन्य शैक्षिक संसाधनों की पहुंच आसान बनानी होगी। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी अपनी अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएं, जहां बच्चों को किताबें, प्रश्नोत्तरी, वीडियो, ऑडियो लेक्चर तथा अन्य डिजिटल संसाधनों उपलब्ध कराए जाए। इससे बच्चों में सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। सीएम ने लाइब्रेरी के संचालन और प्रबंधन की ज़िम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपने के निर्देश दिये। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप हर ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी की देखरेख ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा की जाएगी। वहीं पंचायत स्तर पर सहायक अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो लाइब्रेरी के रखरखाव, उपयोग और सुचारू संचालन की निगरानी करेंगे।

योगी सरकार 4 लाख रुपये प्रति डिजिटल लाइब्रेरी पर खर्च करेगी। इसके तहत 2 लाख रुपये डिजिटल उपकरणों (कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि) की खरीद और 2 लाख रुपये डिजिटल तथा हार्डकॉपी किताबों की खरीद पर खर्च किये जा सकेंगे। लाइब्रेरी में बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ विविध विषयों पर ई-बुक्स और अन्य डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी। बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान के लिए अत्याधुनिक उपकरण ऑडियो-विजुअल टूल्स भी मुहैया कराए जाएंगे। उन्हे ऑनलाइन पढ़ाई और रिसर्च कार्यों के लिए इंटरनेट की सुविधा भी दी जाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी में एक सुव्यवस्थित मैनेजमेंट सिस्टम होगा, जिससे छात्र अपनी पसंदीदा किताबों और अध्ययन सामग्री को आसानी से एक्सेस कर सकें।योगी सरकार का मानना है कि डिजिटल लाइब्रेरी से ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और छात्रों की डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी।

यह योजना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिसमें शिक्षा के डिजिटलीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

ग्राम चौपालों में 4 लाख से अधिक प्रकरणों का किया गया निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या-गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है, और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं ? के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण में नये मानकों के अनुरूप नये पात्र लाभार्थियों के चयन में ग्राम चौपालो की अहम् भूमिका रहेगी, इन चौपालों में सम्बन्धित ग्राम सभाओं के पात्रों के चयन/सर्वे में पारदर्शिता का विधिवत आंकलन भी हो सकेगा। ज्ञातव्य है कि नये पात्र लोगों का चयन 31 मार्च 2025 तक हर हाल में किये जाने की समय-सीमा निर्धारित की गयी है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1414 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3588 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3294ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6076 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 74 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग,श्री जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 28 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 86 लाख 54 हजार से अधिक ग्रामवासी मौजूद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक में होंगे सेंटर ऑफ एक्सिलेंस और स्मार्ट क्लास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने बीते साढ़े आठ सालों में कई ठोस कदम उठाए हैं। अब टेक्निकल एजुकेशन को और मजबूत करने के लिए सरकार नए और महत्वाकांक्षी कदम उठाने जा रही है। इसमें राजकीय पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, स्मार्ट क्लासरूम, लैबोरेटरीज के अपग्रेडेशन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए विशेष केंद्रों की स्थापना तक शामिल है। इसके अलावा, विज्ञान पार्क, साइंस सिटी और नक्षत्रशालाओं की स्थापना के जरिए युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की योजना है। प्रदेश में डिप्लोमा स्तर की 184 संस्थाएं संचालित हैं, जहां युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही 36 नए राजकीय पॉलिटेक्निक निर्माणाधीन हैं। सरकार ने अब तक 251 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं और नवीन तकनीक से लैस सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च करने की तैयारी कर रही है। स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण के लिए 10 करोड़ रुपये, जबकि एआई शिक्षा के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के लिए 1 करोड़ रुपये योगी सरकार खर्च करेगी। व्यवसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 1,90,064 सीटों पर युवाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें से 47 संस्थानों में महिलाओं के लिए विशेष शाखाएं और 12 स्वतंत्र महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि तकनीकी कौशल ही आने वाले समय में देश और प्रदेश के विकास की रीढ़ बनेगा। प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है, जिसमें आगरा में 25 करोड़ रुपये से साइंस सिटी और वाराणसी में 5 करोड़ रुपये से साइंस सिटी व नक्षत्रशाला की स्थापना शामिल है। योगी सरकार का लक्ष्य युवाओं को न केवल देश की इंडस्ट्रीज के लिए तैयार करना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर मांग वाले कौशल से भी जोड़ना है।

यूपी रोडवेज ने 3.25 करोड़ श्रद्धालुओं को पहुंचाया गंतव्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर आयोजित हुए आस्था के जन समागम महाकुम्भ में यूपीएसआरटीसी श्रद्धालुओं के लिए सारथी साबित हुई। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ-2025 के प्रथम स्नान पर्व मकर संक्रांति से अंतिम स्नान पर्व महा शिवरात्रि तक निगम बसों और शटल बस सेवा ने आगंतुकों को महाकुम्भ लाने और वापस उनके गंतव्य तक पहुंचाने में बढ़ चढ़कर योगदान दिया।

परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रयागराज महाकुम्भ में 66.33 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी मे पुण्य की डुबकी लगा कर इतिहास बना दिया। यूपीएस आरटीसी ने इन श्रद्धालुओं को सकुशल सुव्यवस्थित उनके गंतव्य तक पहुंचाने में पूरी तन्मयता से लगा रहा। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ में यूपीएसआरटीसी ने 3.25 करोड़ लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। इसके लिए प्रदेश के सभी रूटों के लिए बसों का पूरा इंतजाम किया गया था। महाकुम्भ के दौरान 8750 बसों का संचालन यूपीएसआरटीसी ने कर एक रिकॉर्ड बनाया। वैसे महा कुम्भ के विभिन्न स्नान पर्वों में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या तय की गई थी जिसमे मौनी अमावस्या में सबसे अधिक 8750 बसों का संचालन किया गया। परिवहन मंत्री ने बताया कि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के महा कुम्भ क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए निगम बस सेवा के अलावा शटल बस सेवा की अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि शहर के चारो तरफ बनाए गए अस्थाई बस स्टेशन में जहां निगम बसों का बेड़ा तत्पर रहा है तो वहीं इन अस्थाई बस स्टेशन से महाकुम्भ के नजदीक के स्थानों तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए 750 शटल बसें निरंतर सेवा में लगी रहीं हैं।

महाकुम्भ में बिछड़े 54,000 से अधिक लोग परिजनों से मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ महाकुंभनगर

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान 45 दिनों तक उमड़े श्रद्धालुओं के जनसैलाब के बीच अपनों से बिछड़े कुल 54,375 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, महाकुंभ मेले के दौरान देश के कोने-कोने से और विदेश से आए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इस दौरान, अपने परिवार से बिछड़े 54,375 लोगों का पुनर्मिलन कराया गया। बिछड़ने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक थी। बयान के अनुसार, इस बार महाकुंभ में भूले-भटके लोगों को शीघ्रता से उनके परिवार से मिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की थी। महाकुंभ में इन केंद्रों के माध्यम से 35,000 से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया। बयान में कहा गया है कि अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति के दौरान लापता 598 श्रद्धालुओं, मौनी

अमावस्या के दौरान लापता 8,725 श्रद्धालुओं और बसंत पंचमी के दौरान लापता 864 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से उनके परिजनों से मिलवाया गया।

इसमें बताया गया है कि अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में खोए हुए 24,896 लोगों का भी उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया और इस तरह डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से परिजनों से मिलवाए गए भूले-भटके लोगों की संख्या 35,083 रही। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पूरे महाकुंभनगर में 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए थे, जिनमें अत्याधुनिक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। वहीं, दूसरी ओर भूले-भटके लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में गैर-सरकारी सामाजिक संस्थाओं भारत सेवा दल और हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति की भी अहम भूमिका रही। भारत सेवा दल के भूले-भटके शिविर के संचालक उमेश चंद्र तिवारी के अनुसार, महाकुंभ के समापन तक शिविर ने 19,274 बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया। बयान में कहा गया है, महाकुंभ मेले में बिछड़े सभी 18 बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया गया। शिविर के माध्यम से न सिर्फ खोए हुए लोगों को खोजा गया, बल्कि उनके घरों तक पहुंचाने में भी मदद की गई। बिहार के मुजफ्फरपुर के कपलेश्वर साहनी की सास कृष्णा देवी को केंद्र ने आखिरी दिन परिजनों से मिलाया। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के रायपुर के बृजलाल चौहान की पत्नी जंगी देवी भी अपने घर पहुंच गईं।

पंचायत चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करेंः अनुप्रिया पटेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) की प्रमुख और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने 2025 के अंत में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर चुनावी रणनीतियों पर आगे बढ़ने से पहले पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया।

पटेल ने रविवार को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में पार्टी संगठन की मासिक समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने पार्टी के विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। पटेल ने दोहराया कि पार्टी की सफलता की नींव एक मजबूत संगठन के निर्माण में निहित है। उन्होंने कहा, चाहे 2025 का चुनाव हो, 2027 का या 2029 का, हमारी पहली प्राथमिकता पार्टी संगठन को मजबूत करने की होनी चाहिए। तभी हम कुछ सार्थक करने की स्थिति में होंगे। आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर पटेल ने घोषणा की कि पार्टी उन कार्यकर्ताओं को टिकट देने को प्राथमिकता देगी, जिन्होंने लगातार पार्टी के विकास में सहयोग किया है। उन्होंने कहा, हम पंचायत चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं को टिकट देंगे, लेकिन उससे पहले हमें संगठन को मजबूत करना होगा। पटेल ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोई भी कार्यकर्ता जो अन्य व्यस्तताओं के मुकाबले संगठन की बैठकों को प्राथमिकता देता है, वह वास्तव में पार्टी के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में योगदान देता है। बैठक के दौरान उन्होंने आने वाले दिनों में नए प्रभारियों की जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए उनका परिचय भी कराया। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं को भरपूर अवसर मिलेगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों में सफलता केवल उम्मीदवारों के होने से नहीं मिलेगीअ पार्टी के संगठन की मजबूती महत्वपूर्ण होगी।

गोवंश को प्राकृतिक खेती का आधार बनाने की योगी सरकार की मंशा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार की मंशा गोवंश को प्राकृतिक खेती का आधार बनाने की है। यही वजह है कि सरकार छुट्टा गोवंश के संरक्षण का हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही पशुपालक गोवंश का पालन करें इसके लिए उनको लगातार प्रोत्साहन दे रही है। हाल ही प्रस्तुत बजट में सरकार ने छुट्टा गोवंश के संरक्षण के लिए 2000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। इसी क्रम में सरकार ने अमृत धारा योजना भी लागू की है। इसके तहत दो से 10 गाय पालने पर सरकार 10 बैंकों के जरिए 10 लाख रुपए तक आसान शर्तों पर ऋण मुहैया कराएगी। योजना के तहत तीन लाख रुपए तक अनुदान के लिए किसी गारंटर की भी जरूरत नहीं होगी।

दरअसल जन, जमीन और जल की सेहत योगी सरकार के लिए प्राथमिकता है। इसका प्रभावी हल है प्राकृतिक खेती। ऐसी खेती जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों से मुक्त हो। गोवंश इस खेती का आधार बन सकते हैं। उनके गोबर और मूत्र को प्रसंस्कृत कर खाद और कीटनाशक के रूप में प्रयोग से ही ऐसा संभव है। इससे पशुपालकों को दोहरा लाभ होगा। खुद और परिवार की सेहत के लिए दूध तो मिलेगा ही जमीन की सेहत के लिए खाद और कीटनाशक भी मिलेगा। इनके उत्पादन से गौआश्रय भी क्रमशः स्वावलंबी हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश, देश में प्राकृतिक खेती का हब बने। इसके लिए मुख्यमंत्री हर मुमकिन मंच से इसकी पुरजोर पैरवी करते हैं। वह किसानों को भारतीय कृषि की इस परंपरागत कृषि पद्धति को तकनीक से जोड़कर और समृद्ध करने की बात भी करते हैं। इसके लिए उनकी सरकार किसानों को कई तरह की सुविधाएं भी दे रही है। गंगा के तटवर्ती गांवों और बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती पर सरकार का खासा जोर है। अब तो इसमें स्थानीय नदियों को भी शामिल कर लिया गया है। वैश्विक महामारी कोरोना के बाद पूरी दुनिया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुई है। हर जगह स्थानीय और ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से इनके दाम भी अच्छे मिलेंगे। फूड बिहेवियर में आया यह परिवर्तन वैश्विक है। लिहाजा इनकी मांग अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ेगी। केंद्र सरकार का फोकस भी कृषि उत्पादों के निर्यात पर है। ऐसे में यह उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए एक मौका भी हो सकता है। मालूम हो कि प्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। सात वर्षों में यह बढ़कर दोगुना हो गया है।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 2017-2018 में उत्तर प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था। 2023-2024 में यह बढ़कर 170 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से अन्नदाता किसान खुशहाल होंगे। खास बात यह है कि प्राकृतिक खेती से जो भी सुधार होगा वह टिकाऊ (सस्टेनेबल), ठोस और स्थायी होगा। मुख्यमंत्री का गोवंश के प्रति प्रेम जगजाहिर है। वह अपने पहले कार्यकाल से ही गोवंश के संरक्षण पर जोर दे रहे हैं। इस बाबत निराश्रित गोवंश के लिए गोआश्रय खोले गए।

प्रति पशु के अनुसार भरण पोषण के लिए पैसा भी दिया जाता है। बजट के पहले अनुपूरक बजट में भी इस बाबत 1001 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। मुख्यमंत्री की मंशा इन गोआश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने की है। ऐसा तभी संभव है जब इनके गोबर और मूत्र को आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया जाय। इसके लिए समय-समय पर सरकार स्किल डेवलपमेंट का भी कार्यक्रम चलाती है। साथ ही मनरेगा के तहत भी पशुपालकों को सस्ते में कैटल शेड, पशु बाड़ा और गोबर गैस लगाने की सहूलियत दी जा रही। मिनी नंदिनी योजना भी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को ही ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें भी योगी सरकार कई तरह के अनुदान दे रही है।

भाजपा सरकार नौकरियां व आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रहीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण करके नौकरियां और आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रही है। पहले केन्द्र की भाजपा सरकार ने कई सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में सौपा। अब उसी रास्ते पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार भी निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। भाजपा सरकारें पूंजीपतियों के लिए काम करती है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत निगम को निजी हाथों में देने पर अमादा है। सरकार निजीकरण की आड़ में अरबों की सम्पत्तियाँ पूंजीपतियों को देना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण विरोधी है। भाजपा पीडीए को नौकरियों और आरक्षण से दूर करने के लिए हर दिन नए-नए षड्यंत्र कर रही है। भाजपा की नीति पीडीए विरोधी है। वह पीडीए से नफरत करती है। निजीकरण से सरकारी नौकरियां खत्म हो जाती है। निजी क्षेत्र मनमानी करके महंगाई बढ़ाते है जिसका असर आम जनता पर पड़ता है। इसके साथ ही सरकारी संस्थाओं के निजी क्षेत्र में चले जाने से पीडीए को बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए गए आरक्षण का अवसर नहीं मिलता है। भाजपा सरकार लूट, झूठ और बेईमानी की नीति पर काम कर रही है। आज भाजपा सरकार की इस

नीति के खिलाफ कर्मचारी और आम जनता सभी है। लेकिन अपने चंदे, मुनाफा और लाभ के लिए भाजपा सब कुछ अपने करीबी पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने को तैयार है। देश और प्रदेश की जनता भाजपा के षड्यंत्र को जान चुकी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा की जन विरोधी सरकार को हटाने के लिए संकल्पित है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा सब चौपट कर दिया है। निर्माण और उत्पादन पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। भाजपा सरकार बुनियादी ढांचे की उपेक्षा कर रही है। हर योजना में भ्रष्टाचार है। समाजवादी सरकार ने लखनऊ में कैंसर संस्थान का निर्माण कराया लेकिन भाजपा सरकार ने उस कैंसर रिसर्च इन्स्टीट्यूट को बर्बाद कर दिया। सरकार उसे बजट नहीं दे रही है। प्रदेश के अन्य मेडिकल संस्थाओं का बुरा हाल है। बिजली की व्यवस्था खराब है। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में एक भी बिजली का नया प्लान्ट नहीं लगाया।

मेधावियों का सम्मान समारोह आयोजित

लखनऊ। आरोग्य रिसर्च फाउंडेशन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फिजिशियंस लखनऊ एस सी आर के संयुक्त तत्वावधान में डॉ ओ पी श्रीवास्तव होम्योपैथिक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं होम्योपैथी के क्षेत्र में मेधावियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें देश भर के होम्योपैथिक महाविद्यालयों के शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों एवं प्रदेश के प्रांतीय होम्योपैथिक चिकित्सा के सर्वाधिक रोगियो की सेवा करने वाले 3 होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा, अध्यक्ष के रूप में आई आई एच पी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंहएवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद वर्मा, निदेशक होम्योपैथी, उप्र एवं हरीश श्रीवास्तव, प्रवक्ता भाजपा उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों एवं चिकित्साधिकारियों को सम्मानित किया।

विपक्ष जाति और धर्म की राजनीति कर समाज में भेद पैदा कर रहा हैः धर्मपाल

भाजपा उत्तर प्रदेश के शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक रविवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्रीचन्द्र शर्मा सदस्य विधान परिषद ने की। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि शिक्षक प्रकोष्ठ शिक्षकों की समस्याओं को हल कराने और सरकार द्वारा शिक्षको, शिक्षाक्षेत्र व शिक्षार्थियों के हित में किये गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि संगठन की संरचना को कॉलेज प्रमुख तक चुस्त-दुरूस्त बना कर आगामी बैठको व सम्मेलनों की तैयारी करे साथ ही उन्होंने

ग्रीष्मावकाश में जिला स्तर पर योजनापूर्वक शिक्षक सम्मेलन आयोजित करने के लिए भी कहा। प्रदेश महामंत्री संगठन ने कहा कि पार्टी संगठन की संरचना में शिक्षक प्रकोष्ठ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह गौरव का विषय है कि समाज को दिशा देने वाला शिक्षक वर्ग बड़ी संख्या में भाजपा के साथ जुड़ रहा है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में विपक्ष जाति और धर्म की राजनीति कर समाज में भेद पैदा करने की लगातार कोशिशें कर रहा है। ऐसे में शिक्षक प्रकोष्ठ की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है क्योकि समाज और राष्ट्र को एक जुट रखने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बैठक में शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्रीचन्द्र शर्मा सदस्य विधान परिषद ने आगामी कार्यक्रमों व शिक्षक प्रकोष्ठ द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि शिक्षक प्रकोष्ठ शिक्षामित्रों, अनुदेशकों तदर्थ शिक्षकों विषय-विशेषज्ञों व वित्तविहीन शिक्षको के विषय पर माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे आग्रह पर केन्द्र की मोदी सरकार ने सीबीएससी स्कूल की मान्यता हेतु एनओसी के नियमों को सरल किया है और उन्हें अपनी शाखा खोलने के लिए अनुमति भी दी है। प्रदेश सरकार से भी मांग की है कि जो यूपी बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालय यदि सीबीएससी से जुड़ना चाहते है तो उन्हें अनापत्ति दिया जाना सरल करें। साथ ही उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के लिए अन्तरजनपदीय स्थानान्तरण की सुविधा दी और शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, रसोईये आदि संविदा कर्मियों को आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित करते हुए 5 लाख रूपये सालाना का इलाज मुफ्त कराने की सुविधा प्रदान की। इनके मानदेय की वृद्धि पर भी विचार चल रहा है। बैठक में श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्रदेश प्रभारी प्रकोष्ठ एवं विभाग ने भी अपना मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रदेश के सह संयोजक उमेश द्विवेदी एमएलसी, अनिल श्रीवास्तव, यादवेन्द्र सिंह, हरिशंकर गंगवार, बाबू लाल तिवारीएमएलसी, मनोज शर्मा, रमेश सिंह, दिलीप द्विवेदी, श्री कमलेश झा आदि प्रदेश व क्षेत्र के संयोजक व सहसयोजको ने भाग लिया।

भगवा त्रिशूल यात्रा आज पहुंचेगी लखनऊ

लखनऊ। धार्मिक स्थल को संरक्षित करने और युवाओं को सनातन संस्कृति के अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से, अंतरराष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद (आईएमपीसी) द्वारा राज्य में निकाली गई भगवा त्रिशूल यात्रा सोमवार (3 मार्च) को लखनऊ पहुंचेगी। रविवार को लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश सरकार की बड़ी सफलता है। अंतर्राष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद इस सफलता का जश्न मशहूर भजन गायक कन्हैया मित्तल के साथ मनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विदेशों के 12 मंदिरों सहित 120 मंदिरों को एक सूत्र में बांधने का अभियान शुरू किया गया है।

धड़ल्ले से हो रही हरे पेड़ों की कटान वन विभाग और पुलिस मौन

संवाददाता। असोथर, फतेहपुर

पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए जहां एक ओर सरकार वृक्ष लगाने पर जोर दे रही है। वहीं लकड़ी माफिया सरकार के मंसूबों पर पानी फेरकर हरे वृक्षों को काटकर आरा मशीनों पर पहुंच रहे है। जिससे क्षेत्रीय जनता में लकड़ी माफिआओं के प्रति रोष है। जानकारी के अनुसार असोथर थाना क्षेत्र में वन विभाग और पुलिस की मिलीभगत से हरे पेड़ों का कटान जारी है। आम और नीम के पेड़ की लकड़ी माफिआओं द्वारा काटे जा रहे हैं। सातों धरमपुर सहित थाना क्षेत्र में तो अधाधुंध हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि दबंग लकड़ी माफिआओं का दावा

है कि वन विभाग और पुलिस को हिस्सा पहुंच गया है। यह मामला असोथर थाना क्षेत्र के सातों धरमपुर के जूनियर स्कूल के पीछे बाग और पंचायत भवन के निकट सामने आया है। इसी क्रम में एक सप्ताह पहले सराय खालिस स्थित पेट्रोल पंप के पीछे भी हरे महुआ के पेड़ों की कटाई की जा चुकी है। इस प्रकरण पर वन विभाग और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं और पेड़ों की कटाई रोकने और लकड़ी माफिआओं पर मुकदमा दर्ज करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

वहीं थाना क्षेत्र अंतर्गत सातों धरमपुर गांव के जूनियर स्कूल और पंचायत भवन के निकट से लगे एक बाग में रविवार को वन विभाग तथा थाना पुलिस की मिलीभगत से ठेकेदार के द्वारा हरे पेड़ो इलेक्ट्रानिक आरा चलवा दिया गया। जबकि भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार लगातार वृक्ष लगाकर हरियाली करने के लिए वचनबद्ध है तथा हर वर्ष ग्राम पंचायत, नगर पंचायत के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपए के पौधे खरीदकर लगवाए जाते हैं। जिससे की पर्यावरण हरा - भरा बना रहे, लेकिन वहीं लकड़ी माफिया अवैध कटान करके आरा मशीनों पर खुलेआम लकड़ी का व्यापार करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि कैसे भला पर्यावरण को हरा - भरा बना पाएगी सरकार.. ? जब उनके ही नुमाइंदे आंख बंद करके पर्यावरण को उजाड़ने में संरक्षण दे रहे हैं। हालांकि स्थानीय पुलिस से बात करने की कोशिश की गई लेकिन बातचीत नहीं हो सकी।

वहीं जब इस मामले पर वन दरोगा ब्रजेश कुमार यादव से फोनिक वार्ता की गई तो कहा कि पेड़ो के काटने का कोई आदेश विभाग द्वारा नहीं जारी किया गया है। अगर ऐसा है तो लकड़ी काटने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दीवार गिरनें से बालक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

● निर्माणाधीन आरआरसी सेंटर की दीवार गिरने से हुआ हादसा

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

क्षेत्र के ग्राम रौरा में निर्माणाधीन आरआरसी सेंटर की मानकविहीन दीवार गिरने से पडोस में खेल रहा बालक चपेट में आ गया जिससे उसकी दीवार में दबकर मौत हो गई। घटना की खबर पर बालक के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ने शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी हाउस भेजा गया।

रविवार की दोपहर कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी राम आश्रम क्षेत्र के ग्राम रौरा में निर्माणाधीन आरआरसी सेंटर की मानकविहीन दीवार अचानक भरभरा कर गिर पडी जिससे पडोस में खेल रहा 13 वर्षीय अभिनय पुत्र धीरज कुमार की दीवार में दब गया। ग्रामीणों द्वारा आनन फानन में मलवा हटाकर बालक को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक बालक की मौत हो चुकी थी। सूचना पर दल बल के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के निर्देश पर पुलिस कर्मियों ने मृतक बालक का पंचनामा भरवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी हाउस भेजा गया।

कलेवा के समय दूल्हे को आया चक्कर दुल्हन ने विदाई से किया इंकार

असोथर (फतेहपुर)। द्वारचार, भांवर समेत शादी की सभी रस्में होने के बाद भोर पहर कलेवा में पेड़ खिलाये जाने के बाद दूल्हे के चकराकर गिरने से दुल्हन ने विदा होने से इंकार कर दिया। मामला बिगड़ने पर गाँव में हुई पंचायत के बाद दोनों पक्षो ने आपसी सहमति से वर पक्ष ने लड़की पक्ष को शादी में खर्च हुए 95 हज़ार पांच सौ रुपये देने व दुल्हन को चढ़ाए गये सभी वस्तुएं एवं नेग में दिये पैसे वापसी करने का समझौता कर बारात वापस लौटा दी गयी। हसवा ब्लाक के जलमामऊ ग्राम निवासी दयाराम रैदास की पुत्री पूजा की शादी मलवा विकास खंड के ग्राम भवानीदीन का पुरवा पोस्ट बेरई निवासी रामारूप के पुत्र विकास से तय थी। तय समय बारात भी आ गयी। नाचते-गाते बारातियों का स्वागत होने के पश्चात शादी की सारी रस्मे शुरू हुई जिसमें द्वारचार के बाद दूल्हा दुल्हन ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई, फेरे पड़ने के बाद दूल्हे ने दुल्हन की मांग में सिंदूर भरा और सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें भी खाई। सब कुछ हसी-खुशी चल रहा था तभी कलेवा खाने की रस्म के दौरान दुल्हन की भाभी के खिलाये पेड़े खाते ही दूल्हा विकास चक्कर खाकर गिर गया। दूल्हे के बेहोश होकर गिरते ही दोनों ही पक्षो केलोगों में हड़कंप मच गया। महिलाओं में खाना फूसी शुरू हो गयी। कोई कुछ समझ पाता तब तक दुल्हन पक्ष के लोगों ने शादी से इनकार कर दिया। शादी से इनकार किये जाने की जानकारी मिलते ही वर और वधु दोनों पक्षो में विवाद शुरू हो गया। मामला बिगड़ता देखकर दोनों ही पक्षो के लोगो ने ग्राम प्रधान समेत अन्य संभ्रात लोगों ने बीच बचाव कर समझौता करने का प्रयास शुरू कर दिया। लेकिन दुल्हन पक्ष कुछ सुनने को तैयार नही था। काफी देर मान मनव्वल के बाद दोनों पक्षो ने आपसी सहमति से एक दूसरे को दिये गये लेनदेन को वापस करने व शादी के दौरान दुल्हन पक्ष को खर्चे के 95,500 देने की सहमति बनाई व बिना दुल्हन के ही बारात वापस लौट गयी।

पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं कांग्रेसी: राय

● कांग्रेसियों ने प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

संवाददाता। फतेहपुर

साकेत नगर कानपुर में आयोजित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौ. सत्यवीर सिंह की श्रद्धांजलि सभा में शिरकत करने वाराणसी से कानपुर जा रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का जनपद के कांग्रेसियों ने सुल्ताननगर बाईपास पर फूल माला पहना कर स्वागत किया। थोड़ी देर रुककर प्रदेश अध्यक्ष ने सभी से कुशल क्षेम जाना और आने वाले दिनों में भरपूर मेहनत कर पार्टी की नीतियों को जनता के बीच पहुंचाने एवं राहुल व प्रियंका गांधी के हांथ को मजबूत करने का मंत्र फूंका। उन्होने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान लागू की गई योजनाओं को जनता के बीच पहुंचाए। इसके अलावा प्रदेश की योगी व केन्द्र की मोदी सरकार की विफलताओं का भी बखान किया जाए, जिससे कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया जा सके। उन्होने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक समुदाय बेहद परेशान है। प्रदेश में लूट, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। युवाओं को जहां रोजगार नहीं मिल रहा है वही किसान भी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने का समय नजदीक आ रहा है। इसलिए सभी कांग्रेसी एकजुट हो जाएं।

माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कानपुर देहात। विकास खंड रसूलाबाद के ग्राम खेम निवादा के प्राथमिक विद्यालय में माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माता आधारभूत साक्षरता के प्रथम सोपान के रूप में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अन्तर्गत समग्रता के साथ पूर्व बाल्यावस्था एवं देखभाल शिक्षा के समस्त आयाम समाहित हैं। जिसमे माताओं को बच्चों के देखभाल के साथ -साथ औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करने में उनकी भूमिका से अवगत कराते हुए प्रेरित किया गया। मां सरस्वती को माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। माताओं का स्वागत एवं आगन्तुक अतिथियों को हस्तनिर्मित पेपर बुके भेंट कर बच्चों ने किया। बाल वाटिका के बच्चों द्वारा हस्त निर्मित निष्प्रयोज्य दफ्ती से बने रंग बिरंगे फूल हाथ में लेकर - रंग बिरंगे प्यारे फूल, लगते कितने प्यारे फूल का प्रस्तुतीकरण अंकुश स्नेहा सनी कुमार व सुनैना द्वारा किया गया। प्राथमिक विद्यालय करंझाई के प्रधानाध्यापक द्वारा माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम पर जानकारी दी।

समाजसेवियों व प्रतिनिधियों ने दी रमज़ान की शुभकामनाएं

● माहे रमजान मानवता की सेवा करने का समय है-जमालुद्दीन सिद्दीकी

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

पूरे देश में रमजान का पाक महीना बड़े धूमधाम से शुरू हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने रोजेदारों को माहे रमजान की शुभकामनाएं दीं और इस महीने को पुण्य और तौबा का महीना बताया।

रविवार को नगर के मोहल्ला गांधीनगर स्थित आवास कार्यालय पर पूर्व विद्यायक जमालुददीन सिददीकी ने माहे रमजान के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील करते हुये कहा कि रमजान का महीना सिर्फ उपवास और इबादत का महीना नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और मानवता की सेवा करने का भी समय है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिददीकी ने कहा कि रमजान का महीना धार्मिक अनुशासन, समर्पण और समाज में भाईचारे का प्रतीक होता है। युवा समाजसेवी आसिफजमाल खॉन उर्फपप्पी ने कहा कि रमजान हमें खुद को सुधारने और अपने आस-पास के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर प्रदान करता है। पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि मुस्ताक अहमद भुटटो ने कहा कि माहे रमजान में हमें एक दूसरे के साथ प्यार और भाईचारे से पेश आना चाहिए। तालग्राम नगर पंचायत चेयरमैन मोहसिन रजा उर्फजानू ने कहा कि रमजान का महीना हमें त्याग और सहानुभूति का पाठ पढ़ाता है। एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष इशरत खॉन ने कहा कि माहे रमजान में हम अपनी सामूहिकता और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें और एक साथ मिलकर समाज में अमन और शांति की स्थापना करें। इसके अलावा भाकियू टिकैत प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिददीकी ने कहा कि माहे रमजान के दौरान जरूरतमंदों की मदद करने सहित खुदा की इबादत करना चाहिये। युवा समाजसेवी अमन हुसैन सिददीकी ने कहा कि माहे रमजान में अल्लाह तआला एक नेकी का सत्तर गुना सबाब देते हैं। डा. रिजवान अहमद ने कहा कि रमजान का महीना खुदा की रहमत और माफी प्राप्त करने का सबसे अहम मौका होता है। डा. गयासुददीन सिददीकी ने कहा कि माहे रमजान हम सभी को जरूरतमंदों की मदद करनें व नेक रास्ते पर चलने का संदेश देता है।

क्विक न्यूज

अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 03 घायल

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 पर बड़े पुल के समीप अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दिया। जिससे रिक्शे पर सवार तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर घायलों का इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के मिचकी गांव निवासी नन्हू का 54 वर्षीय पुत्र छोटे लाल उसका 36 वर्षीय भतीजा रामनरेश और राम नरेश की 33 वर्षीय पत्नी गीता देवी व असोथर थाना क्षेत्र के सेमरी गाँव निवासी छोटे लाल की 55 वर्षीय पत्नी फूल दुलारी ई-रिक्शे पर सवार होकर मलवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। जब इनका रिक्शा सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 2 पर बड़े पुल के समीप पहुंचा। तभी अज्ञात वाहन रिक्शे को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे रिक्शे पर सवार छोटेलाल, गीता देवी व फूल दुलारी तीनों घायल हो गए। घटना की सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दी गई। एंबुलेंस ने सभी घायलों का इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने गीता देवी को प्राथमिक उपचार के बाद घर जाने की सलाह देते हुए छोटे लाल और गंभीर घायल फूल दुलारी को भर्ती कर उनका इलाज कर रहे है।

84 ओसी परिक्रमा में आए मध्यप्रदेश के श्रद्धालु की मौत

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र में चल रही 84 कोसी परिक्रमा में आए मध्य प्रदेश के एक व्यक्ति की अचानक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के जनपद मुरैना निवासी के जूतावाली गली के निवासी रमाकांत गुप्ता पुत्र श्याम बिहारी गुप्ता 27 फ़रवरी को लगभग 100 लोगों के साथ इस परिक्रमा में शामिल होने के लिए आए थे। लोगों का कहना है कि जब वे परिक्रमा के दूसरे पड़ाव में ग्राम हरैया पहुंचे तो लगभग 4 बजे उन्हें चक्कर आ गया और वे गिर गए। उनको उठाकर उनके साथ आए लोग उन्हें सीएचसी कोथावां लाए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलने पर सीओ सत्येन्द्र सिंह तथा नायब तहसीलदार सीएचसी कोथावां पहुंचे तथा शव का पंचनामा भरकर उसे हरदोई भेजा, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उनके शव को मध्य प्रदेश भेज दिया गया।

पूर्व प्रधान पर हमला, एफआईआर दर्ज

संडीला (हरदोई)। एक पूर्व प्रधान पर 5 लोगों ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पूर्व प्रधान की तहरीर पर 5 लोगों के विरुद्ध एफ़आईआर दर्ज की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामसभा सांक के पूर्व प्रधान विजय कुमार त्रिपाठी घर से एक दुकान पर कुछ सामान लेने के लिए गए थे। वहां ग्राम निवासी राहुल नामक युवक से सिगरेट देने को लेकर विवाद हो गया। विजय कुमार का आरोप है कि जब वे वापस घर लौट रहे थे, ता राहुल अपने पिता जमुनाप्रसाद, भाईयों तथा एक अन्य महिला के साथ वहां आ गए और सभी ने एक साथ मिलकर लाठी डंडों से उनपर आक्रमण कर दिया, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। उनकी तहरीर पर 5 लोगों को नामजद करते हुए एफ़आईआर दर्ज की गयी है।

प्रोजेक्ट नई किरण 36 मामले आये

कानपुर देहात। स्थानीय पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरुआत पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई। नई किरण में 36 मामले आये, जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 04 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया। पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हो गये, शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष सुषमा व महिला निरीक्षक सीमा सिंह(प्रभारी महिला सहायता प्रकोष्ठ), म.कां. 190 प्रियंका गुप्ता, म.कां. 785 स्फूर्ति, म.कां. 1282 आरती व म.हे.कां. 111 ज्योति शिखा (महिला सहायता प्रकोष्ठ) तथा नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्यगण श्री रामप्रकाश, जिआउल हक व श्रीमती कंजन मिश्रा आदि मौजूद रहे तथा सबका विशेष सहयोग रहा।

महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के कस्बा में परिवारिक कलह के चलते महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का प्रयास किया। जिसकी जानकारी परिजनों को हुई तो तुरंत उसको इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी संतोष शुक्ला की 42 वर्षीय पत्नी अंशु शुक्ला ने परिवारिक कलह के चलते घर के अंदर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कुछ समय पश्चात जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों को जानकारी हुई तुरंत उसको इलाज के लिए गाजीपुर स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सरकारी 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं जिला अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं।

संदिग्ध हालत में युवक व किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के कुसुम्भी गांव में संदिग्ध अवस्था में युवक और किशोरी ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के कुसुम्भी गांव निवासी दशरथ के 20 वर्षीय पुत्र शुभाष और गाँव निवासी देशराज की 17 वर्षीय पुत्री प्रियंका ने संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने लगी तो परिजन एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। कुछ देर बाद प्रियंका की हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वही लोगो में तरह तरह की बाते हो रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के लोटहा गांव के समीप बाइक सवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे बाइक चालक रोड पर गिरकर घायल हो गया। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार असोथर थाना क्षेत्र के सूबेदार का पुरवा गांव निवासी छत्रपाल का 25 वर्षीय पुत्र मंजीत बाइक पर सवार होकर घर से शहर किसी काम के लिए आया था। बीती देर रात जब वापस घर लौट रहा था तभी राधानगर थाना क्षेत्र के लोटहा गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर उसकी बाइक को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे बाइक चालक मंजीत रोड पर गिरकर घायल हो गया।एंबुलेंस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

ज्वैलर्स शाप का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास

फतेहपुर। औंग थाना के सामने हाइवे किनारे अंबे ज्वैलर्स का ताला तोड़कर चोरों ने शटर खोल लिया। आहट सुनकर सर्राफकी नींद खुल गई। शोर मचाने पर चोर भाग निकले। चोर चार पहिया वाहन से भागे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची। चोरों की तलाश में आसपास दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार औंग कस्बे में मुकेश उर्फकल्लू सोनी की थाने के सामने अंबे ज्वैलर्स की दुकान है। जिसमे वह अपने छोटे बेटे निखिल सोनी के साथ बैठतें है। निखिल ने बताया कि रात दो बजे आहट पाकर जागे तो भाई प्रतीक सोनी के साथ ऊपर से देखा तो चार पहिया वाहन से चोर आये थे। शोर मचाने पर चोर भाग गए।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। फतेहपुर। अटेवा

● पुरानी पेंशन बहाली व निजीकरण समाप्ति की उठाई मांग

एनएमओपीएस के राष्ट्रीय आवाहन पर अटेवा पेंशन बचाओ मंच के जिलाध्यक्ष निधान सिंह के नेतृत्व में जिले के सांसद नरेश उत्तम पटेल को पुरानी पेंशन बहाली एवं निजीकरण की समाप्ति के लिए ज्ञापन दिया गया। साथ ही शिक्षक कर्मचारियों ने सांसद से आग्रह किया कि अप्रैल में चलने वाली लोकसभा के सत्र में हूबहू पुरानी पेंशन की बहाली और निजीकरण के रोक विषय पर संसद में मजबूत चर्चा हो। जिससे देश के करोड़ों शिक्षक कर्मचारी एवं नौजवान अपने आपको सुरक्षित महसूस करें। साथ ही सांसद के लेटर पैड पर प्रधानमंत्री के नाम पुरानी पेंशन बहाली और निजीकरण की समाप्ति के पक्ष में पत्र भी लिखने का आग्रह किया।

सांसद ने शिक्षक एवं कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि आगामी अप्रैल माह में लोकसभा के सत्र में मुद्दे को मजबूती से उठाया जाएगा। इस मौके पर लेखपाल संघ महामंत्री रावेन्द्र सिहं, पीडब्ल्यूडी अध्यक्ष मनोज सैनी, जल निगम अध्यक्ष महताब अली, राजेश सिंह, सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बाबूलाल पाल, हेल्थ वर्कर्स संघ अध्यक्ष हेमचन्द्र चौधरी, फार्मेसी संगठन के अध्यक्ष अरुणेश सिंह, धर्मेंद्र साहू, महेंद्र मौर्य, उदित सचान, देवेन्द्र पाण्डेय, अरविंद विश्वकर्मा, राजेन्द्र तिवारी, नागेश पाण्डेय, जेपी यादव, अजयपाल, अनिल कुमार, संदीप यादव, पुनीत उत्तम, अशोक सिंह, विनोद, सुमित शर्मा, रामसेवक पाल, पुष्पेंद्र सिंह, सुमेर कुमार, धीरेंद्र पाल, राजीव सिंह, डा. असमिया मजहर, राज कुमारी, प्रीति श्रीवास्तव, संध्या गुप्ता, जुबैदा, शालिनी मौर्य, गोल्डी, अंजू, सुषमा, अर्चना, रेखा आदि उपस्थित रहे।

हत्यारोपी पिता व पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में पैसों के लेन-देन को लेकर हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्यारोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से आलाकत्ल कटर व बाइक भी बरामद की है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। बताते चलें कि कल्यानपुर थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में युवक उत्कर्ष उर्फ गोलू सिंह चौहान की पैसों के लेन-देन को लेकर रजोली सिंह उर्फ सचिन पुत्र अनिरूद्ध सिंह व अनिरूद्ध सिंह पुत्र स्व. कृपाल सिंह निवासीगण ग्राम मौहार ने धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया था। जिसकी रास्ते में मौत हो गई थी। जिस पर परिजनों ने रजोली सिंह उर्फ सचिन व अनिरूद्ध सिंह के खिलाफ हत्या की तहरीर दी थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके पास से खून लगा हुआ एक धारदार हथियार कटर, एक लोहा व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल नं. यूपी-71एएल/5166 को बरामद किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 267 जोड़े हुए एक दूजे के

मोहम्मदी खीरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह योजना के अंतर्गत विधायक के गोद लिए गाँव रविन्द्र (नगर मियाँपुर) में 267 (वर बधू) जोड़ो ने अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लिऐ, और पढाया गया निकाह, एडीओ ने बताया कि 136 जोड़े ब्लाक पसगवां 124 जोड़े ब्लाक मोहम्मदी 2जोड़े नगर पंचायत बरवर 3जोड़े नगर पालिका मोहम्मदी 2जोड़े विकास खण्ड बांकेगंज है जिनमे 2जोड़े पसगवां 1जोड़ा मोहम्मदी मुस्लिम शामिल है चर्चा थी कि 3बजे तक वर बधू भूख से तड़पते रहे उन्हें किसी प्रकार का जलपान तक नसीब नही हुआ था कुछ जोड़ो ने केवल लाभ के लिए वहाँ शादी की और अपने घर आकर फेरे डाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य अथिति विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह विशिस्ट अथिति ब्लाक प्रमुख महेंद्र बाजपेई वीडीओ पसगवां मोहित कौशिक वीडीओ मोहम्मदी अश्वनीकुमार सिंह ,अधिशाषी अधिकारी विकास आनन्द सहित ब्लाक के तमाम अधिकारी कर्मचारी शामिल थे।

इबादत का दूसरा नाम है रमज़ान, देर रात तक होती है इबादत

● दूसरों की भूख और प्यास के एहसास का नाम भी है रोजा

● रमजान मे विशेष पकवान और स्वादिष्ट भोजन का होता है विशेष इंतजाम

संवाददाता। मोहम्मदी खीरी

मार्च से इबादत का महीना रमजान की हो रही शुरुआत,पूरे तीस रोजे के बाद ईद आती है,इस माह मे बूढें हो नौजवान ,बच्चे या महिलाएं रोजे रखते है ,इसका बहुत बडा सबाब होता है, इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान का महीना इबारत के महीने मे शुमार होता है,रोजे मे दिनभर भूखे, प्यासे रह कर ईश्वर, अल्लाह की इबादत की जाती,शाम को जब खास समय जो समय निर्धारित है उस समय रोजा खोला जाता है वही रात में प्रातः काल एक समय निर्धारित है जब रोजदार सहरी खाते हैं ,लगभग 16से 17 घंटे अपने आपको भूखा प्यासा रह कर ईश्वर अल्लाह मे लीन करके इबादत के साथ साथ अपने कामों को अजाम दिया जाता है,रोजेदारों के चेहरे पर अजीब सी चमक देखने को मिलती है,वही ऐ भी है कि भूखे प्यासे रह कर दूसरों की भूख और प्यास के एहसास का भी नाम भी रोजा है,पूरा महीना इबादत के रूप मे जाना और पहचाना जाता है,मस्जिदे सुबहे से देर रात तक गुलजार रहती है,शाम को तरह तह की दुकानें बाजारों से लेकर मसजिदों के समीप सजी रहती है,इस माह मे बरकतें नाजिल होती है,शाम को रोजा खोलने के समय तरह तरह के पकवानों के साथ साथ अन्य स्वादिष्ट चीजें अफतार में रहती हैं, वही मस्जिदों और घरों में रोजदारो के लिए अफतारी प्रतिदिन भेजी जाती है,वही लोग रोजदारों को अफतारी का इंतजाम अपने घरों में करते हैं ,कुल मिलाकर यह महीना इबारत के महीनों मे से एक होता है आओ सब मिलकर इस इबादत के महीने मे कुछ नेक काम करें।

रमज़ान महीने की हुई शुरुआत

सिंगाही खीरी। रविवार से रमाजन उल मुबारक का पवित्र महीना शुरू हो गया है। रमज़ान के पवित्र माह में इस्लाम धर्म मानने वाले लोग रोजा रख रहे हैं। बड़े बुजुर्ग तो रोजा रख ही रहे हैं, छोटे बच्चे भी रोजा रखने में पीछे नहीं हैं। नन्हे—मुन्ने बच्चों ने भी तेज धुप व भीषण गर्मी में रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे और पांचों वक्त के नमाज भी अदा किए।

रविवार को जिन बच्चों ने बार रोजा रखा उनके परिवार वालों ने उनकी हौसलाअफजाई की। शाम को इफ्तार के वक्त बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। अल्लाह की इबादत करने में बड़े तो बड़े नन्हे—मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं रहे। बच्चों में भी गजब का उत्साह देखा गया। बच्चों ने भी इस धुप व गर्मी में रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगुल रहे। क़स्बे के मसरूर खान के 12 वर्षीय बेटे मो0 असद खान ने रोजा रखने के लिए अम्मी-अब्बू के साथ उठकर सेहरी की और रोजा रखने की नियत कर ली। दोपहर होते-होते भुख-प्यास लगी तो कुछ परेशानी तो महसूस हुई, लेकिन जैसे-जैसे दिन ढ़लने गया हिम्मत बढ़ती गई और शाम को इफ्तार कर अपना रोजा मुक्कमल किया। मोहम्मद हारून के बेटे आठ वर्षीय हमज़ा देखने में दुबले-पतले हैं। लेकिन इस रमज़ान में सभी रोजे रखने की नियत की हैं। उनकी शारीरिक दशा देख अम्मी-अब्बू मना कर रहे थे। फिर भी इरादा कर लिया की रोजा रखना है। कस्बे के चेयरमैन मोहम्मद क़य्यूम के बेटे मो. हसनैन ने बताया कि रमजान के पवित्र महीना में सभी मुसलमानों को रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करनी चाहिए। क्योंकि यह महीना सब्र का होता है। पवित्र माह रमजान के महीने में रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करने से इंसान अपने आप को अल्लाह के करीब पाता है। मासूक खां की बेटी फ़ातिमा ने रोजा रखा। उन्होंने बताया कि पहले अम्मी-अब्बू को रोजा रखते देखकर रोजा रखने का ख्याल आया।

शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए होली व रमज़ान का त्योहार: सीओ

● अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

खागा (फतेहपुर)। आगामी पर्व होली व रमजान को लेकर खागा कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय ने की। बैठक में नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने भी शिरकत की। बैठक के दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्रा ने सभी का आभार जताया। सीओ बृजमोहन राय ने कहा कि होली का पर्व प्रेम का प्रतीक है। साथ ही रमजान का भी पवित्र माह चल रहा है, इसलिए हम सभी को दोनों पर्वों को आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाना है। अगर कोई भी व्यक्ति त्योहारों में अराजकता फैलाकर त्योहारों में खलल डालने की कोशिश करेगा, तो दोषी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने होली के पर्व में रंगों का प्रयोग न करके गुलाल से होली खेलने की सलाह दी। नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने कहा कि कोई भी खाद्य व्यापारी मिलावटी सामानों की बिक्री न करें। अगर कोई भी व्यापारी मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करते हुए पाया जाता है तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि डीजे की जगह सभी लोग दो साउंड सिस्टम लगा सकते हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्र ने कहा कि होली व रमजान का महीना हसीं खुशी के साथ मनाएं। अगर कहीं भी कोई भी विवाद की जानकारी किसी व्यक्ति को होती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दें। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ल ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि इस बार होली व रमजान का पवित्र माह एक साथ हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से नगर में सुबह के समय होने वाली विद्युत कटौती से त्योहारों के दौरान मुक्त किए जाने की मांग उठाई।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 3 मार्च 2025

सुनियोजित और वित्तीय रूप से समर्थित धर्मांतरण चिंताजनक

तिरुवनंतपुरम(भाषा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को उस सुनियोजित और वित्तीय रूप से समर्थित दुस्साहस पर चिंता जताई जिसका मकसद दबदबा सुनिश्चित करने के लिए देश में धर्मांतरण कराना है। उन्होंने सभी से इसे विफल करने के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया। भारतीय विचार केंद्र द्वारा आयोजित चौथे पी परमेश्वरन स्मारक व्याख्यान में धनखड़ ने कहा कि जनसांख्यिकीय विकास जैविक और प्राकृतिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अजैविक भिन्नताएं होती हैं, तो हमें चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकी मायने रखती है और इसे बहुसंख्यकवाद के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को दो खेमों में विभाजित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय विकास जैविक, प्राकृतिक और सामंजस्यपूर्ण होना चाहिए, केवल तभी यह विविधता में एकता को दर्शा सकता है। उन्होंने दावा करते हुए कहा, लेकिन अगर जनसांख्यिकीय विविधताएं एक आभासी भूकंप की तरह लाई जाती हैं, तो यह चिंता का कारण है। अगर अजैविक जनसांख्यिकीय बदलाव किसी विशेष जनसांख्यिकीय घटक को बढ़ाने के इरादे से होते हैं, तो हमें चिंतित होना चाहिए। ऐसा हो रहा है। यह स्पष्ट रूप से हो रहा है।

उपराष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण विभिन्न तरीकों से किया जा रहा है, जिसमें प्रलोभन, लालच, जरूरतमंदों और कमजोर लोगों तक पहुंचना, सहायता प्रदान करना और फिर धर्म परिवर्तन का सुझाव देना शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोगों के दर्द, कठिनाइयों या जरूरतों का फायदा उठाकर उन्हें धर्मांतरण की तरफ धकेलना बर्दाश्त से बाहर है। उन्होंने कहा, देश हर किसी को अपना धर्म चुनने की आजादी देता है। यह एक मौलिक अधिकार है, जो हमारी सभ्यतागत विरासत से हमें मिला है। लेकिन अगर इस अधिकार के साथ छेड़छाड़ या हेरफेर किया जाता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। लालच और प्रलोभन धर्म परिवर्तन का आधार नहीं हो सकता।

धनखड़ ने कहा कि वे इस चुनौती की गंभीरता को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर सकते जिसका सामना देश इन रणनीतिक, सुनियोजित और आर्थिक रूप से समर्थित दुस्साहसों के कारण कर रहा है, जिसका उद्देश्य धर्मांतरण कराना है। उन्होंने दावा किया कि इन धर्मांतरण के पीछे एक और मकसद राष्ट्र के प्रति दुर्भावना है।

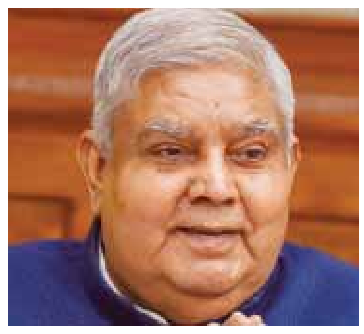

उन्होंने लाखों अवैध अप्रवासियों और उनके द्वारा उत्पन्न खतरों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ए लोग आते हैं, हमारे रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्रों को लेकर मांग करते हैं और फिर चुनावी राजनीति में एक कारक बन जाते हैं। यह एक जरूरी मुद्दा है जिसका समाधान किया जाना चाहिए। जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। लोगों की मानसिकता को सक्रिय किया जाना चाहिए। हर भारतीय को इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अनियंत्रित प्रवासन हमारी संस्कृति को भी खतरे में डाल रहा है। मैं सभी से इन जनसांख्यिकीय व्यवधानों को साहसपूर्वक विफल करने का आग्रह करता हूं।

धनखड़ ने आगे तर्क दिया कि ए जनसांख्यिकीय परिवर्तन चुनाव परिणामों को प्रभावित करते हैं, जिससे पिछले कुछ वर्षों में कई क्षेत्रों में गढ़ बन गए हैं। उन्होंने आग्रह किया, हमें अत्यंत सतर्क रहना चाहिए। भारत की प्राचीन जनसांख्यिकीय पवित्रता को बनाए रखने के लिए सभी को एक साथ आना चाहिए। पी परमेश्वरन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सबसे वरिष्ठ प्रचारकों में से एक थे और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के पूर्व नेता थे।

धनखड़ ने हर भारतीय भाषा को बढ़ावा देने का समर्थन किया

हैदराबाद (भाषा)। भाषा विवाद के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को देश में भाषा को लेकर टकराव के रुख के खिलाफ बात की और हर भारतीय भाषा को बढ़ावा देने का समर्थन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-हैदराबाद के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत समृद्ध भाषाओं का देश है। उन्होंने कहा कि संसद में भी 22 भाषाओं में एक साथ अनुवाद होता है। उन्होंने कहा, मैं कुछ बदलावों का जिक्र करना चाहता हूं जो चिंताजनक रूप से खतरनाक हैं... हमारी सभ्यतागत संस्कृति हमें समावेशिता सिखाती है। क्या भारत की भूमि पर भाषा को लेकर टकराव का रुख होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया तो यह सभी के लिए गर्व का क्षण था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की भाषाएं गहन ज्ञान और बुद्धिमता से भरपूर साहित्य के लिहाज से सोने की खान हैं। उन्होंने कहा कि हर भाषा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा, इसलिए मैं देश के युवाओं से आह्वान करता हूं। सोशल मीडिया ने आपको निर्णय लेने की शक्ति दी है। अगर राष्ट्रवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से कोई भटकाव होता है, अगर पक्षपातपूर्ण नजरिए से विकास का आकलन होता है, तो हमें निगरानी करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए आर्थिक रूप से प्रेरित ताकतों के विमर्श को कुंद किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कॉरपोरेट से विकास और नवाचार के लिए अनुसंधान में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हमारी रणनीतिक प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है।

उप्र में आलू प्रसंस्करण संयंत्र पर 750 करोड़ का निवेश करेंगी वेव, बेल्जियम की एग्रिस्टो

नई दिल्ली(भाषा)। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती वैश्विक मांग के बीच वेव ग्रुप और बेल्जियम की एग्रिस्टो एनवी ने प्रीमियम फ्रेंच फ्राइज बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में अपने आलू प्रसंस्करण संयंत्र का विस्तार करने का फैसला किया है। इस विस्तार पर दोनों कंपनियां लगभग 750 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। वेव ग्रुप की कंपनी मासा ग्लोबल फूड प्राइवेट लिमिटेड और बेल्जियम की एग्रिस्टो की अनुषंगी कंपनी आईएमएसटीओ एनवी ने 2019 में डिहाइड्रेटेड पोटैटो फ्लेक बनाने के लिए बिजनौर में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के लिए 50:50 वाली संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया था।संयुक्त उद्यम कंपनी का नाम एग्रिस्टो मासा प्राइवेट लिमिटेड है। संयंत्र का परिचालन 2022 में 7,500 टन की वार्षिक क्षमता के साथ शुरू हुआ था। वेव ग्रुप के चेयरमैन मनप्रीत सिंह चड्ढा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं।उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसल की पैदावार और प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चड्ढा ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम बिजनौर में निर्यात गुणवत्ता वाले फ्रेंच फ्राइज के लिए एक नई उत्पादन लाइन स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विस्तार पर कुल निवेश करीब 750 करोड़ रुपए होगा, जिसका वित्तपोषण इक्विटी और ऋण के माध्यम से किया जाएगा। संयुक्त उद्यम ने मौजूदा संयंत्र की स्थापना पर करीब 300 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिससे कुल निवेश प्रतिबद्धता 1,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। चड्ढा ने कहा कि 80,000 टन सालाना क्षमता वाली नई उत्पादन लाइन अगले दो वर्षों में चालू हो जाएगी और घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। संयुक्त उद्यम केवल अंतरव्यापारिक खंड में है। चड्ढा ने कहा, हमारा उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना और गन्ने के अलावा उनकी नकदी फसलों में विविधता लाना है। हमने नई प्रौद्योगिकियों की मदद से इन किसानों को आलू का उत्पादन दोगुना करने में मदद की है। पिछले तीन-चार वर्षों में उनकी आय में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्पादन सुविधा के विस्तार के लिए भूमिपूजन समारोह में बेल्जियम साम्राज्य की राजकुमारी एस्ट्रिड, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज सिंह शामिल हुए।

मस्जिद में बिना अनुमति लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में मौलवी पर मुकदमा

भाषा। पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया। जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शनिवार दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मिश्रा ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था, जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मिश्रा ने बताया कि अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और मांगने पर वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सके थे। उन्होंने कहा कि नियम के उल्लंघन के आरोप में मौलवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (सरकारी आदेशों की अवहेलना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (किसी वैध प्राधिकरण की ओर से जारी निषेधाज्ञा के बावजूद सार्वजनिक उपद्रव जारी रखना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मिश्रा के अनुसार, मौजूदा समय में माध्यमिक शिक्षा परिषद और अन्य बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की तेज आवाज से परीक्षार्थियों और गंभीर रूप से बीमार लोगों को परेशानी होती है।

27 साल पुराने दंगा मामले में 45 आरोपी बरी, शस्त्र अधिनियम में चार को तीन-तीन साल की कैद

कानपुर (भाषा)। कानपुर की एक त्वरित अदालत ने दंगे से जुड़े 27 साल पुराने उस मामले में 45 आरोपियों को बरी कर दिया है, जिसमें एक वरिष्ठ अधिकारी की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और कई अन्य को भी गंभीर चोटें आई थीं। वहीं, अदालत ने दंगा मामले में चार आरोपियों को शस्त्र अधिनियम के तहत तीन-तीन साल की कैद की सजा सुनाई है।

अधिवक्ताओं ने रविवार को बताया कि अदालत ने सबूतों के अभाव में 45 आरोपियों को बरी कर दिया, क्योंकि अभियोजन विचाराधीन कैदियों के खिलाफ मामले को मजबूत बनाने में विफल रहा। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कहा, बरी किए गए 45 आरोपी पहले से ही जमानत पर बाहर थे। शासकीय अधिवक्ता राजेंद्र उत्तम ने बताया कि हालांकि, त्वरित अदालत ने दंगा मामले में चार आरोपियों को शस्त्र अधिनियम के तहत तीन-तीन साल की जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि सभी दोषियों को जमानत दे दी गई है, क्योंकि उनकी सजा तीन साल से कम है।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद बुंदेल, जिन्होंने 77 आरोपियों में से 24 का प्रतिनिधित्व किया, ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दंगा नौ जनवरी 1998 को हुआ था, जब सैकड़ों लोग रायपुरवा के लक्ष्मीपुरवा में एक मस्जिद के इमाम पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए थे और जिले की बिजली आपूर्ति बाधित कर दी थी। शकील ने कहा कि स्थिति तब बिगड़ गई थी, जब हजारों लोग हलीम कॉलेज क्रॉसिंग पर एकत्र हुए और पुलिस टीम पर पथराव किया व गोलियां चलाईं। देखते ही देखते चमनगंज और रायपुरवा समेत विभिन्न इलाकों में आंदोलन फैल गया और सड़कों पर सभाएं होने लगीं। इस बीच, भगदड़ और पथराव भी शुरू हो गया। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार घटना स्थल पर पहुंचे थे, जहां उनके गनर पुलिस आरक्षी कुंवर पाल सिंह के माथे पर गोली लगी थी। सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तत्कालीन थाना प्रभारी ने दंगे के संबंध में शिकायत दर्ज की थी और 77 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। पुलिस ने मुमताज अहमद, इस्लामुद्दीन, खुर्शीद आलम, मोहम्मद आसिफ, इसरार अहमद और मोहम्मद शफी समेत छह लोगों के पास से अवैध हथियार भी जब्त किए थे। शकील ने कहा, इन वर्षों में 13 आरोपियों की मौत हो गई और दो अन्य की फाइलें बाकी से अलग कर दी गईं। उन्होंने बताया कि विस्तृत फैसला सोमवार को उपलब्ध होने की उम्मीद है। पेशे से ड्राइवर मेराज खान ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वह न्याय मिलने से खुश है। खान ने कहा, हम सभी निर्दोष थे और यह अदालत के समक्ष साबित हो चुका है, जिसने दंगा मामले में 45 लोगों को बरी कर दिया है। हमारे परिवार के सदस्यों को पिछले 27 वर्षों के दौरान बहुत कष्ट सहना पड़ा, क्योंकि वे अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में असफल रहे।

वृंदावन के हिन्दू संगठन की योगी से मांग : होली समारोहों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगे

मथुरा (भाषा)। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक कथित हिंदूवादी संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ब्रज क्षेत्र में होली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग की है। धर्मरक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा, पिछले दिनों बरेली में देखने में आया था कि मुस्लिम समाज के लोग हमारे लोगों को धमकियां दे रहे हैं। ऐसे में धर्मरक्षा संघ ने निर्णय लिया है कि हम ब्रज क्षेत्र में मथुरा, वृंदावन, नंदगांव, बरसाना, गोकुल, दाऊजी आदि तीर्थस्थलों पर होने वाले होली समारोहों के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाएंगे। गौड़ ने कहा, सनातन समाज के लिए होली प्रेम और सौहार्द का त्योहार है। हम बिल्कुल भी नहीं चाहते कि मुस्लिम समाज का कोई भी व्यक्ति होली के बहाने रंग व गुलाल बेचने का व्यापार करे और होली की भीड़ में घुसकर हुड़दंग करने का प्रयास करे। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश ने कहा, मैं धर्मरक्षा संघ की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करता हूं कि जिस प्रकार जिहादियों और अलगाववादियों को गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गरबा नृत्य से दूर रखा गया, उसी प्रकार ब्रजमंडल के प्रेम से परिपूर्ण पर्व होली से भी उन्हें दूर रखा जाए, क्योंकि जब उन्हें रंग-गुलाल से ऐतराज है, तो उनकी यहां क्या जरूरत है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा, यदि ए लोग (मुस्लिम समाज) हिंदू समाज को लिखित आश्वासन देते हैं, तो हमें उनके सम्मिलित होने पर कोई आपत्ति नहीं है। यदि हिंदू समाज चाहे तो ए लोग आ सकते हैं, वरना इन्हें दूर रखा जाए। सरकार इसका प्रबंध करे। कुछ इसी तरह का बयान श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े एक मुकदमे के वादी दिनेश शर्मा की ओर से भी आया है।

पेज 1 का शेष

सेबी की...

यह याद किया जा सकता है कि तत्कालीन सेबी प्रमुख माधाबी बुच पिछले साल अगस्त में तब सवालों के घेरे में आ गई थीं, जब हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने और उनके पति धवल बुच ने ठीक उसी अस्पष्ट अपतटीय बरमूडा और मॉरीशस फंड में हिस्सेदारी छिपाई थी, जो उसी जटिल नेस्टेड संरचना में पाए गए थे, जिसका उपयोग विनोद अडानी द्वारा किया गया था। हिंडनबर्ग रिसर्च - जिसने अडानी समूह पर शेयर बाजार में बेशर्मी से हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। इसने ने कथित शेयर बाजार में हेरफेर के लिए अडानी समूह के खिलाफ सेबी की निष्क्रियता को माधाबी बुच और उनके पति द्वारा अपतटीय फंड में किए गए निवेश से जोड़ने का प्रयास किया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, माधाबी बुच ऑफशोर फंड के प्रबंधकों के साथ संपर्क में थीं और उन्होंने फंड में यूनिटों को भुनाने के लिए इंडिया इंफोलाइन को लिखा था। इस दौरान उनकी सिंगापुर की एक ऑफशोर कंसल्टिंग फर्म, अगोरा में रुचि थी और सेबी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के दो सप्ताह बाद ही उन्होंने अपने पति को शेयर हस्तांतरित कर दिए थे। हालांकि, अपने बचाव में, माधाबी बुच ने कहा था कि आवश्यक सभी खुलासे पहले ही सेबी को प्रस्तुत किए जा चुके हैं। बोर्ड के सदस्यों के लिए सेबी कोड यह अनिवार्य करता है कि वे अपने हितों का खुलासा करें जो उनके कर्तव्यों के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लेन-देन के साथ संघर्ष कर सकते हैं।

चमोली...

पर था और सुरक्षित घर पहुंच गया था। शनिवार शाम तक बर्फ के नीचे फंसे 50 मजदूरों को बाहर निकाला गया और उनमें से चार की मौत हो गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बचाव अभियान की जानकारी लेने के लिए उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया था।

नियमित विदेश...

भीतर यूएई का दौरा किया। इसी तरह, विजयानंद ने बताया कि कुमार ने 1 से 28 फरवरी, 2023 के बीच अमेरिका का दौरा किया, बिना सरकार की पूर्व अनुमति के हैदराबाद से प्रस्थान किया, अन्य ऐसी अनधिकृत यात्राओं के अलावा। राज्य में वर्ष 2019 से 2024 के बीच वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का शासन था।

मायावती...

उन्होंने पूछा, अब जबकि बसपा ने मिल्कीपुर उपचुनाव नहीं लड़ा है, तो सपा अपनी हार के लिए किसे दोषी ठहराएगी। मायावती ने अपने इस विश्वास की पुष्टि की कि केवल बीएसपी ही अपनी अंबेडकरवादी विचारधारा के साथ बीजेपी और अन्य जाति-आधारित पार्टियों को प्रभावी ढंग से चुनौती दे सकती है। देश के लोगों को यह समझना चाहिए कि बीएसपी ही बीजेपी और जाति की राजनीति का फायदा उठाने वाली अन्य पार्टियों को हरा सकती है। इन व्यापक बदलावों के साथ, मायावती ने एक मजबूत संदेश दिया है कि पार्टी और इसकी विचारधारा के प्रति वफादारी पारिवारिक संबंधों से ऊपर होगी, जो बीएसपी के आंतरिक ढांचे और भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

धन की कमी...

लक्षित समूहों में से हैं। हालाँकि, उनके कई प्रजनन कार्यक्रम या तो शुरू नहीं हुए हैं या खराब तरीके से प्रबंधित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल्पाइन मस्क डियर और हिमालयन सीरो जैसी प्रजातियों की पहचान में त्रुटियाँ, आबादी का प्रबंधन मुश्किल बनाती हैं। समिति ने यह भी बताया कि आनुवंशिक विविधता की कमी, अनुचित ट्रैकिंग और खराब रिकॉर्ड-कीपिंग संरक्षण प्रजनन कार्यक्रमों की सफलता को कम करती है। जबकि कुछ सफलताएँ, जैसे कि गौर (बोस गौरस) और भारतीय शेवरोटेन (मोशियोला इंडिका), विकास और पुनर्प्राप्ति की क्षमता को प्रदर्शित करती हैं, वे असंगत रिकॉर्ड-कीपिंग, असंगठित स्थानांतरण और अपर्याप्त पशुपालन प्रथाओं सहित व्यापक चुनौतियों को भी उजागर करती हैं। प्राइमेट्स, स्क्वामाटा (सरीसृप) और पेरिसोडैक्टाइला (विषम पंजे वाले खुर वाले जानवर) कम जन्म दर और खराब आनुवंशिक विविधता से जूझ रहे हैं। किंग कोबरा और वेस्टर्न हूलॉक गिब्बन जैसे जानवरों की विशिष्ट पर्यावरणीय जरूरतें हैं जो पूरी नहीं हो पा रही हैं, जिससे उनके सफल प्रजनन की संभावना कम हो जाती है। समिति ने कहा, आवास की जरूरतें और वर्गीकरण संबंधी अस्पष्टताएं भारतीय जंगली गधे और हिमालयन सैलामैंडर जैसी प्रजातियों के प्रबंधन को बाधित करती हैं, जिन्होंने दशकों के संरक्षण प्रयासों के बावजूद न्यूनतम वृद्धि दिखाई है। इसमें कहा गया है कि गिद्धों (सफेद-पूंछ वाले और भारतीय गिद्ध) जैसे कुछ पक्षियों और सरीसृपों की जनसंख्या में वृद्धि देखी गई है। हालांकि, असंबद्ध व्यक्तियों और संस्थापक स्टॉक के खराब उपयोग जैसी समस्याएं आनुवंशिक विविधता को सीमित करती हैं। निकोबार कबूतर और लाल मुकुट वाले छत वाले कछुए जैसी कुछ प्रजातियों की आबादी छोटी, स्थिर है, लेकिन उन्हें बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है। समिति के सदस्यों ने कहा, शाहीन फाल्कन और मालाबार पाइड हॉर्नबिल जैसी प्रजातियों के लिए अभी तक कोई संरचित संरक्षण प्रयास नहीं देखा गया है, जिनकी आबादी मुख्य रूप से अकेले या बचाए गए व्यक्तियों की है। उन्होंने कहा कि भारतीय विशालकाय गिलहरी और भारतीय पैंगोलिन जैसी कई प्रजातियां कम प्रजनन सफलता और खराब ट्रैकिंग के कारण घट रही हैं। हिमालयन सैलामैंडर ने हाल ही में वृद्धि दिखाई है, लेकिन केवल एक सुविधा में संरचित प्रबंधन के बिना। समिति ने कहा कि छोटी आबादी, खराब जनसांख्यिकीय और आनुवंशिक निगरानी, अनुचित पालन पद्धति, अपर्याप्त तकनीकी पर्यवेक्षण, खराब दस्तावेजीकरण, पशु पहचान की कमी, प्रजनन प्रोटोकॉल का खराब पालन और चिड़ियाघरों के बीच समन्वय की कमी जानवरों के सभी समूहों के लिए आम चुनौतियां हैं।

इजराइल ने..

दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल अपनी सेना वापस बुलाएगा और स्थाई संघर्ष विराम करेगा बदले में हमास कई शेष बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा समझौतों के तहत इजराइल पहले चरण के बाद लड़ाई फिर से शुरू कर सकता है, अगर उसे लगता है कि वार्ता अप्रभावी रही। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम तभी जारी रहेगा जब हमास बंधकों को रिहा करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय में है। एक इजराइली अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि सहायता निलंबित करने का निर्णय ट्रंप प्रशासन के समन्वय से लिया गया है। इजराइल सरकार ने रविवार को कहा कि वह गाजा में संघर्ष विराम के प्रथम चरण को रमजान और यहूदी पर्व पासओवर तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करती है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने रविवार सुबह कहा कि इजराइल पासओवर या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। इसने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। नेतन्याहू के कार्यालय के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, पहले दिन छोड़ा जाएगा और अगर स्थाई संघर्षविराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा। इजराइल द्वारा घोषित प्रस्ताव या सहायता बंद करने के उसके निर्णय पर अमेरिका की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। हमास ने कहा कि इजराइल द्वारा सहायता पर रोक लगाना समझौते का एक और उल्लंघन है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत जारी है तथा राहत सामग्री की आपूर्ति और सहायता जारी रहनी चाहिए। इस बीच विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि इजराइल संघर्ष विराम के अगले चरण पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह वार्ता के दौरान अधिक बंधकों को रिहा करने पर जोर दे रहा है। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कहा, हमने (चरण एक के तहत) अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को अंतिम दिन तक पूरा किया, जो कल तक थी। हमारा रुख यह है कि बातचीत के दौरान बंधकों को रिहा किया जाना चाहिए। हमास ने चेतावनी दी कि संघर्ष विराम समझौते में देरी या उसे रद्द करने के किसी भी प्रयास से बंधकों के लिए मानवीय परिणाम होंगे। उसने दोहराया कि उन्हें रिहा कराने का एकमात्र तरीका मौजूदा समझौते को लागू करना है, जिसमें शेष बंधकों को मुक्त करने के लिए समयसीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। हमास ने कहा है कि वह दूसरे चरण में शेष सभी बंधकों को एक साथ रिहा करने को तैयार है, लेकिन इसके बदले में वह अधिक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई, स्थाई संघर्षविराम तथा इजराइली सेना की वापसी चाहता है। मिस्र के एक अधिकारी ने कहा कि हमास और मिस्र युद्ध को समाप्त किए बिना शेष बंधकों को रिहा के उद्देश्य से एक नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेंगे। अधिकारी ने कहा कि समझौते में दोनों पक्षों से फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करने के लिए कहा गया था। अधिकारी ने कहा कि मध्यस्थ विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। संघर्ष विराम के पहले, छह सप्ताह के चरण के तहत हमास ने इजराइल द्वारा कैद किए गए लगभग 2,000 फलस्तीनी लोगों की रिहाई के बदले में 25 इजराइली बंधकों को रिहा किया। हमास ने कहा कि इजराइल द्वारा सहायता पर रोक लगाना एक और उल्लंघन है तथा कहा कि संघर्ष विराम और सहायता आपूर्ति को चरण दो की वार्ता के दौरान जारी रहना चाहिए था।

जलगांव में केंद्रीय मंत्री खडसे की पुत्री से अभद्र व्यवहार, प्राथमिकी में सात नामजद

जलगांव (भाषा)। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक कार्यक्रम में लड़कों के एक समूह द्वारा उनकी बेटी और उसकी कुछ सहेलियों को परेशान किए जाने के संबंध में रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार रात कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान यह घटना हुई जिसके संबंध में मुक्ताईनगर थाने में रक्षा खडसे की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मुक्ताईनगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी में सात लोग नामजद हैं, जिनमें से सोहम माली नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई हैं।

अधिकारी ने बताया कि सातों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत पीछा करने और अन्य अपराधों को लेकर मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधान भी लगाए गए हैं क्योंकि आरोपियों बिना अनुमति के लड़कियों की तस्वीरें लेने और वीडियो बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि लड़कियों के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने सात लोगों के नाम बताए। इससे पहले दिन में, केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रक्षा खडसे ने पत्रकारों से कहा, मैं गुजरात में थी, इसलिए मेरी बेटी ने कार्यक्रम में जाने की अनुमति मांगने के लिए मुझे फोन किया। मैंने उसे एक गार्ड और दो-तीन कर्मियों को साथ जाने को कहा। मेरी बेटी और उसकी सहेलियों का पीछा किया गया तथा उन्हें धक्का दिया गया। उनकी तस्वीरें ली गईं और वीडियो भी बनाए गए। जब मेरे कर्मियों ने आपत्ति जताई, तो लड़कों ने अनुचित व्यवहार किया और 30- 40 लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। रक्षा खडसे ने कहा कि जब वह आज सुबह घर लौटीं तो उनकी बेटी ने उन्हें बताया कि उन्हीं लड़कों ने 24 फरवरी को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उसके साथ दुर्व्यवहार किया था। उन्होंने कहा था, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि ऐसी घटनाएं किसी सांसद या केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ होती हैं, तो कल्पना कीजिए कि आम लोगों को क्या सहना पड़ता होगा।

मंत्री ने कहा कि मुक्ताईनगर के कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि ए लड़के स्कूल जाते समय लड़कियों को परेशान करते हैं। खडसे ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री और पुलिस उपाधीक्षक से बात की है। उन्होंने मांग की कि दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ में पत्रकारों से कहा, रक्षा खडसे की बेटी को परेशान करने वाले लोग एक राजनीतिक दल से हैं। स्थानीय पुलिस ने उनमें से कुछ को गिरफ्तार कर लिया है और इस संबंध में मामला दर्ज किया है। उनके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। रक्षा खडसे के ससुर, पूर्व मंत्री एवं राकांपा (एसपी) नेता एकनाथ खडसे ने कहा, पुलिस को पहले भी इन लड़कों के खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी हैं, लेकिन कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया। ये लड़के शातिर अपराधी हैं।

रोजगार बढ़ रहा है, लेकिन महंगाई के हिसाब से नियमित कर्मचारियों का वेतन नहीं: विरमानी

नई दिल्ली (भाषा)। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि देश में रोजगार तो बढ़ रहा है, लेकिन नियमित नौकरियों के मामले में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी और कौशल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, आप में हुनर है तो उससे नौकरी मिलना आसान हो जाता है। विरमानी के अनुसार, वैश्विक जनसंख्या के मामले में हमारे पास अवसर है, उसका लाभ उठाने की जरूरत है और इसके लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार महत्वपूर्ण है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, पीएलएफएस (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात साल में कामगार-जनसंख्या अनुपात साफ तौर पर बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि नौकरियों की संख्या जनसंख्या वृद्धि के मुकाबले अधिक बढ़ रही हैं। इसमें उतार-चढ़ाव भी है लेकिन जो रुख है, वह बताता है कि नौकरियां बढ़ रही है। अत: यह कहना गलत है कि नौकरियां नहीं बढ़ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि पीएलएफएस की सालाना रिपोर्ट 2023-24 (जुलाई-जून) के अनुसार, कामगार-जनसंख्या अनुपात सभी उम्र के व्यक्तियों के मामले में 2023-24 में बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गया, जो 2017-18 में 34.7 प्रतिशत था। उन्होंने कहा, अगर पीएलएफएस में पारिश्रमिक के आंकड़ों को देखें, जो कैजुअल वर्कर (ठेके पर काम करने वाले) हैं, उनका वास्तविक वेतन सात साल के दौरान बढ़ा है और इस दौरान उनकी स्थिति सुधरी है। आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। जाने-माने अर्थशास्त्री विरमानी ने कहा, लेकिन एक बड़ा मुद्दा नियमित वेतन वाली नौकरियां के मामले में है। इस श्रेणी में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक मुद्रास्फीति के हिसाब से नहीं बढ़ा है। उन्होंने कहा, जहां तक मेरा आकलन है, महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ने का मुख्य कारण है कौशल की कमी है। हम कौशल वाली नौकरियां नहीं ले रहे हैं। मैंने कई देशों के आंकड़ों को देखा है... उसके आधार पर मैं कहूंगा इसपर (कौशल) काम करना होगा। यह काफी कमजोर स्थिति में है। केंद्र सरकार कदम उठा रही है। राज्यों को भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है, जिला स्तर पर काम करने की जरूरत है, क्योंकि नौकरियों का सृजन वहीं होगा।

नीति आयोग के सदस्य के अनुसार, यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि कौशल जब बढ़ता है, उत्पादकता बढ़ती है, और वास्तविक वेतन बढ़ता है। यह भारत में भी होता है और दुनिया में भी होता है। हम यह सोचते हैं कि हम जो काम कर रहे हैं, वहीं करते रहें और वेतन बढ़ेगा, यह ठीक नहीं है। अत: स्किलिंग (कौशल विकास) बहुत जरूरी है। और जो काम कर रहे हैं केवल उनके लिए ही नहीं बल्कि जो नए लोग आ रहे हैं, उनमें भी कौशल विकास की जरूरत है। विरमानी ने कहा, हमने जो विश्लेषण किया है, उसके अनुसार शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास की जरूरत है।

वामपंथी और उदारवादी हैं हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा: हिमंत

भाषा। कोलकाता

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को आरोप लगाया कि वामपंथी और उदारवादी हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। शर्मा ने दावा किया कि मुसलमान या ईसाई कभी भी हिंदुओं के लिए खतरा नहीं हैं बल्कि हिंदुओं को कमजोर करने वाले लोग उनके अपने समाज में ही हैं। उन्होंने यहां एक निजी संगठन के पुरस्कार समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मेरा मानना है कि वामपंथी और उदारवादी लोग हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। शर्मा ने कहा, पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का कमजोर करने की प्रवृति (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को वामपंथियों और उदारवादियों से विरासत में मिली है। शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि भारत की सभ्यता 5,000 वर्ष से अधिक पुरानी है और इसकी शुरुआत 1947 में देश की आजादी के साथ नहीं हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत स्वाभाविक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है तथा किसी को भी इसे सहिष्णुता और भाईचारे के गुण सिखाने की जरूरत नहीं है। इस संबोधन का वीडियो उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, अगर राहुल गांधी या ममता बनर्जी सोचती हैं कि हिंदुओं का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, तो उन्हें पता होना चाहिए कि हिंदू हमेशा रहेंगे। उन्होंने दावा किया, असम में हिंदुओं का प्रतिशत घटकर 58 प्रतिशत रह गया है, जबकि पश्चिम बंगाल में हो सकता है कि यह समुदाय घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गया हो। उन्होंने कहा कि हिंदू सभ्यता बनी रहेगी और फूलती-फलती रहेगी। शर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत सभी क्षेत्रों में तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा, राम मंदिर 500 साल बाद बना है...अब समय आ गया है कि (मौजूदा) वक्फ कानून को खत्म कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि तीन तलाक को पहले ही समाप्त कर दिया गया है और देश में समान नागरिक संहिता लागू होने के संकेत भी दिखने लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत का पुनरुत्थान शुरू हुआ, देश ने अर्थव्यवस्था, वित्त से लेकर विज्ञान तक सभी क्षेत्रों में प्रगति की। शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद पाकिस्तान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया, जबकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश बना रहा क्योंकि इसकी हजारों साल पुरानी सभ्यता हमेशा इसी तरह से रही है। उन्होंने कहा, कई सभ्यताएं आईं और चली गईं, लेकिन हिंदू सभ्यता बरकरार रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

भाषा। गिर सोमनाथ (गुजरात)

दो मार्च (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने गृह राज्य गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मोदी ने प्रभास पाटन स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम शिव मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया। मंदिर के दर्शन के बाद मोदी पड़ोसी जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासन के लिए रवाना हुए, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सासन में लायन सफारी पर जाएंगे और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

बिहार की महिला किसानों ने सौर ऊर्जा वालों पंपों को अपनाकर बदली अपनी किस्मत

मुजफ्फरपुर। जमीन विवाद के कारण अपने पति को खो चुकी बिहार के सूर्याही गांव की निवासी इंदु देवी के पास जमीन के छोटे से टुकड़े और कर्ज के अलावा अब कुछ नही बचा था लेकिन कारोबार के लिए खेतो में सौर ऊर्जा वाले पंपों के इस्तेमाल से उन्हें आर्थिक संबल मिला।इंदु ने खेतो में सौर ऊर्जा वाले पंपों के इस्तेमाल के बारे में सुना जो आजीविका का साधन भी बन सकते है। उनके पास सौर ऊर्जा वाले पंप के बारे मे कोई तकनीकी ज्ञान नही था। इसके बावजूद इंदु ने स्वयं पर विश्वास रखा और इसे अपनी आजीविका बनाया। इंदु पड़ोसी खेतो मे आज पानी की आपूर्ति करके एक स्थिर आय अर्जित करती है। उन्होंने कहा, केवल स्विच चालू और बंद करना होता है लेकिन इसने मुझे संभलने का एक नया तरीका दिया। इस क्षेत्र में इंदु की कहानी प्रेरणादायक है लेकिन वह अकेली नही है जो ऐसा कर रही है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़कर कई महिलाओं ने सिंचाई के लिए अपनी जमीन पर सौर ऊर्जा वाले पंपों में निवेश किया जिससे उन्हें आजीविका का नया साधन तो मिला ही, उनका जीवन भी पूरी तरह बदल गया। बिहार में दशकों से सिंचाई एक बड़ी चुनौती रही है। जलवायु परिवर्तन के बीच बेमौसम बारिश, अत्यधिक गर्मी और खस्ताहाल बिजली आपूर्ति के कारण किसानों को खेती के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डीजल पंप महंगे और कम कारगर है जिससे छोटे किसान, खासकर महिलाएं सिर्फ मौसम की मेहरबानी पर ही निर्भर रह जाते है। आगा खान ग्रामीण सहायता कार्यक्रम (आगा खान रूरल सपोर्ट प्रोग्राम) के टीम लीडर मुकेश चंद्रा ने कहा, सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों के इस्तेमाल ने यहां पूरा माहौल ही बदल दिया है। महिलाओं द्वारा संचालित ए पंप बहुत कम लागत पर पानी उपलब्ध कराते है। मुजफ्फरपुर के काकराचक की निवासी देवकी देवी ने कहा कि जब उन्होंने सौर ऊर्जा वाले पंप लगाने के बारे में अपने पति से बात कही तो उन्होंने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे एसएचजी बैठक के लिए घर से बाहर नही जाने दिया लेकिन जब मैने उन्हें बताया कि हम इससे कितनी आय कमा सकते है तो वह आखिरकार मान गए देवकी ने जुलाई 2023 में 10 प्रतिशत ब्याज दर पर डेढ़ लाख रुपए का कर्ज लेकर पांच हॉर्स पावर क्षमता का पंप लगाया। अब वह 229 रुपए प्रति एकड़ की दर से 12 खेतो को पानी की आपूर्ति करती है जो डीजल पंपो पर खर्च की गई राशि से भी कम है। कुछ ही महीनो में उन्होंने अपने परिवार के खर्चों की पूर्ति के लिए काफी आय अर्जित कर ली है। सीता देवी और रश्मि कुमारी जैसी महिलाओं को भी अपने परिवार और समाज के लोगो से विरोध का सामना करना पड़ा।

हिंदुजा फाउंडेशन ने हिंदुजा कॉलेज को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाएगा

अयोध्या। शिक्षा के क्षेत्र में 75 वर्ष पूरे करने के अवसर परए हिंदुजा समूह ने अपने प्रमुख संस्थानए हिंदुजा कॉलेज ऑफकॉमर्स के ज़रिए भारत के भविष्य को आकार देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हिंदुजा कॉलेज ऑफ़कॉमर्स की शुरूआत शरणार्थियों के बच्चों के लिए बनाए गए एक साधारण प्राथमिक विद्यालय के रूप में हुई थी। आज 6000 से अधिक छात्र यहां पढ़ते हैं और हिंदुजा कॉलेज ऑफ़कॉमर्स अब एक डीम्ड विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। आज यह समूह हिंदुजा फाउंडेशन के माध्यम से भारत भर में श्रोड टू स्कूल और रोड टू लाइवलीहूड जैसी पहलों के माध्यम से 7,00,000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। 2030 तक 1 मिलियन छात्रों को सशक्त बनाने की महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथए हिंदुजा फ ाउंडेशन शिक्षा को बदलाव के मुख्य स्त्रोत के रूप में बढ़ावा देना जारी रखता है और 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण में प्रमुख योगदान देता है। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनके साथ कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री धनखड़ ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया इस पड़ाव को हासिल करने के बारे में हिंदुजा फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक हिंदुजा ने कहा कि संस्थान एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए तैयार हैए जो उद्योग और शिक्षा के बीच की दूरी को पाटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगाए साथ ही डीम्ड विश्वविद्यालय में बदलने और छात्र क्षमता को कई गुना बढ़ाने की दीर्घकालिक योजनाएं भी हैं कॉलेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए डेटा साइंस और वेल्थ मैनेजमेंट में नए कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा हैए साथ ही जलवायु वित्त और निर्यात.आयात प्रबंधन में विशेष पाठ्यक्रम भी शुरू करेगा। हिंदुजा कॉलेज के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में छात्रों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुएए भारत के उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है और इसमें अच्छी तरह से निहित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कॉर्पोरेट इंडिया से विशेष संस्थान बनाने के लिए शिक्षा में निवेश करने का भी आग्रह किया।

पंजाब में पादरी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

कपूरथला। पंजाब में जालंधर जिले के एक गांव में एक गिरजाघर के पादरी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि वह और उसके माता-पिता अक्टूबर 2017 से गिरजाघर जा रहे हैं। महिला ने आरोप लगाया कि पादरी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया और संदेश भेजने शुरू कर दिए। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह उससे डर गई और अपने माता-पिता को इस बारे मे (पादरी की हरकत के बारे में) नही बता सकी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 2022 से पादरी कथित तौर पर उसे रविवार को गिरजाघर के एक केबिन मे अकेले बिठाया करता था और उसे गले लगाता था एवं गलत तरीके से स्पर्श करता था।

लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई है : प्रह्लाद पटेल

भाषा। राजगढ़ (मप्र)

मध्यप्रदेश के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई है और उन्होंने लोगों को देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों से सीख लेने की सलाह दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए मुफ्त सुविधाएं देने पर चल रही बहस के बीच आई है। राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने शनिवार को राजगढ़ जिले के सुठालिया कस्बे में रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी...उन्होंने ऐसा क्यों किया? यदि हम उनके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें, तो हमारा जीवन भी सफल हो जाएगा और शायद हम समाज को कुछ दे पाएंगे। स्वतंत्रता सेनानी अवंती बाई ने 20 मार्च 1858 को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वह मध्यप्रदेश के रामगढ़ (अब डिंडोरी) की रानी थीं। पटेल ने कहा, लोगों को समाज से लेने की आदत पड़ गई है। अब तो वे सरकार से भीख मांगने के भी आदी हो गए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति हिंदी नही थोपेगी तमिलनाडु का दावा राजनीतिक : प्रधान

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) राज्यों पर हिंदी नहीं थोपेगी और इस संबंध में तमिलनाडु के विरोध के पीछे राजनीतिक कारण हैं। प्रधान ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने एनईपी-2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। हमने केवल यह कहा है कि शिक्षा मातृभाषा पर आधारित होगी, तमिलनाडु में यह तमिल होगी। शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी एनईपी और तीन भाषा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र में टकराव के बीच आई है। प्रधान ने कहा, मैं कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का जवाब नहीं देना चाहता। एनईपी-2020 भारत की विभिन्न भाषाओं पर केंद्रित है, चाहे वह हिंदी हो, तमिल हो, उड़िया हो या पंजाबी। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीति के कारण इसका विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को कहा था कि कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में स्कूलों में किसी भी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में लागू करना अनावश्यक है। उन्होंने एक्स पर लिखा, उन्नत अनुवाद तकनीक पहले ही भाषा संबंधी बाधाओं को तुरंत दूर कर देती है।

रिश्ते अवॉर्ड्स ने जमाया होली का रंग

मुंबई। ज़ी टीवी का पूरा परिवार तैयार है चमकधमक और ग्लैमर से भरपूर ज़ी रिश्ते अवॉर्ड्स 2025 में धमाल मचाने के लिए। यह सिर्फएक अवॉर्ड नाइट नहीं बल्कि उन गहरे रिश्तों का जश्न ह जो ज़ी टीवी के कलाकारोंए निर्माताओं और क्रिएटर्स को एक डोर में बांधते हैं। और सबसे खास वो अनमोल रिश्ता जो इस चैनल का अपने प्यारे दर्शकों के साथ है। इस सालए ज़ी रिश्ते अवॉर्ड्स का रंग और भी चटख होगाए क्योंकि इसकी थीम जुड़ी है होली से! जी हां जब त्यौहार हो रंगों का तो जश्न होगा और भी रंगीन! और जब बात होली की होए तो पूरे परिवार को एक साथ जोड़ने का इससे बेहतर मौका क्या हो सकता है। प्यारए अपनेपन और मस्ती की बौछार के साथ यह शाम परिवारों को और करीब ले आएगी। यहां सिर्फअवॉर्ड्स नही बल्कि धमाकेदार परफॉर्मेंस, हल्की.फुल्की शरारतें और ज़ी टीवी के सबसे चहेते किरदारों के बीच जबर्दस्त केमिस्ट्री भी देखने को मिलेगी! तो इस रंगीन जश्न का हिस्सा बनने के लिए तैयार हो जाइए! देखिए ज़ी रिश्ते अवॉर्ड्स 2025ए 15 मार्च को शाम 7:30 बजेए सिर्फज़ी टीवी पर! ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स की चकाचैंध भरी शाम की शुरुआत रेड कार्पेट से हुई, जहां सितारों ने अपने शानदार लुक्स से सभी का ध्यान खींच लिया। हैंडसम अर्जित तनेजा और ग्रेसफुल सृति झा खूबसूरत व्हाइट रंगों में बेहद आकर्षक लगेए जबकि अक्षय देव बिंद्रा ने रेड वेल्वेट सूट में सबका दिल जीत लिया। ऐश्वर्या खरे पर्पल ड्रेप में बेमिसाल नजर आईंए तो टीवी की धड़कन रोहित सुचंती शार्प पर्पल सूट में डैशिंग लगे। हमेशा की तरह खूबसूरत राजश्री ठाकुर पीली साड़ी में खूबसूरती और आकर्षण का परफेक्ट मिश्रण लग रही थीं। वहींए आर्य बब्बर ने जोधपुरी सूट और ट्रेडिशनल पंजाबी जूतियों के साथ रॉयल लुक अपनाया। उधरए आयुषी खुराना और भरत अहलावत की स्टाइलिश जोड़ी ने मैचिंग ग्रीन इंडियन आउटफिट्स में परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट बनाया। इस माहौल में अपने खास रंग बिखेरते हुए सागर पारेखए रचना मिस्त्री और विजयेंद्र कुमेरिया की तिकड़ी ब्राइट पिंक शेड्स में बेहद आकर्षक नजर आईए तो नौशीन अली सरदार क्लासिक ब्लैक साड़ी में हमेशा की तरह खूबसूरत लगीं।

पत्नी को व्हाट्सएप के जरिए तीन तलाक कहने पर व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज

कासरगोड (केरल)। केरल के कासरगोड में व्हाट्सएप के जरिए अपनी पत्नी को कथित तौर पर तीन तलाक कहने को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ रविवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। होसदुर्ग पुलिस ने कासरगोड के निकट नेल्लीकट्टा निवासी अब्दुल रजाक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कल्लूरावी की रहने वाली उक्त महिला ने पुलिस मे दी शिकायत मे आरोप लगाया कि 21 फरवरी को व्हाट्सएप संदेश के जरिए उसके पति रजाक ने उसे तलाक दे दिया। शिकायत के अनुसार, रजाक एक खाड़ी देश मे काम करता है और उसने संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) से 21 वर्षीय महिला के पिता के व्हाट्सएप नंबर पर तलाक का संदेश भेजा था। महिला ने एक समाचार चैनल को बताया कि उसके ससुराल के लोग दहेज को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। महिला के मायके के लोगो की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(4) के तहत आपराधिक धमकी और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत उसके पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

यूनुस को बंगलादेश में गतिरोध दूर करने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है: अमर्त्य

भाषा। शांतिनिकेतन (प.बंगाल)

बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने कहा कि उनके मित्र और पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं, लेकिन गतिरोध का समाधान निकालने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। सेन ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति ने उन्हें बहुत प्रभावित किया है और उन्हें इस बात की चिंता है कि देश इन चुनौतियों से कैसे निपटेगा। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में शांतिनिकेतन स्थित अपने आवास पर पीटीआई-भाषा के साथ विशेष साक्षात्कार में सेन ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश, जिसने जमात जैसी सांप्रदायिक ताकतों को काफी हद तक काबू में रखा है, को धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी सराहनीय प्रतिबद्धता जारी रखनी चाहिए। सेन ने कहा, बांग्लादेश की स्थिति ने मुझे बहुत प्रभावित किया है, क्योंकि मेरी पहचान बंगाली होने की प्रबल भावना से जुड़ी है। उन्होंने कहा, मैंने ढाका में बहुत समय बिताया है और वहीं से अपनी स्कूली शिक्षा शुरू की थी। ढाका के अलावा, मैं अक्सर माणिकगंज में अपने पैतृक घर भी जाता था। अपने ननिहाल में मैं नियमित रूप से बिक्रमपुर जाता था, खासतौर पर सोनारंग। मेरे लिए इन जगहों का गहरा व्यक्तिगत महत्व है। कई अन्य लोगों की तरह, मैं भी इस बात को लेकर चिंतित हूं कि बांग्लादेश अपनी मौजूदा चुनौतियों से कैसे निपटेगा। सेन ने अपना ज्यादातर बचपन ढाका में बिताया है। उन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा सेंट ग्रेगरी स्कूल से शुरू की। बाद में वह शांतिनिकेतन चले आए और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के स्कूल में अध्ययन किया।उन्होंने कहा, बांग्लादेश में बड़े आर्थिक और सामाजिक बदलाव हुए हैं, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों को आगे बढ़ाने में, जिसमें सरकार और ग्रामीण बैंक जैसे गैर-सरकारी संगठनों का योगदान है।

मैं कांग्रेस का वफदार कार्यकर्ता हूं: शिवकुमार

भाषा। उडुपी (कर्नाटक)

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि वह कांग्रेस के वफादार कार्यकर्ता हैं तथा पार्टी और गांधी परिवार के प्रति कोई उनकी निष्ठा पर सवाल उठाता है तो वह भ्रम में है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी राज्य में 2028 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापस आएगी। शिवकुमार हाल में दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेताओं के साथ हुई अपनी बैठक और इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव के संबंध में राजनीतिक हलकों, विशेषकर सत्तारूढ़ पार्टी में चर्चाओं के बारे में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। शिवकुमार ने कहा, मैंने कोई शर्त नहीं रखी है और कोई शर्त रखने की जरूरत भी नहीं है। मैं एक कार्यकर्ता हूं, पार्टी जो कहती है, मैं उसके अनुसार काम करता हूं। शर्तें रखना या ब्लैकमेल करना मेरे खून में नहीं है। मैं कांग्रेस का वफादार कार्यकर्ता हूं। शिवकुमार ने यह बात उनकी दिल्ली यात्रा और पार्टी नेताओं पर कुछ शर्तें रखने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कही। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, अगर कोई भी, चाहे वह किसी भी पार्टी से हो, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर सवाल उठाता है, तो यह उसका भ्रम है। यह पूछे जाने पर कि क्या ढाई साल के सत्ता बंटवारे के फॉर्मूले के बारे में अटकलें झूठी हैं, शिवकुमार ने केवल इतना कहा, मैं केवल 2028 में ही इस पर कह सकता हूं। कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापस आएगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं।

असम में विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशों को लगा झटका, कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने के संकेत दिए

गुवाहाटी। असम मे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गैर-भाजपा दलो को एक साथ लाने की कोशिश मे बाधा आती दिख रही है, क्योंकि कांग्रेस के शीर्ष नेताओ ने मुख्य विपक्षी दल के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने रविवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया, जबकि एक दिन पहले विपक्षी दलों की बैठक से पार्टी सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के अचानक चले जाने से भी भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने के लिए आम सहमति को लेकर संदेह पैदा हो गया है। कांग्रेस, वाम दलों, रायजोर दल और असम जातीय परिषद (एजेपी) समेत विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने शनिवार शाम गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर के एक रिसॉर्ट में बैठक की थी। राज्य मे चुनाव के लिए गैर-भाजपा दलो को एक साझा मंच पर लाने के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों ने यहां यह बैठक बुलाई थी। दो बार के लोकसभा सदस्य और पूर्व मंत्री बोरदोलोई बैठक से निकल गए और अपने वाहन से चले गए। बैठक छोड़कर, बीच में ही अचानक चले जाने के बारे में उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बैठक में मौजूद रहे बोरा ने इसमें हुई बातचीत का खुलासा करने से इनकार कर दिया और कहा कि आयोजक निर्णय के बारे में जानकारी देंगे। हालांकि, रविवार सुबह फेसबुक पर उनकी पोस्ट से बड़े संभावित मतभेदों का संकेत मिला।बोरा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एकला चलो रे। साथ ही उन्होंने लिखा, चुनाव से पहलोचुनाव के बाद। सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से संपर्क नहीं हो सका है। बैठक के आयोजकों में शामिल प्रमुख लेखक और पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका ने दावा किया कि पार्टियों ने एकजुट रहने का निर्णय लिया है। डेका ने शनिवार शाम कहा,"चर्चा और बहस हुई। लेकिन अंत में यह निर्णय लिया गया कि बड़े उद्देश्य के लिए सभी गैर-भाजपा दल एक साथ आएंगे" असम गण परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने भी कहा कि एकजुट रहने का निर्णय लिया गया। लोकतंत्र में तर्क-वितर्क होते है। सांसद व्यक्तिगत कारणो की वजह से बैठक से चले गए। निर्णय यह हुआ कि हम एकजुट रहते हुए आगे बढ़ेंगे। रायजोर दल के प्रमुख और विधायक अखिल गोगोई ने भी कहा कि बैठक सर्वसम्मति से निर्णय लिए जाने के साथ समाप्त हुई। कोई भी नाराज होकर नही गया। बहस हुई। लेकिन अंत में, निर्णय सर्वसम्मति से हुआ।

गोदावरी मोटर्स और कमल ऑटो फाइनेंस में साझेदारी

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के एक प्रमुख नाम गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ एक अहम साझेदारी की है। इस करार पर 25 फ रवरी 2025 को हस्ताक्षर किए गएए जिसका उद्देश्य पहले चरण में राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। आने वाले समय में इस पहल को और भी राज्यों तक फैलाने की योजना है। इस साझेदारी के तहतए कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के लो.स्पीड और हाई.स्पीड इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर एल-3 और एल5 कैटेगरी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसका मकसद इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने को और आसान और किफ ायती बनाना है जिससे देश में सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को बढ़ावा मिल सके। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के निदेशक और सीईओ हैदर खान ने इस साझेदारी को लेकर कहा कि हम कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। यह कंपनी ऑटोमोबाइल फाइनेंसिंग में अग्रणी है और यह सहयोग हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक श्रेयांश ने कहा गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स भारत के तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में एक प्रमुख नाम है और इस अहम पहल में उनके साथ साझेदारी करके हमें खुशी हो रही है।

अमरोहा में पालतू बिल्ली की मौत से दुखी महिला ने आत्महत्या की

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में पालतू बिल्ली की मौत से दुखी एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। हसनपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) दीप कुमार पंत ने बताया कि कोट हसनपुर मोहल्ला निवासी पूजा (36) ने शनिवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि पूजा मानसिक रूप से बीमार थी और उसका मुरादाबाद में इलाज भी कराया गया था। परिजनों ने पुलिस को बताया, पूजा ने कुछ साल पहले एक बिल्ली पाली थी, जिससे वह बहुत प्यार करती थी। हालांकि, बिल्ली पिछले दिनों गंभीर रूप से बीमार पड़ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पूजा तीन दिन तक बिल्ली के शव के साथ सोती रही। परिवार उसे समझा रहा था कि बिल्ली मर चुकी है। पूजा की मां गजरा देवी ने बताया कि उसकी बेटी को अपनी बिल्ली से बहुत ज्यादा लगाव था और वह उसकी मौत के सदमे को सहन नहीं कर सकी। गजरा देवी ने कहा, पूजा हमें बिल्ली को दफनाने नहीं दे रही थी और उसके साथ सो रही थी। जब उसे एहसास हुआ कि उसकी बिल्ली वापस नहीं आएगी, तो वह घर की तीसरी मंजिल पर गई और आत्महत्या कर ली।

1954 से लेकर 2025 तक कुंभ भगदड़ की कहानियों का गवाह रहा प्रयागराज

भाषा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर के वकील निरंजन लाल ने अपनी बुआ द्वारा सुनाई गई 1954 के कुंभ मेले की भगदड़ की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वह पानी में गिर गई थीं और उनके चाचा ने बाल पकड़कर उन्हें बाहर निकाला था। देश की आजादी के बाद इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में यह पहला कुंभ था और लाल द्वारा सुनाई गई दुखद घटना तीन फरवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर हुई थी। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, भगदड़ की इस घटना में सैकड़ों लोग मारे गए थे। मौनी अमावस्या के दिन ही 71 साल बाद, 29 जनवरी को प्रयागराज के महाकुंभ में फिर से भगदड़ मची जब विशाल भीड़ अमृत स्नान के लिए त्रिवेणी संगम में उतरने की कोशिश कर रही थी। लाल (67) अपनी पत्नी के साथ उस समय महाकुंभनगर के सेक्टर-छह में एक स्विस कॉटेज में थे, तभी उन्हें देर रात उनके बेटे ने फोन किया और भगदड़ के कारण संगम न जाने के लिए कहा। लाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम सूर्योदय होने तक कॉटेज से बाहर नहीं आए और पूर्वाह्न लगभग 11 बजे सेक्टर-छह के पास स्थित दशाश्वमेध घाट पर गए। मेला क्षेत्र में सड़कों पर और घाट पर भारी भीड़ थी। हम कुछ घंटों पहले हुए त्रासदी से अवगत थे इसलिए सतर्क थे और चूंकि हम स्थानीय निवासी हैं इसलिए हमें पता है कि भीड़ के बेकाबू होने की स्थिति में क्या करना है? उन्होंने कहा, लेकिन, हम डरे नहीं और लौटे नहीं। मेरी पत्नी कल्पवास अवधि समाप्त होने तक वहीं रही, जिससे हमारे परिवार की कई पीढ़ियों की परंपरा पूरी हुई। लाल के परिवार के कई सदस्यों ने आजादी के बाद, यहां आयोजित सभी कुंभ मेलों में कल्पवास और स्नान किए हैं। लाल ने कहा, 1954 की घटना के बारे में मेरे चाचा और बुआ अक्सर बात करते थे। उन्होंने (बुआ ने) मुझे बताया कि जब वह डूब रही थीं, तो कैसे मेरे चाचा ने उन्हें बचाया था। लाल ने बताया कि उनकी बुआ का जन्म 1920 के दशक में हुआ था और 1986 में उनका निधन हो गया। वहीं, 2013 के कुंभ मेले के दौरान इलाहाबाद जंक्शन (अब प्रयागराज जंक्शन) पर भी भगदड़ मची थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। वर्ष 1954 की भगदड़ के बाद एक जांच समिति गठित की गई, जिसने बेहतर भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई सिफारिशें की थीं। प्रयागराज में रहने वाली घरेलू सहायिका रेणु देवी ने पीटीआई-भाषा को 29 जनवरी की घटना के बारे में बताया कि जिस दिन भगदड़ हुई, उन्होंने घाटों पर जूते-चप्पलों और थैलों के ढेर देखे थे तथा नदी में भी कई थैलियां नजर आईं। हालांकि, रेणु ने कहा, मैंने इस महाकुंभ के दौरान पांच बार संगम में स्नान किया, ज्यादातर भगदड़ के बाद।

सीयूईटी-यूजी परीक्षा आठ मई से एक जून तक होगी आयोजित: एनटीए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) आठ मई से एक जून तक आयोजित की जाएगी। सीयूईटी-यूजी के लिए आवेदन एक से 22 मार्च तक किया जा सकेगा। एनटीए के अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा की तारीखें हालांकि अभी संभावित हैं और विस्तृत कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। परीक्षाएं 13 भाषाओं - अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की जाएंगी। देश में केंद्रीय, राज्य और चुनिंदा निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश को मानकीकृत करने के लिए 2022 में सीयूईटी-यूजी की शुरुआत की गई थी। सीयूईटी-यूजी का उद्देश्य कई प्रवेश परीक्षाओं की जगह एक समान मूल्यांकन मंच प्रदान करना है। यह परीक्षा भाषा कौशल, विशिष्ट विषयों और सामान्य योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों का मूल्यांकन करती है, जो समावेशिता और समान अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। इसके लिए वर्ष 2024 में लगभग 13.47 लाख उम्मीदवार पंजीकृत हुए थे, वहीं 2023 में यह संख्या 14.99 लाख थी।

छात्रा का अपहरण : तीन शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज

बलिया (उप्र)। बलिया जिले के उभांव क्षेत्र में पुलिस ने 10वी कक्षा की एक छात्रा के अपहरण के आरोप में एक कॉन्वेंट स्कूल के तीन शिक्षकों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से रविवार को बताया कि उभांव थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी 10वी कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा 25 फरवरी को परीक्षा देने के लिए अपने घर से निकली थी लेकिन स्कूल के पूर्व शिक्षक अजय चौहान ने शिक्षक प्रियांशु यादव और संदीप शुक्ला की मदद से उसका कथित तौर पर अपहरण कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा ने बताया कि लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर तीनो आरोपियो के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 137(2) (अपहरण) और 61(2)ए (आपराधिक साजिश) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।अधिकारी ने बताया कि पुलिस छात्रा का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

ब्रिटेन, फ्रांस व यूक्रेन युद्ध विराम योजना पर सहमत

● रूस-यूक्रेन युद्ध

भाषा। लंदन

ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने यह जानकारी दी। स्टार्मर ने युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ रविवार को आयोजित शिखर सम्मेलन से पहले यह बात कही। स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है। लेकिन, रविवार को यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में ओवल ऑफिस की घटना छाई रही। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना

सामने आई है। स्टॉर्मर ने कहा कि उनका ध्यान शांति वार्ता बहाल करने के लिए सेतु बनने पर है। उन्होंने इसे बयानबाजी तेज करने के बजाय ट्रंप, जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फिर से जुड़ने के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया। स्टॉर्मर ने बीबीसी से कहा, अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवत: एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम करेगा, और फिर हम उस योजना पर अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे। स्टॉर्मर और मैक्रों दोनों ने शुक्रवार को ट्रंप से बात की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भरोसा नहीं है, लेकिन ट्रंप पर भरोसा है। उन्होंने कहा, क्या मुझे डोनाल्ड ट्रंप की बात पर यकीन करना चाहिए जब वे कहते हैं कि वे स्थाई शांति चाहते हैं? इसका जवाब है हां। स्टॉर्मर ने कहा कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी प्राप्त करने के लिए गहन चर्चा चल रही है।ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, यदि कोई समझौता होना है, यदि लड़ाई को रोकना है, तो उस समझौते का बचाव करना होगा, क्योंकि सबसे खराब परिणाम यह होगा कि एक अस्थाई युद्ध विराम होगा और फिर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन फिर से आएंगे। ऐसा पहले भी हो चुका है, मैं समझता हूं कि यह वास्तविक जोखिम है और इसीलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि कोई समझौता हो, तो वह स्थाई समझौता हो, न कि अस्थाई युद्ध विराम। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि वह यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। स्टार्मर ने कहा, हमारे पास यूक्रेन में न्यायपूर्ण और स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने का अवसर है, जो उनकी संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अब समय आ गया है कि हम यूक्रेन के लिए सर्वोत्तम परिणाम की गारंटी देने, यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने तथा हमारे सामूहिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एकजुट हों। इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज्य और रोमानिया के नेता भी शामिल हो रहे हैं। तुर्किए के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष भी इसमें भाग ले रहे हैं। इससे पहले, वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद ब्रिटेन आए यूक्रेन के राष्ट्रपति को ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने गले लगाया और कहा कि उन्हें देश का अटूट समर्थन प्राप्त है। जेलेंस्की शनिवार को जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे तो वहां बाहर एकत्र लोग उनके समर्थन में नारे लगा रहे थे। स्टार्मर ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया और वह उन्हें अंदर ले गए।

इमरान खान ने लोकतंत्र और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए वैश्विक मदद मांगी

भाषा। इस्लामाबाद

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की अपील की है। समाचार पत्र डॉन ने बताया कि टाइम पत्रिका में खान के नाम से प्रकाशित एक लेख में नेता ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी राजनीतिक वापसी के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आर्थिक साझेदारी एवं स्थिरता को प्रोत्साहित करने और संघर्ष एवं उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह लेख वास्तव में खान ने लिखा है या नहीं और इसे पत्रिका तक कैसे पहुंचाया गया। खान ने पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल और लोकतंत्र के लिए अपनी लड़ाई का लेख में जिक्र किया। उन्होंने देश में लोकतंत्र के कथित क्षरण पर गहरी चिंता व्यक्त की और वर्तमान समय को देश के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में से एक बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कदमों के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ आरोप लगाए गए ताकि लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए उनके समर्थन को दबाया जा सके। उन्होंने दावा किया कि उनका संघर्ष व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक मुद्दे से जुड़ा है, जिसके न केवल देश के लिए, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भी दूरगामी परिणाम हैं। खान ने पाकिस्तान के रणनीतिक महत्व को देखते हुए इस बात पर जोर दिया कि अंतराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को समझना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी प्रयासों से संसाधनों को हटाकर उन्हें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमेरिका की निजी कंपनी का लैंडर ब्लू घोस्ट चंद्रमा की सतह पर उतरा

केप केनवरल। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए, ड्रिल, वैक्यूम और अन्य प्रयोग उपकरणों के साथ एक निजी कंपनी का लैंडर रविवार को चंद्रमा की सतह पर उतरा। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट लैंडर चंद्रमा की कक्षा से उसकी सतह पर उतरा। फायरफ्लाई के मुख्य इंजीनियर विल कूगन ने कहा, लैंडिंग में सफलता प्राप्त की। हम चांद पर हैं। टेक्सास स्थित कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस ने इस अंतरिक्ष यान को विकसित किया है। एक दशक पहले स्थापित स्टार्टअप फायरफ्लाई को एक सहज, सीधी लैंडिंग ने ऐसा पहला निजी संगठन बना दिया है, जिसने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उतारा है। केवल पांच देशों रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ने ही ऐसी सफलता मिलने का अब तक दावा किया है।दो अन्य कम्पनियों के लैंडर के भी इस सप्ताह के अंत में चंद्रमा पर उतरने की उम्मीद है। लैंडिंग के आधे घंटे बाद, ब्लू घोस्ट ने सतह से तस्वीरें भेजनी शुरू कर दी।

मिस्र ने गाजा को सहायता बंद करने के इजराइल के फैसले की निंदा की

तेल अवीव। मिस्र ने गाजा पट्टी पर पूर्ण घेराबंदी करने के इजराइल के फैसले की निंदा की है और उस पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने रविवार को इजराइल-हमास युद्धविराम के अगले चरण के तत्काल कार्यान्वयन का आह्वान किया। मिस्र ने हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम के लिए प्रमुख मध्यस्थ के रूप में काम किया है।

दो भारतीय और एक नेपाली गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीयों समेत तीन लोगों को रविवार को नेपालगंज से गिरफ्तार किया। नेपाल पुलिस ने विज्ञप्ति में बताया कि भारत के कोलकाता निवासी जियाउल हक शेष (38) और किशोर (18), नेपालगंज निवासी नफीस मोहम्मद कबाडिया (24) को गिरफ्तार कर उनके पास से ट्रामाडोल नामक मादक पदार्थ की 5,000 गोलियां बरामद की। इसमें बताया गया कि जायसपुर पुलिस थाने से भेजी गई पुलिस की एक टीम ने भारत से नेपाल की ओर जा रही एक भारतीय नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल की जांच के दौरान तीनों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी विमानवाहक पोत दक्षिण कोरिया पहुंचा

सियोल। उत्तर कोरिया द्वारा किए गए क्रूज मिसाइलों के परीक्षण के कुछ दिनों बाद रविवार को अमेरिका का एक विमानवाहक पोत दक्षिण कोरिया पहुंचा। दक्षिण कोरियाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया की धमकी के जवाब में अमेरिकी-दक्षिण कोरिया के सैन्य गठबंधन और सहयोगात्मक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए सजो समान के साथ यूएसएस कार्ल विसन दक्षिण कोरिया के बुसान के बंदरगाह पहुंचा है।इसने कहा कि पिछले साल जून के बाद से दक्षिण कोरिया पहुंचने वाला यह हला अमेरिकी विमानवाहक पोत है। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा था कि उसने अपने विरोधियों को उसकी सेना की जवाबी हमले की क्षमता और उसकी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन दिखाने के लिए पिछले सप्ताह की शुरुआत में क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया था।

ट्रंप ने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा घोषित करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा घोषित करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। यह आदेश संघीय वित्त पोषण प्राप्त करने वाली सरकारी एजेंसियों और संगठनों को यह चुनने की अनुमति देता है कि वे अंग्रेजी के अलावा अन्य किसी भाषा में भी दस्तावेज और सेवाएं प्रदान करना जारी रखना चाहते हैं या नहीं। यह विधेयक पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के उस आदेश को निरस्त करता है जिसके तहत सरकार और संघीय वित्त पोषण प्राप्त करने वाले संगठनों को गैर-अंग्रेजी भाषियों को भाषा सहायता प्रदान करना अनिवार्य था। ट्रंप द्वारा शनिवार को हस्ताक्षरित आदेश के अनुसार, अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करने से न केवल संचार सुव्यवस्थित होगा, बल्कि साझा राष्ट्रीय मूल्यों को भी बल मिलेगा, तथा एक अधिक सुसंगत और कुशल समाज का निर्माण होगा।

ब्रिटेन के पीएम ने जेलेंस्की का स्वागत किया

भाषा। लंदन

वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद ब्रिटेन आए यूक्रेन के राष्ट्रपति को ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने गले लगाया और कहा कि उन्हें देश का अटूट समर्थन प्राप्त है। जेलेंस्की शनिवार को जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे तो वहां बाहर एकत्र लोग उनके समर्थन के नारे लगा रहे थे। स्टॉर्मर ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया और वह उन्हें अंदर ले गए। दोनों नेताओं की मुलाकात लंदन में यूरोपीय नेताओं की बैठक की पूर्व संध्या पर हुई। इस बैठक में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि अगर अमेरिका यूक्रेन से समर्थन वापस ले लेता है तो यूरोपीय देश यूक्रेन और खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं। स्टॉर्मर ने युद्धग्रस्त देश के नेता से कहा, "और जैसा कि आपने बाहर सड़क पर नारो के जरिए सुना, आपको पूरे ब्रिटेन में पूरा समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, हम आपके साथ,

यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें (युद्ध में) कितना भी समय लगे। जेलेंस्की ने उन्हें और ब्रिटेन के लोगों को उनके समर्थन और दोस्ती के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इस मुलाकात के बाद स्टॉर्मर ने शनिवार शाम को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की। यह बैठक उस असाधारण कूटनीतिक संकट के एक दिन बाद हुई जब ट्रंप और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ओवल ऑफिस में जेलेंस्की पर अमेरिकी समर्थन के प्रति पर्याप्त रूप से आभारी न होने का आरोप लगाया था। इसका प्रसारण टीवी पर सीधा हो रहा था।जेलेंस्की को यूरोपीय शिखर सम्मेलन से पहले रविवार को स्टॉर्मर से मिलना था।

ट्रंप के साथ संबंध सुधारें जेलेंस्की : नाटो प्रमुख

लंदन। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रूटे ने वोलोदिमीर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच शुक्रवार को हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा कि उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ अपने संबंधो मे सुधार करने का तरीका खोजना चाहिए। रूटे ने शनिवार को बीबीसी को बताया कि उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि उन्हें (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप द्वारा यूक्रेन के लिए अब तक किए गए कार्यों का वास्तव में सम्मान करना चाहिए। वह 2019 मे राष्ट्रपति के रूप मे ट्रंप के पहले कार्यकाल मे किए गए उस फैसले का जिक्र कर रहे थे जिसके तहत यूक्रेन को जैवलिन टैंक रोधी मिसाइल की आपूर्ति की गई थी जिनका इस्तेमाल उसने 2022 मे रूसी टैंको के खिलाफ किया था। रूटे ने ट्रंप और जेलेंस्की के बीच शुक्रवार को हुई बैठक को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि वह यह जानते है कि अमेरिकी प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि यूक्रेन रूस के साथ स्थाई शांति स्थापित कर सके। रूटे ने उम्मीद जताई कि रविवार को लंदन मे बैठक करने वाले यूरोपीय नेता यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी प्रदान करके भविष्य में शांति समझौते को संभव बनाने मे मदद करेंगे।

इराक के विस्थापित कुर्दों को घर लौटने की उम्मीद

गुहारजे (इराक)। उत्तरी इराक में सालों से जारी तुर्किए की सेना और कुर्द उग्रवादियों के बीच लड़ाई के कारण विस्थापित हुए इराकी कुर्द ग्रामीणों को जल्दी ही अपने घर लौटने की उम्मीद जागी है। उनकी उम्मीदें तब और बढ़ गईं जब कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने शनिवार को तुर्किए सरकार के खिलाफ 40 साल से जारी विद्रोह में संघर्ष विराम की घोषणा की। अगर यह संघर्ष विराम लागू होता है तो यह न सिर्फ पड़ोसी तुर्किए के लिए एक अहम मोड़ होगा, बल्कि दोनों देशों की सीमा तक फैले अस्थिर क्षेत्र में भी जरूरी स्थिरता ला सकता है। आदिल ताहिर कादिर 1988 में माउंट मतिन स्थित अपने गांव बारची से भाग गए थे, जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने क्षेत्र की कुर्द आबादी के खिलाफ अभियान शुरू किया था। वह अब एक नए बने गांव में रहता है – जिसका नाम भी बारची है। कादिर ने कहा कि अगर शांति आती है, तो वह तुरंत वापस चले जाएंगे। हम चाहते हैं कि यह काम करे ताकि हम वापस लौट सकें। अन्य विस्थापित सालिहा शिनो ने कहा, इस क्षेत्र के आसपास तुर्किए के कई ठिकाने हैं।

इजराइल ने संघर्षविराम के पहले चरण को बढ़ाने के अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन किया

काहिरा। इजराइल सरकार ने रविवार को कहा कि वह गाजा में संघर्ष विराम के प्रथम चरण को रमजान और यहूदी पर्व पासओवर तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करती है। हमास ने हालांकि संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर बातचीत करने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से यह बयान पहले चरण के संघर्ष विराम के समाप्त होने के कुछ ही मिनटों बाद आया। दूसरे चरण के संघर्ष विराम के लिए बातचीत शुरू हो गई है जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और गाजा में बंधक बनाए गए सभी शेष जीवित लोगों को छोड़ना है। बयान में इस बारे में नई जानकारी दी गई है जिसे इजराइल ने अमेरिकी प्रस्ताव बताया है। इसमें कहा गया है पासओवर या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाया जाएगा। पहले दिन, आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, छोड़ा जाएगा। अगर स्थाई युद्ध विराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि यह प्रस्ताव इसलिए रखा गया क्योंकि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को यह आभास हुआ कि इस स्तर पर युद्ध समाप्त करने के लिए पक्षों के बीच सहमति बनने की कोई संभावना नहीं है, तथा स्थाई युद्ध विराम पर बातचीत के लिए अधिक समय की जरूरत है। हमास की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। हमास ने पहले संघर्ष विराम के पहले चरण को 42 दिनों के लिए बढ़ाने के इजराइली प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। समूह के एक सदस्य ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा था कि ऐसा करना संघर्ष विराम समझौते की शर्तों के खिलाफ है।

पोप फ्रांसिस की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर: वेटिकन

रोम। निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की स्वास्थ्य स्थिति रविवार को स्थिर है और वह अस्पताल में विश्राम कर रहे हैं। वेटिकन ने रविवार को बताया, पोप की रात अच्छी गुजरी। पोप अब भी विश्राम कर रहे हैं। वेटिकन ने कहा कि बुखार या सफेद रक्त कोशिकाओं के बढ़ने का कोई लक्षण उनमें नहीं था। चिकित्सकों ने शनिवार को बताया कि फ्रांसिस (88) की हालत स्थिर है, लेकिन गंभीर नहीं है। उन्होंने एक बार फिर स्वास्थ्य में सुधार जारी रहने का संकेत दिया। इससे एक दिन पहले सांस संबंधी परेशानी के कारण उन्हें नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन पर रखा गया था। पोप को फेफड़े में संक्रमण के कारण 14 फरवरी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ईरान की संसद ने रियाल में गिरावट और आर्थिक कुप्रबंधन के कारण वित्त मंत्री को बर्खास्त किया

तेहरान। ईरान की संसद ने रविवार को अपनी मुद्रा रियाल के मूल्य में गिरावट और आर्थिक कुप्रबंधन के आरोपों के बीच देश के वित्त मंत्री के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करके उन्हें बर्खास्त कर दिया। संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने कहा कि 273 सांसदों में से 182 ने अब्दुलनासर हिम्मती के खिलाफ मतदान किया। सदन में 290 सीट हैं। मसूद पेजेशकियान की कैबिनेट के पदभार संभालने के छह महीने बाद यह बर्खास्तगी की गई। हिम्मती का बचाव करने वाले पेजेशकियन ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार पश्चिम के साथ कठिन लड़ाई में उलझी हुई है। उन्होंने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए संसद से अधिक एकता और सहयोग का आह्वान किया। यह निर्णय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव और पश्चिम के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच आया है। ईरान की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुई है, खासकर 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका के हटने के बाद। वर्ष 2015 में रियाल की कीमत डॉलर के मुकाबले 32,000 थी, लेकिन जुलाई में जब पेजेशकियन ने पदभार संभाला, तब तक यह गिरकर डॉलर के मुकाबले 5,84,000 हो गई थी। हाल ही में इसका मूल्य और गिर गया और तेहरान में एक्सचेंज की दुकानों में एक डॉलर का मूल्य 9,30,000 रियाल पर पहुंच गया।

मस्क के खिलाफ टेस्ला के शोरूम के बाहर प्रदर्शन

बोस्टन। प्रदर्शनकारियो ने संघीय खर्च मे कटौती के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासो के तहत अरबपति कारोबारी एलन मस्क द्वारा उठाए गए कदमों के खिलाफ देशभर में टेस्ला के स्टोर के बाहर प्रदर्शन किए।उदारवादी समूह कई सप्ताह से टेस्ला के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं ताकि कार कंपनी की ब्रिकी पर नकारात्मक प्रभाव डाला जा सके और मस्क के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का विरोध तेज किया जा सके तथा राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रंप की नवंबर की जीत से अब भी हतोत्साहित डेमोक्रेटिक पार्टी में ऊर्जा भरी जा सके। शनिवार को बोस्टन में विरोध करने वाले मैसाचुसेट्स के 58 वर्षीय पारिस्थितिकी विज्ञानी नाथन फिलिप्स ने कहा, हम एलन से बदला ले सकते है। हम हर जगह शोरूम में जाकर, टेस्ला का बहिष्कार करके कंपनी को सीधे आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं। मस्क ट्रंप के निर्देश पर संघीय खर्च और कार्यबल में भारी कटौती करने के लिए कदम उठा रहे है और उनका तर्क है कि ट्रंप की जीत ने राष्ट्रपति एवं उन्हें अमेरिकी सरकार के पुनर्गठन का जनादेश दिया है। टेस्ला टेकडाउन वेबसाइट पर शनिवार को 50 से अधिक प्रदर्शनो की सूची दी गई तथा मार्च में और भी प्रदर्शन किए जाने की योजना है।

विशेष वकील को पद से हटाने की ट्रंप की कोशिश गैरकानूनी: अमेरिकी अदालत

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने कहा है कि एक संघीय निगरानी एजेंसी के प्रमुख हैंपटन डेलिंजर को पद पर बरकरार रखा जाए और उन्हें हटाने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रयास गैर-कानूनी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एमी बर्मन जैक्सन ने स्वतंत्र एजेंसी के प्रमुख को हटाने के राष्ट्रपति के अधिकार को लेकर एक कानूनी लड़ाई में विशेष वकील कार्यालय के प्रमुख हैंपटन डेलिंजर का पक्ष लिया। संभावना है कि इस एजेंसी की कमान एक बार फिर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय को सौंपी जा सकती है। डेलिंजर ने खुद को हटाए जाने के बाद पिछले महीने ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। हालांकि कानून के अनुसार राष्ट्रपति केवल अक्षमता, कर्तव्य की उपेक्षा या कार्यालय में दुराचार के लिए ही विशेष वकीलो को हटा सकते है। डेलिंजर को डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने नियुक्त किया था और अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने 2024 में पांच साल के कार्यकाल के लिए उनके नाम पर मुहर लगाई थी। जैक्सन ने ट्रंप प्रशासन का यह दावा खारिज कर दिया कि विशेष वकील को हटाए जाने से मिला संरक्षण असंवैधानिक है। न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रपति को अपनी इच्छा से विशेष वकील को हटाने की अनुमति देने से विशेष वकील के महत्वपूर्ण कर्तव्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उरुग्वे के नए राष्ट्रपति यामंडु ओर्सी ने पदभार संभाला

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)। दक्षिण अमेरिकी देश उरुग्वे के नए राष्ट्रपति यामंडु ओर्सी ने शनिवार को पदभार संभाल लिया। वामपंथी नेता, पूर्व मेयर और इतिहास के शिक्षक रहे ओर्सी (57) की सरकार ने वर्षो से चली आ रही आर्थिक स्थिरता को खत्म करके सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। उन्होने निवर्तमान कंजरवेटिव राष्ट्रपति लुइस लैकेल पोउ की जगह ली है, जिनके पांच वर्ष के कार्यकाल मे देश मे कई मोर्चो पर समस्याएं देखी गई थी। उरुग्वे की राजधानी मोंटेवीडियो मे शनिवार को जब ओर्सी ने शपथ ली तो शहर के मुख्य चौराहे पर और अन्य जगहो पर उनके शपथ ग्रहण समारोह को देख रहे हजारो उरुग्वेवासियो ने उनके समर्थन मे नारे लगाए। ओर्सी को तीन महीने पहले हुए राष्ट्रपति चुनाव मे जीत मिली थी। ओर्सी ने शपथ ग्रहण समारोह मे कहा, "हम सभी अच्छी तरह जानते है कि हमे ऐसे समय मे अपने लोकतंत्र को संजोकर रखना होगा, जब पारंपरिक राजनीति मे अविश्वास बढ़ता हुआ दिख रहा है" उन्होने कहा, "हमे हमेशा विरोध करते रहना चाहिए, लेकिन कभी दुश्मन नही बनना चाहिए। हमें जितना संभव हो सके, निराशावाद से खुद को दूर रखना चाहिए"

सबसे तेज़ ईवी ड्राइव का रिकॉर्ड बनाया, सिर्फ76 घंटे और 35 मिनट में तय की दूरी

नोएडा। भारत की सबसे बड़ी 4.व्हीलर ईवी निर्माता और भारत के ईवी विकास की अग्रणी कंपनी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक की सबसे तेज ईवी ड्राइव का कीर्तिमान बनाया है। यह दूरी केवल 76 घंटे और 35 मिनट में तय की गई। इसका नेतृत्व भारत की अपनी एसयूवी कूपए ब्नतअअण्मअ ने किया। इससे पहले लंबी दूरी की सबसे तेज ड्राइव का कीर्तिमान टाटा की ही नेक्सन ईवी मैक्स के नाम था और यह नया कीर्तिमान पुराने रिकॉर्ड से करीब 19 घंटे कम है। भारत की लंबाई में सबसे तेज 3,800 किलोमीटर की दूरी तय करने के अलावा सफलतापूर्वक 20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं। इस उल्लेखनीय यात्रा को पूरा करते हुए टाटा इवी सीयूआरवी ईवी को केवल 16 चार्जिंग स्टॉप लग, जिससे चार्ज होने का औसत समय 28 घंटे से घटकर 17 घंटे हो गया। यह न केवल बैटरी तकनीक में प्रगति को दिखाता हैए बल्कि भारत के व्यापक पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क को भी प्रदर्शित करता है। इनमें से अधिकांश अब राजमार्गो पर तेज चार्जिंग गति का समर्थन कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के श्रीनगर में औपचारिक हरी झंडी दिखाने के बाद सीयूआरवी ईवी ने 25 फरवरी 2025 को सुबह 4 बजे अपनी यात्रा शुरू की। सीयूआरवी ईवी का यह प्रमुख वाहन अलग-अलग मौसम की स्थितियों का सामना करते हुए कई इलाकों और भारत के पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क से गुजरते हुए 28 फरवरीए 2025 को सुबह 8:35 बजे कन्याकुमारी पहुंचाए जहां इसका स्वागत कन्याकुमारी के सांसद थिरु विजय वसंत ने किया। इस रोमांचक अभियान के बारे में बात करते हुए टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफकमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा कि हमने यह रोमांचक नॉनस्टॉप यात्रा यह दिखाने के लिए शुरू की है कि ईवी के साथ लंबी इंटरसिटी ड्राइव कितनी सहजए कुशल और आरामदायक हो सकती है।

क्वांटम कंप्यूटिंग स्टार्टअप का कहना है कि वह पहले से ही लाखों चिप बना रहा है

सिडनी।अमेरिकी क्वांटम कंप्यूटिग स्टार्टअप साइक्वांटम ने घोषणा की है कि उसने बड़ी तादाद में क्वांटम चिप का निर्माण कर इस तकनीक को उपयोगी बनाने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण पहेली को सुलझा लिया है।वर्ष 2021 मे साइक्वांटम मे बड़े पैमाने पर वित्तपोषण की घोषणा की गई जिसके बाद यह कंपनी सुर्खियो मे आई। कंपनी तथाकथित फोटोनिक क्वांटम कंप्यूटिग का इस्तेमाल करती है, जिसे लंबे समय से अव्यावहारिक माना जाता रहा है।हालांकि, अत्यधिक हार्डवेयर मांग के कारण इसे रोक दिया गया था, क्योंकि फोटॉन को बनाना और पहचानना कठिन होता है। साइक्वांटम अब दावा करता है कि उसने इनमें से कई मुश्किलो को हल कर लिया है। नेचर मे प्रकाशित एक लेख मे कहा गया है कि कंपनी ने फोटोनिक क्वांटम कंप्यूटिग के लिए हार्डवेयर का अनावरण किया है जिसके बारे मे उसका कहना है कि इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा सकता है। क्वांटम कंप्यूटर में क्या है? किसी भी कंप्यूटर की तरह, क्वांटम कंप्यूटर भी भौतिक प्रणालियो मे जानकारी को कूटलेखन (एनकोड) मे बदलते है। जहां डिजिटल कंप्यूटर ट्रांजिस्टर मे बिट्स (0 और 1) को एनकोड करते है, वही क्वांटम कंप्यूटर क्वांटम बिट्स (क्यूबिट) का उपयोग करते है, जिन्हे कई संभावित क्वांटम प्रणालियो मे एनकोड किया जा सकता है।अन्य वाणिज्यिक तथ्यो मे तटस्थ परमाणु क्यूबिट, सिलिकॉन आधारित क्यूबिट और गैर-पारंपरिक फोटोनिक एनकोडिग शामिल है। ए सभी अब उपलब्ध है। कुछ बहुत अधिक कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध है और कुछ क्लाउड के जरिए उपलब्ध है। लेकिन एक बात ध्यान देने वाली हैः आज ए कम्प्यूटेशन से ज्यादा प्रयोग के लिए है। आपके डिजिटल कंप्यूटर मे मौजूद अलग-अलग बिट्स असाधारण रूप से विश्वसनीय होते है। हर ट्रिलियन ऑपरेशन मे एक बार उनमे कोई खराबी आ सकती है (उदाहरण के लिए, 0 अनजाने मे। मे बदल जाता है)। साइक्वांटम के नए प्लेटफार्म मे कम हानि वाले सिलिकॉन नाइट्राइड वेवगाइड्स, उच्च दक्षता वाले फोटॉन-नंबर-रिजॉल्विंग डिटेक्टर और लगभग हानि रहित इंटरकनेक्ट्स जैसी प्रभावशाली विशेषताएं है।

भीषण गर्मी हमारी जैविक प्रणाली में बदलाव लाती

भाषा। मेलबर्न

● यह हमे काफी तेजी से बूढ़ा बना सकती है : शोध

गर्मी आपकी सारी ऊर्जा खत्म कर देती है। एक लंबे, गर्म दिन में हम थका हुआ और चिड़चिड़ा महसूस करते हैं। लेकिन लगातार गर्मी की अवधि इससे कहीं ज्यादा ऊर्जा खत्म करती है- वह हमें तेजी से बूढ़ा बनाती है। गर्मी से होने वाला तनाव हमारे एपिजेनेटिक्स को बदल देता है। एपिजेनेटिक्स एक शारीरिक प्रक्रिया होती है, जिसमें हमारी कोशिकाएं पर्यावरणीय दबाव का सामना करते हुए जीन को सक्रिय या निष्क्रिय कर देती हैं। अमेरिका में हुए नए शोध में इस महत्वपूर्ण प्रश्न का जवाब तलाशा गया कि अत्यधिक गर्मी मनुष्यों को किस तरह प्रभावित करती है। इसके निष्कर्ष चिंताजनक हैं। शोध के दौरान एक प्रतिभागी ने जितने ज्यादा दिन तक भीषण गर्मी झेली, उतनी ही तेजी से वह अपनी वास्तविक उम्र के मुकाबले अधिक उम्र के दिखने लगे। लंबे समय तक अत्यधिक गर्मी में रहने वाले बुजुर्ग अपनी वास्तविक उम्र के मुकाबले और अधिक (दो साल से अधिक) बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे जलवायु गर्म होगी, मनुष्य अधिकाधिक गर्मी के संपर्क में आएंगे – और हमारा शरीर इन तनावों का सामना करते हुए तेजी से वृद्ध होगा। ए निष्कर्ष विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रासंगिक हैं, जहां गर्म होती दुनिया में ग्रीष्म लहरों के अधिक बार आने और तीव्र होने की आशंका है। आखिर गर्मी हमें बूढ़ा कैसे बनाती है? उम्र बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन बूढ़ा होने की दर हर व्यक्ति में अलग-अलग होती है। जैसे-जैसे हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, हमारे शरीर पर तनाव और आघातों का असर होता है। उदाहरण के लिए, अगर हम लंबे समय तक पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो हम तेजी से बूढ़े हो जाएंगे। गर्मी हमें सीधे बीमार कर सकती है या मार सकती है, लेकिन इसकी एक लंबी प्रक्रिया होती है। लगातार गर्मी हमारे शरीर पर दबाव डालती है और जीवित रहने के लिए आवश्यक कई कार्यों को करने में कम कुशल बनाती है।

आनुवंशिक स्तर पर चीजें कैसी दिखती हैं? आप सोच सकते हैं कि आपके जीन जीवन भर नहीं बदलते, और यह (यादृच्छिक उत्परिवर्तनों को छोड़कर) काफी हद तक सच है। लेकिन जो चीज बदलती है वह यह है कि आपके जीन किस तरह से काम करते हैं। यानी, जबकि आपका डीएनए तो वही रहता है, लेकिन आपकी कोशिकाएं तनाव के जवाब में अपने हजारों जीन में से कुछ को निष्क्रिय या सक्रिय कर सकती हैं। किसी भी समय, किसी भी कोशिका में जीनों का केवल एक अंश ही सक्रिय होता है – अर्थात वे प्रोटीन बनाने में व्यस्त होते हैं। इसे एपिजेनेटिक्स के नाम से जाना जाता है। इस मामले में डीएनए मिथाइलेशन (डीएनएएम) को समझने की जरूरत है। यहां मिथाइलेशन से तात्पर्य एक रसायन से है जिसका उपयोग हमारी कोशिकाएं डीएनए अनुक्रम को विभिन्न कार्यों वाले प्रोटीनों को उत्पादन व सक्रिय होने से रोक सकती हैं। डीएनएएम में कोशिकीय परिवर्तन के कारण प्रोटीन का उत्पादन कम या ज्यादा हो सकता है, जो बदले में शारीरिक कार्यों और हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को प्रभावित कर सकता है। यह बुरा या अच्छा दोनों हो सकता है। गर्मी से होने वाले तनाव से जीन के निष्क्रिय या सक्रिय होने का तरीका बदल सकता है, जिससे हमारे बूढ़ा होने की दर प्रभावित हो सकती है। कोशिकाओं में भीषण गर्मी से उत्पन्न तनाव बरकरार रह सकता है, जिससे समय के साथ उनके डीएनएएम पैटर्न में बदलाव होता है। प्रयोगशाला परीक्षण में, मछली, मुर्गियों, गिनी पिग और चूहों में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। आज तक, इस बात पर बहुत शोध किया गया है कि गर्मी एपिजेनेटिक्स को कैसे प्रभावित करती है, यह जानवरों और पौधों पर केंद्रित है। शोध में, अत्यधिक गर्मी के एक दौर से चूहों पर लंबे समय तक रहने वाले प्रभाव देखे गए हैं। लेकिन मनुष्यों पर कुछ ही अध्ययन किए गए हैं, और वे सीमित हैं। यह नया शोध इसी कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है। अध्ययन में क्या पाया गया? दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में लगभग 3,700 लोग शामिल थे, जिनकी औसत आयु 68 वर्ष थी। युवा लोगों की तुलना में बुजुर्गों पर गर्मी का ज्यादा असर पड़ता है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता कम होती जाती है, और हम बाहरी तनावों व आघातों का सामना करने के प्रति हम कमजोर पड़ जाते हैं। हम यह भी जानते हैं कि अत्यधिक गर्मी के कारण बीमारी और मृत्यु हो सकती है, खास तौर पर बुजुर्गों में। अध्ययन का उद्देश्य यह बेहतर ढंग से समझना था कि जब मानव शरीर अल्प, मध्यम और दीर्घ अवधि तक भीषण गर्मी के संपर्क में रहता है तो जैविक स्तर पर उसके साथ क्या होता है। ऐसा करने के लिए, शोधकर्ताओं ने रक्त के नमूने लिए और जीनोम में हजारों जगहों पर एपिजेनेटिक परिवर्तनों को मापा। इसका उपयोग तीन जैविक आयु चक्रों पीसीफेनोएज , पीसीग्रिमएज और ड्यूनेडिनपेस को मापने के लिए किया गया। इसके बाद, उन्होंने पिछले छह वर्षों, अर्थात 2010-16, के दौरान प्रत्एक प्रतिभागी के भौगोलिक क्षेत्र में गर्मी के स्तर का पता लगाया। उन्होंने गर्मी का आकलन करने के लिए अमेरिकी ताप सूचकांक का उपयोग किया।

वरुण के तूफानी पंजे में आई कीवी टीम

●सेमीफाइनल में मंगलवार को दुबई में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी टीम इंडिया

●भारत ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पर

●चैंपियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड को 44 रन से हराया

भाषा। दुबई

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी मैच में रविवार को यहां न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने नौ विकेट पर 249 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 205 रन पर आउट कर दिया। भारत के सामने सेमीफाइनल में मंगलवार को दुबई में ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी जबकि न्यूजीलैंड का सामना बुधवार को लाहौर में दक्षिण अफ्रीका से होगा।भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 10 ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए। कुलदीप यादव को दो सफलता मिली। न्यूजीलैंड के लिए केन विलियमसन ने 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। इससे पहले श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद मैट हेनरी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच रविवार को यहां भारत को नौ विकेट पर 249 रन पर रोक दिया। हेनरी ने आठ ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों का अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन, विलियम ओ राउरकी, कप्तान मिचेल सेंटनर और रचिन रविंद्र ने एक-एक विकेट लिए। न्यूजीलैंड के क्षेत्ररक्षकों ने कुछ कमाल के कैच पकड़ने के साथ अहम रन बचाए। भारत ने शुरुआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर पटेल (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा। उन्होंने लोकेश राहुल (23) के साथ भी 42 गेंद में 44 रन की साझेदारी की।अक्षर ने 61 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवरो में हार्दिक पंड्या ने 45 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 45 रन बनाकर टीम को 250 रन के करीब पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर रोहित शर्मा ने मैट हेनरी के खिलाफ आक्रामक अंदाज में चौका और छक्का लगाए लेकिन इस तेज गेंदबाज ने शुभमन गिल (दो) को चलता कर भारत का पहला झटका दिया। काइल जैमीसन के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में रोहित (15) विल यंग को कैच देकर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जड़ने वाले विराट कोहली भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हेनरी की गेंद पर प्वाइंट की दिशा में ग्लेन फिलिप्स ने शानदार कैच लपककर 14 गेंद में उनकी 11 रन की पारी को खत्म किया। सातवें ओवर में 30 रन तक तीन विकेट गंवाने के बाद श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल ने सतर्कता से बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर तक टीम के स्कोर को 46 रन तक पहुंचाया। अक्षर ने सेंटनर के खिलाफ चौका जड़कर बाउंड्री के 52 गेंद के सूखे को खत्म किया। अय्यर ने अगले ओवर में ओ राउरकी के खिलाफ तीन चौके लगाकर रनगति को पटरी पर लाने की कोशिश तेजी की। टीम ने 25वें ओवर में अपना शतक पूरा किया जिसका जश्न अय्यर ने ब्रेसवेल के खिलाफ शानदार चौके से मनाया।

स्कोरबोर्ड

भारत पारी: रोहित का यंग बो जैमीसन 15, गिल पगबाधा हेनरी 02,कोहली का फिलिप्स बो हेनरी 11,अय्यर का यंग बो ओ राउरकी 79, पटेल का विलियमसन बो रविंद्र 42, राहुलका लाथम बो सेंटनर 23,पंड्या का रविंद्र बो हेनरी 45, जडेजा का विलियमसन बो हेनरी 16,शमीका फिलिप्स बो हेनरी 05, यादवनाबाद 01, **अतिरिक्त**: 10,**कुल योग**: 50 ओवर में नौ विकेट पर: 249 रन,**विकेट पतन**:1-15, 2-22, 3-30, 4-128, 5-172, 6-182, 7-223, 8-246, 9-249,**गेंदबाजी**: हेनरी 8-0-42-5,जैमीसन 8-0-31-1,राउरकी 9-0-47-1, सेंटनर 10-1-41-1,ब्रेसवेल 9-0-56-0,रविंद्र 6-0-31-1

न्यूजीलैंड पारी: विल बो चक्रवर्ती 22, रविंद्र का अक्षर बो पंड्या 06,विलियमसन स्टं. राहुल बो अक्षर 81,मिचेलपगबाधा कुलदीप 17,लाथम पगबाधा जडेजा 14, फिलिप्स पगबाधा चक्रवर्ती 12, ब्रेसवेल पगबाधा चक्रवर्ती 02, सेंटनर बो चक्रवर्ती 28,हेनरका कोहली बो चक्रवर्ती 02,जैमीसन नाबाद 09, राउरकी बो कुलदीप 01,अतिरिक्त: 11,**कुल योग**: 45.3 ओवर में सभी आउट: 205 रन,**विकेट पतन**:1-17, 2-49, 3-93, 4-133, 5-151, 6-159 , 7-169 , 8-195 , 9-19,**गेंदबाजी**:शमी 4-0-15-0,पंड्या 4-0-22-1,अक्षर 10-0-32-1,चक्रवर्ती 10-0-42-5,कुलदीप 9.3-0-56-2,जडेजा 8-0-36-1

विदर्भ ने तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जीता

●फाइनल में केरल को पहली पारी की बढ़त पर हराया

भाषा। नागपुर

इस सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाली विदर्भ की टीम ने रविवार को अपने घरेलू मैदान पर खेले गए फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जीत लिया। हालांकि इस मुकाबले का नतीजा तीसरे दिन ही तय हो गया था जब विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 379 रन बनाने के बाद केरल को 342 रन पर समेटकर पहली पारी में 37 रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली थी। पहली बार फाइनल में पहुंची केरल की टीम ने भी कड़ी टक्कर दी, लेकिन विदर्भ को पूरे सत्र में अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन का फल मिला। इस दौरान उन्होंने सिर्फ रणजी ट्रॉफी ही नहीं जीती बल्कि टीम 50 ओवर की विजय हजारे ट्रॉफी में उपविजेता भी रही। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे पहले 2017-18 और 2018-19 सत्र में लगातार दो खिताब जीते थे। विदर्भ की यह जीत अब उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट में सबसे मजबूत टीमों में से एक बनाती है क्योंकि वह पिछले रणजी सत्र में उपविजेता रही थी। अक्षय वाडकर की कप्तानी और मुख्य कोच उस्मान गनी की अगुआई वाली टीम ने पूरे रणजी ट्रॉफी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विदर्भ लीग चरण में सभी चार ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ टीम रही, जिसने सात मैच में से छह जीत के साथ 40 अंक हासिल किए। वहीं केरल का किस्मत का साथ मिला जिसने नॉकआउट में जम्मू और कश्मीर (क्वार्टर फाइनल) और गुजरात (सेमीफाइनल) को मामूली अंतर से हराकर पहली पारी की बढ़त के आधार पर फाइनल तक का सफर तय किया। लेकिन विदर्भ ने जीत के जरिए फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ ने क्वार्टरफाइनल में पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंची तमिलनाडु को 198 रन से रौंदा और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन से पराजित किया। विदर्भ ने इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में खेले गए 10 मैच में से नौ में जीत हासिल की जो भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में टीम के प्रभुत्व को दर्शाता है। रविवार को भी विदर्भ ने योजना के अनुसार खेल दिखाया और करुण नायर के 135 (295 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) रन की मदद से नौ विकेट पर 375 रन बनाए जिसमें दानिश मालेवार ने 73 रन का योगदान दिया और दर्शन नालकंडे ने नाबाद 51 रन बनाए। विदर्भ ने अंतिम दिन के खेल पर पूरी तरह से अपना नियंत्रण रखा। उसने दिन की शुरूआत रात की 286 रन की बढ़त से की थी। नायर भले ही रात के स्कोर में केवल तीन रन ही जोड़ पाए लेकिन विदर्भ ने लगभग चाय के ब्रेक के करीब तक बल्लेबाजी की और नौ विकेट पर 375 रन बनाए जिससे टीम की कुल बढ़त 412 रन हो गई जो सचिन बेबी की टीम की पहुंच से कहीं ज्यादा थी। विदर्भ ने यह जीत अपने हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर हासिल की जिसमें दो सबसे युवा खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी टीम के प्रदर्शन की कमान संभाली।

दिल्ली ने 10 मैच के बाद चखा जीत का स्वाद

माहिलपुर। दिल्ली एफसी ने रविवार को यहां आई-लीग में डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब को 2-1 से हराकर 10 मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच के सभी गोल पहले हाफ मे हुए। दिल्ली की टीम के लिए समीर बिनॉन्ग (चौथे मिनट) और विक्टर कामहुका (20वें मिनट) ने गोल किए जबकि मार्क्स जोसेफ (35वें मिनट) ने डेम्पो के लिए गोल किया।इस जीत के बावजूद दिल्ली तालिका में सबसे नीचे (17 मैचों मे 13 अंक) है। आइजोल एफसी के भी इतने ही अंक है लेकिन उसने एक मैच कम खेला है।

नौकायन लीग : कोचिन क्वींस ओवरआल चैम्पियन

हैदराबाद। कोचिन क्वीस ने पहली अस्मिता नौकायन लीग मे ओवरआल चैम्पियन का खिताब जीत लिया है। केरल की टीम ने छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। मेजबान हैदराबाद क्वीस चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रही। ंडर 19 और अंडर 23 वर्ग मे 20 स्पर्धाओ मे आठ टीमें खिताब की दौड़ मे थी। कोचिन क्वीस ने अंडर 23 वर्ग मे पांच मे से चार स्पर्धाएं जीती। वही हैदराबाद क्वीस ने अंडर 19 खिताब और पांच मे से तीन स्पर्धाएं जीती। यह देश की पहली नौकायन लीग थी जिसमे टीमो के नाम शहरो के नाम पर थे।

भारत के बोल्लिपल्ली को चिली ओपन युगल खिताब

नई दिल्ली। भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारिएंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोजालेस को सीधे सेटो मे हराकर सैटियागो मे चिली ओपन टेनिस टूर्नामेट जीता।रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले मे 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच मे 11 ऐस लगाए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

कृष्णा ने अमेरिका में गोला फेंक स्पर्धा में रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। अमेरिका मे पढ़ाई कर रही भारत की कृष्णा जयशंकर ने अल्बुकर्क मे माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैपियनशिप मे 16.03 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर महिलाओं की गोला फेंक इनडोर स्पर्धा मे राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। नेवाडा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही 22 वर्षीय कृष्णा ने 2023 मे महाराष्ट्र की पूर्णाराव राणे द्वारा बनाए गए 15.54 मीटर के पिछले भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया। कृष्णा ने शनिवार को अंतिम प्रयास मे 16.03 मीटर गोला फेंका। थ्रोअर माया लेनसर (19.02 मीटर) और गैबी मोर्न्स (17.09 मीटर) ने न्यू मेक्सिको राज्य के अल्बुकर्क मे आयोजित इनडोर स्पर्धा मे क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता।

सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप : तेलंगाना और दिल्ली जीते

पंचकूला। तेलंगाना और दिल्ली ने रविवार को हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैपियनशिप के दूसरे दिन डिवीजन बी मे जीत दर्ज की जबकि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव ने भी डिवीजन सी के अपने मैच जीते। डिवीजन बी के पूल ए मे तेलंगाना ने असम पर 3-1 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की।

यकी ने दुबई में पहला एटीपी 500 युगल खिताब जीता

दुबई। भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरूष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7- 6, 10- 8 से जीता। इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे। भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4- 6, 7- 6, 10- 3 से मात दी।

कोहली का जज्बा उन्हें महान बनाते हैं : रिचर्ड्स

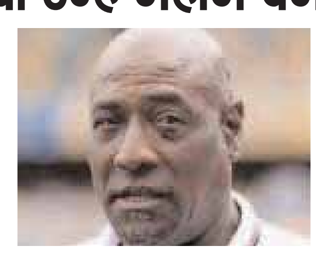

मुंबई। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर विवियन रिचर्ड्स ने रविवार को कहा कि विराट कोहली का जुझारू जज्बा, ऊर्जा और जुनून उन्हें क्रिकेट के महानतम और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के वर्ग में रखता है। कोहली की लगन और खेल के प्रति जुनून के लंबे समय से प्रशंसक रहे रिचर्ड्स ने मैदान पर अपने प्रदर्शन के जरिए आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए भारतीय बल्लेबाज की सराहना की। इंटरनेशनल मास्टर लीग (आईएमएल) की संचालन परिषद के सदस्य रिचर्ड्स ने वर्चुअल बातचीत के दौरान कहा, मुझे लगता है कि वह वास्तव में हम सभी के सवालों का जवाब देता है। वनडे विश्व कप से पहले वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था लेकिन फिर उन्होंने शानदार फॉर्म में वापसी की। इसलिए हम जिसके बारे में बात कर रहे थे, यह उस जज्बे का सच्चा प्रमाण है। उन्होंने कहा, इसलिए ही मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ और महानतम के वर्ग में रखता हूं। आपको हर दफा ऐसे खिलाड़ी नहीं मिलते जो फॉर्म में नहीं होने के बाद वापसी कर सकें। उनका जुझारू जज्बा, ऊर्जा और अच्छा प्रदर्शन करने का जुनून उन्हें सबसे अलग बनाता है।

वेस्टइंडीज को सुधार के लिए अफगानिस्तान से सीख लेनी चाहिए: रिचर्ड्स

मुंबई। चैपियंस ट्रॉफी में वेस्टइंडीज की अनुपस्थिति से निराश और आहत पूर्व महान खिलाड़ी सर विवियन रिचर्ड्स चाहते है कि कैरेबियाई टीम खुद को विश्व क्रिकेट में एक ताकत के रूप मे फिर से स्थापित करने के लिए अफगानिस्तान से सीख ले। वेस्टइंडीज और श्रीलंका दो ऐसी टीमे है जो विश्व कप और चैपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है लेकिन पाकिस्तान और दुबई मे खेले जा रहे आठ-टीमो की प्रतियोगिता मे के मौजूदा सत्र के लिए क्वालीफाई करने मे असफल रही। मै बस उम्मीद कर रहा हूं कि मेरी वेस्टइंडीज टीम इन लोगों (अफगानिस्तान) की किताब से सीख ले सकती है।

प्राग मास्टर्स : केमेर को हराकर प्रज्ञानानंदा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

प्राग। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ शीर्ष पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेइ यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुएन थाइ देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला।

क्विक न्यूज

पाक दिग्गजों ने कहा: भारत द्विपक्षीय श्रृंखला खेलें, अन्य बोर्ड खिलाड़ियों को आईपीएल में नहीं भेजें

कराची। चैंपियंस ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने के बाद पाकिस्तान के पूर्व सितारों की प्रतिक्रिया हास्यास्पद से लेकर निराशाजनक रही है जिसमे जहां सक्लेन मुश्ताक ने भारत के साथ सभी प्रारूपो मे द्विपक्षीय श्रृंखला मे खेलने की चुनौती देने की बात कही तो वही इंजमाम उल हक द्वारा क्रिकेट बोर्ड से अपने खिलाड़ियों को आईपीएल मे नही भेजने की अपील तक की गई है। चैंपियन ऑफ स्पिनर और पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच रह चुके सक्लेन ने एक टीवी चैनल पर कहा कि भारत के पास बहुत अच्छी टीम है, लेकिन पाकिस्तान की हार का कारण दोनो देशो के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट की अनुपस्थिति है। उन्होंने कहा, अगर भारत यह साबित करना चाहता है कि वह पाकिस्तान की टीम से बेहतर है, तो मेरा सुझाव है कि वे घरेलू और विदेशी आधार पर कम से कम 10 टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेलें। हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए दोनों टीमों की असली ताकत जान पाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के व्यस्त कार्यक्रम के कारण सेमीफाइनल की चारों टीमें एक ही शहर में मौजूद

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मे अपनी प्रतिद्वंद्वी की अनिश्चितता के कारण ग्रुप बी की शीर्ष दो टीमें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दुबई में मौजूद है। किसी वैश्विक टूर्नामेंट में ऐसा कम ही होता है कि अंतिम चार में पहुंचने वाली टीमों के लिए भविष्य की योजना पूरी तरह से साफ ना हो। ग्रुप ए से अंतिम चार में प्रवेश करने वाले भारत और न्यूजीलैंड को अगर इसमें शामिल कर ले तो वर्तमान में दुबई में सेमीफाइनल मे जगह पक्की कर चुकी चारों टीमें है। इस परिदृश्य ने क्रिकेट की दुनिया में पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों के बीच विचारों में मतभेद पैदा कर दिया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भविष्य मे ऐसी स्थिति से बचने के लिए कारगर उपाय करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ने से ऑस्ट्रेलिया अंतिम चार मे जगह पक्की करने के बाद शुक्रवार देर रात कराची से दुबई के लिए उड़ान भरी। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर अपने अंकों की संख्या पांच कर ली और ग्रुप बी मे शीर्ष पर रहते हुए दुबई जाने वाली फ्लाइट में सवार हो गया। इनमें से कौन दुबई मे रुकेगा, यह रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। भारत अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत जाता है तो वह ग्रुप ए मे शीर्ष पर रहेगा और मंगलवार को यहां पहले सेमीफाइनल मे ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत अगर न्यूजीलैंड से हारता है तो उसका सामना ग्रुप बी मे शीर्ष पर रहने वाले दक्षिण अफ्रीका से होगा और ऑस्ट्रेलिया बुधवार को लाहौर मे दूसरा सेमीफाइनल खेलने के लिए पाकिस्तान वापस जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का ध्यान स्पिनरों पर

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार दोपहर आईसीसी अकादमी मे तीन घंटे का गहन अभ्यास सत्र आयोजित किया जिसमें उनका पूरा ध्यान स्पिन के खिलाफ अभ्यास पर लगा था। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जहां हल्का अभ्यास किया, वही युवा खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी अकादमी के सात नेट गेंदबाजो को चुना जिसमें सभी स्पिनर थे। इनमे बाएं हाथ के धीमी गति के गेंदबाज हर्षित सेठ के अलावा दो बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज, इतने ही ऑफ स्पिनर और एक लेग स्पिनर शामिल था। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी मे दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर रहा और दोनो टीमें यूएई में मौजूद है क्योंकि अभी उन्हें नही पता कि सेमीफाइनल में उनका प्रतिद्वंद्वी कौन होगा। ऑस्ट्रेलिया अपने अंतिम चार मुकाबले में ग्रुप ए की तालिका मे शीर्ष पर रहने वाली टीमो भारत या न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। भारत के साथ पहला सेमीफाइनल मंगलवार को दुबई में और दूसरा बुधवार को लाहौर में खेला जाएगा। रविवार को ट्रेनंग के बाद स्पिनर हर्षित सेठ ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट गेंदबाजों से एक निश्चित लेंथ पर गेंदबाजी करने को कहा था जिससे उन्हें ड्राइव और फ्लिक करने का मौका मिले।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा मजबूत : सेबेस्टियन को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलो की मेजबानी के लिए भारत का दावा मजबूत है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ मे शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलो की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना मे पहला ठोस कदम है। को ने पीटीआई से विशेष साक्षात्कार में कहा, मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नही होगी कि मै बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई। उन्होने कहा, पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमे सिर्फ एक ही बोलीदाता नही होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है। पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीए, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों मे शामिल है जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नही चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा।

पिछले साल की हार के बाद हमने मानसून से ही तैयारी शुरू कर दी थी: विदर्भ के कप्तान वाडकर

नागपुर। कप्तान अक्षय वाडकर ने रविवार को यहां अपनी टीम को तीसरा खिताब दिलाने के बाद कहा कि पिछले साल रणजी ट्रॉफी फाइनल मे मुंबई से हार इतनी कड़वी रही कि विदर्भ ने अगले सत्र के लिए मानसून से ही अभ्यास शुरू कर दिया था।विदर्भ ने यहां केरल पर पहली पारी मे निर्णायक 37 रन की बढ़त हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। वाडकर ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह मे कहा, पिछले साल हम फाइनल हार गए थे। इसलिए हमने मानसून के दौरान ही तैयारी शुरू कर दी थी। हर खिलाड़ी ने अपने खेल मे सुधार के लिए मेहनत की। इस सत्र मे शीर्ष दस रन बनाने वालो मे विदर्भ के चार बल्लेबाज शामिल है। हर्ष दुबे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। यश (राठौड़) सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है और दानिश (मालेवार) के पास अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख पलटने की क्षमता है।

लखनऊ, मऊ, गोरखपुर और अमेठी हास्टल सेमीफाइनल में

● ओपन सीनियर प्रदेश आमंत्रण पुरुष हैंडबॉल

लखनऊ। मेजबान लखनऊ और मऊ ने ओपन सीनियर प्रदेश स्तरीय आमंत्रण पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता में लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल में सर्वोच्च स्थान के साथ सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय व क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ के तत्वावधान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ चार जीत के साथ पूल बी में शीर्ष पर रहा जबकि अमेठी हास्टल की टीम तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंची। पूल ए में मऊ ने तीन जीत के साथ शीर्ष पर और गोरखपुर ने दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में स्थान सुरक्षित किया। दूसरे दिन खेले गए लीग मुकाबलों में लखनऊ ने मुजफ्फरनगर को 20.12 से हराया। वहीं गोरखपुर ने अयोध्या को 28.17 सेए मऊ ने बुलंदशहर को 18.17 से और अमेठी हास्टल ने वाराणसी को 14.10 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता में सोमवार को सुबह के सत्र में सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल लखनऊ व गोरखपुर के मध्य सुबह नौ बजे से और दूसरा सेमीफाइनल मऊ व अमेठी हास्टल के मध्य सुबह 10 बजे से खेला जाएगा।

इकाना में दम दिखाने उतरेगी यूपी वारियर्स

●गुजरात जाइंट्स के खिलाफ आज होगा मुकाबला

लखनऊ । यूपी वारियर्स महिला प्रीमियर लीग के अहम रिटर्न मुकाबले में सोमवार को गुजरात जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य पिछली हार का बदला चुकता करके जीत की राह पर वापसी का होगा। दोनों के बीच पहला मैच वडोदरा में 16 फरवरी को हुआ था जिसमें गुजरात जाइंट्स ने छह विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद गुजरात को मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार दो मैचों में हराया। बेंगलुरू में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को हराकर गुजरात ने प्लेआफ की उम्मीदें फिर जीवित की। अब यूपी वारियर्स, आरसीबी और गुजरात जाइंट्स के चार चार अंक हैं और वे तीसरे से पांचवें स्थान पर हैं। यूपी और गुजरात ने आरसीबी से एक मैच कम खेला है और यह मैच दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। गुजरात के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। डायलान हेमलता और हरलीन देयोल खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। कप्तान एशले गार्डनर ने आरसीबी के खिलाफ 31 गेंद में 58 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। गार्डनर इस सत्र में तीन अर्धशतक लगा चुकी हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग की जरूरत है। आरसीबी के खिलाफ मैच के बाद गार्डनर ने कहा था , हमने अलग अलग हालात में खेला है और अब हम लखनऊ जा रहे हैं। उम्मीद है कि पावरप्ले में प्रदर्शन बेहतर होगा। हमारे पास विकेट सुरक्षित हों तो हम अच्छा स्कोर बना सकते हैं। यूपी वारियर्स की चिंता का सबब उसकी बल्लेबाजी है जिसके निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करके अहम भूमिका निभाई है। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उनके गेंदबाज 142 रन का बचाव नहीं कर सके। दिल्ली कैपिटल्स पर मिली जीत में चिनेले हेनरी और क्रांति गौड ने अच्छा प्रदर्शन किया जबकि आरसीबी पर सुपर ओवर में मिली जीत में सोफी एक्सेलेटन ने कमाल किया।

मेधांश ने सर्वाधिक अंक के साथ जीता 43वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट

लखनऊ। शीर्ष वरीय मेधांश सक्सेना ने 43वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 6 अंक के साथ अविजित रहते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। वहीं आयु वर्ग में अनय अग्रवाल, जयेश किशोर आर्य व उज्जवल राज श्रीवास्तव चैंपियन बने। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवानी पब्लिक स्कूल, शहीद पथ द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में मेधांश सक्सेना ने छठें व अंतिम राउंड के बाद सर्वाधिक अंक हासिल किए। उनसे मात्र एक अंक से पिछड़े अंचल रस्तोगी 5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। हालंकि अंचल रस्तोगी, उमेश वर्मा,अजितेश रावत व सुनील कुमार ने समान 5.5 अंक हासिल किए लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते क्रमश: दूसरे से पांचवें स्थान पर रहे।,अंडर-16 आयु वर्ग में उज्जवल राज श्रीवास्तव व अणर्व बनर्जी ने समान 3.3 अंक जुटाए लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते उज्जवल पहले स्थान पर रहे जबकि अणर्व बनर्जी को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अनंत चौरसिया ढाई अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अंडर.13 आयु वर्ग में जयेश किशोर आर्या व उत्सव राज श्रीवास्तव के 3.3 अंक रहे। हालांकि टाईब्रेक स्कोर के चलते जयेश पहले व उत्सव दूसरे स्थान पर रहे। आरुष कबीर ढाई अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।,अंडर.9 आयु वर्ग में अनय अग्रवाल सर्वाधिक साढ़े तीन अंक के साथ पहले स्थान पर रहे। विवस्त विवेक सक्सेना व आर्यन दीपक के समान 2.2 अंक रहे लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते क्रमशरू दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। समापन समारोह में शिवानी ग्रुप ऑफ स्कूल व कॉलेजेस के सीईओ सुधीर दुबे ने पुरस्कार बांटे।

वाराणसी ने जीती यूपी स्टेट यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप

●यूपीएए की राशि सिंह ने झटके दोहरे स्वर्ण

●लखनऊ की अशिता व कोमल को सोना

लखनऊ। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक पर आयोजित यूपी स्टेट यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप.2025 में युवा एथलीटों ने दमदार प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में वाराणसी की टीम 3 स्वर्णए 4 रजत व 4 कांस्य पदक के साथ ओवरऑल विजेता रही। वहीं सहारनपुर व सोनभद्र 2 स्वर्णए 1 रजत व 1 कांस्य पदक के साथ संयुक्त उपविजेता रही। चैंपियनशिप में लखनऊ की अशिता ने बालिका लंबी कूद में और कोमल यादव ने बालिका 400 मी में स्वर्णिम सफलता हासिल की। वहीं यूपीएए की राशि सिंह ने दोहरे स्वर्ण जीते। दूसरी ओर हेप्टाथलान में सभी सात स्पर्धाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए बालकों में इटावा के वरुण राजपूत और बालिकाओं में सीतापुर की प्रिया मिश्रा पहले स्थान पर रहे। यूपी एथलेटिक्स एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव नरेंद्र कुमार , बाबादीन चौधरी इंटरनेशनल रेफरी एसके खन्ना, ,रचना गोविल सहित लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव बीआर वरुण ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा पंजीकृत कार्यालय- 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-69342500, 46035729 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 020465800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।